जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 72 प्रभात चूरू, मंगलवार 9 जुलाई, 2024 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

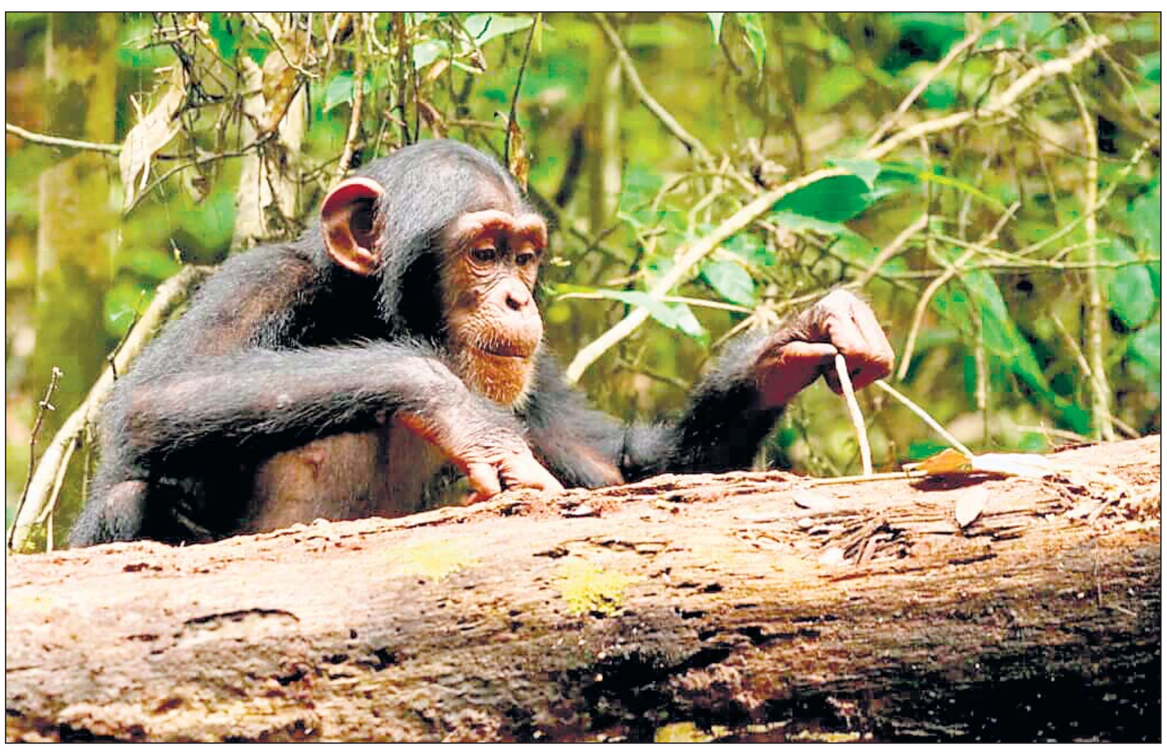

इंसान की तरह चिम्पैंज़ी भी ऐसे स्थानों से भोजन ढूंढने के लिए टूल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं जहाँ पहुंचना कठिन होता है। पी.एल.ओ.एस बायॉलजी में छपे एक शोध के अनुसार, चिम्पैंज़ी में भी इंसानों की तरह सीखने की प्रक्रिया सतत चलती रहती है और वे इन क्षमताओं को वयस्क होने तक और बेहतर बना लेते हैं। फ्रांस की ''एप सोशल माइंड लैब'' के प्रमुख और मुख्य शोध लेखक मैथ्यू मैलेहब ने कहा कि, जंगल में, चिम्पैंज़ी के अस्तित्व के लिए सीखने की सतत प्रक्रिया और क्षमताओं का सतत विकास बेहद ज़रुरी है। जलवायु परिवर्तन के कारण भोजन की कमी होती जा रही है, ऐसे में डंडियों को ''टूल'' की तरह इस्तेमाल करके भोजन ढूंढना अतिआवश्यक हो जाता है। इंसान के बाद चिम्पैंज़ी का टूल किट बहुत ज्यादा विविधतापूर्ण होता है। मैथ्यू ने कहा, संरक्षण परियोजनाओं को इन प्रवृतियों को संरक्षित करने पर फोकस चाहिए क्योंकि इस प्रजाति के संरक्षण से हमारे उद्विकास इतिहास को समझने में भी मदद मिलेगी। मानव उद्विकास को समझने का प्रयास कर रहे शोधकर्ताओं ने चिन्हित किया है कि, टूल्स का इस्तेमाल करना मस्तिष्क के विकास का एक बड़ा कारक है। इसी तरह, इंसान में भी जीवन भर सीखते रहने की क्षमता का श्रेय विभिन्न प्रकार के टूल्स के इस्तेमाल को दिया जा सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि, चिम्पैंज़ी ने टूल्स का इस्तेमाल कैसे सीखा, इस पर कई अध्ययन हुए हैं पर इन क्षमताओं का उत्तरोत्तर विकास कैसे होता है, इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया है। शोधकर्ताओं ने साढ़े सात साल तक 70 वैस्टर्न चिम्पैंज़ी के तीन समूहों को मॉनिटर किया और 1460 तरह से स्टिक (लकड़ी) के इस्तेमाल का विश्लेषण किया। उन्होंने देखा कि, चिम्पैंज़ी लकड़ी का इस्तेमाल कैसे करते हैं, यह उनके भोजन पर निर्भर करता है। उन्होंने देखा कि, उम्रदराज चिम्पैंज़ी टूल्स के इस्तेमाल में ज्यादा माहिर थे। शोधकर्ताओं का निष्कर्ष है कि, चिम्पैंज़ी को यह महारथ हासिल करने के लिए सीखने की लम्बी प्रक्रिया से गुजरना आवश्यक है।

कश्मीर में आतंकियों का भारतीय सैन्य दल पर हमला, 5 जवान शहीद

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में हुई इस घटना में पांच अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हुए है

- **घटना कठुआ के माचेड़ी इलाके की है। सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है।**
- **सेना की ओर से क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया गया है।**
- **दो दिन पहले कुलगाम में भी आतंकवादियों व सेना के बीच मुठभेड़ हुई थी, जिसमें 8 आतंकी मारे गए थे तथा दो जवान शहीद हुए थे।**
- **रविवार को राजौरी में भी आतंकियों ने एक गांव की सुरक्षा चौकी पर हमला किया था जिसमें एक जवान घायल हो गया।**

श्रीनगर, 8 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में आतंकियों ने भारतीय सेना के काफिले पर सोमवार को अचानक हमला कर दिया। दहशतगर्दों की फायरिंग के बाद भारतीय जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से फायरिंग में सेना के 5 जवान शहीद हो गए और 5 घायल भी हैं। यह घटना जिले के माचेड़ी इलाके में हुई। बताया जा रहा है कि यह क्षेत्र इंडियन आर्मी की 9 कोर के तहत आता है। खबर लिखे जाने तक दोनों ओर से गोलीबारी का सिलसिला जारी था। साथ ही, बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, आतंकवादियों ने सेना के वाहनों को निशाना बनाकर एक ग्रेनेड फेंका और गोलीबारी की। ये वाहन कठुआ शहर से 150 किलोमीटर दूर लोहई मल्हार में बदनोता गांव के पास दोपहर करीब साढ़े 3 बजे माचेडी-किंडली-मल्हार मार्ग पर नियमित गश्त पर थे।

गौरतलब है कि दो दिन पहले ही कुलगाम जिले में आतंकवादियों और जवानों के बीच 2 मुठभेड़ें हुई थीं। इस दौरान कुल मिलाकर 8 आतंकी मारे गए। मोदेरगाम और चिन्निगम गांवों में हुई मुठभेड़ों में एलीट पैरा यूनिट के लांस नायक प्रदीप कुमार और राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन के सिपाही प्रवीण जंजाल प्रभाकर शहीद हो गए थे। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक आरआर स्वैन ने कहा कि आतंकवादियों का मारा जाना सुरक्षा बलों के लिए बड़ा मील का पत्थर है, क्योंकि इससे सुरक्षा माहौल मजबूत होगा। ये सफल ऑपरेशन सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बहुत सार्थक हैं। ये ऑपरेशन यह संदेश भी देते हैं कि लोग आतंकवाद के कारण और अधिक खून खराबा नहीं चाहते हैं।

रविवार को राजौरी जिले के एक गांव में सुरक्षा चौकी पर आतंकवादियों ने गोलीबारी कर दी थी। इसमें सेना का एक जवान घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने तड़के करीब 4 बजे मंजाकोट क्षेत्र के गलुथी गांव में सेना की चौकी पर गोलीबारी की, जिसके बाद जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि दहशतगर्दों और जवानों के बीच करीब आधे घंटे तक फायरिंग हुई, जिसमें सेना का एक जवान घायल हो गया। मगर, आतंकवादी निकट के जंगल में भाग गए। आतंकवादियों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

कुछ दिनों पहले कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास गांव में एक व्यक्ति ने अपनी खेत के नीचे सीमा पार सुरंग होने का संदेह जताया था, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल के जवान स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर मौके पर खुदाई कर रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि सुरंग मौजूद है या नहीं। हीरानगर बेल्ट के थांगली गांव के किसान ने देखा कि उसके खेत में आने वाला पानी एक छोटी सी खाई में जा रहा है। उसे लगा कि यह सीमा पार की सुरंग हो सकती है। ग्रामीण ने बताया कि उसने पुलिस और बीएसएफ को इसकी सूचना दी, जिसके बाद पुलिस बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंची और व्यापक खुदाई की, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला।

अन्नाद्रमुक के पुराने नेता व कार्यकर्ता दुखी हैं, पार्टी के डूबते भाग्य से

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **इन नेताओं की शिकायत है, जयललिता के समय अन्नाद्रमुक लोकसभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी थी, पर, अब बाय इलैक्शन लड़ने से बच रही है।**
- **जैसा कि विदित है, डी.एम.के. विधायक की मृत्यु के कारण विक्रवण्डी सीट पर उपचुनाव होंगे।**
- **पर अन्नाद्रमुक ने उपचुनाव में भाग न लेने की घोषणा की है।**
- **क्या यह निर्णय भाजपा को परोक्ष रूप से मदद करने के लिये लिया गया है तथा अन्नाद्रमुक के नेताओं को भय भी था कि वैसे ही उसके कार्यकर्ता, लोकसभा चुनाव की भांति, द्रमुक को समर्थन देने के मूड में नहीं हैं।**

नई दिल्ली, 8 जुलाई। तमिलनाडु में एक बहुत ही मजेदार उपचुनाव होने जा रहा है जिसमें प्रमुख विपक्षी दल अन्नाद्रमुक भाग नहीं लेने वाली है इससे इन अटकलों को बल मिला है कि क्या भाजपा को खुली छूट देना एक विवेकपूर्ण कदम था और क्या यह द्रमुक के लिए भी बुद्धिमत्तापूर्ण था।

द्रमुक के वर्तमान विधायक की मृत्यु हो जाने के कारण विधानसभा की विक्रावंडी सीट रिक्त हो चुकी है और सत्ताधारी पार्टी को विधानसभा में प्रचंड बहुमत प्राप्त है, इसलिए उसका यह मानना है कि इस सीट पर बिना किसी बाधा के वह अपना कब्जा बनाए रखने में कामयाब होगी। जैसा कि तमिलनाडु में होता रहा है, सत्ता पर काबिज पार्टी अधिकांशतया हमेशा उपचुनाव जीतती रही है।

यहां तक कि लोकसभा चुनावों के दौरान यह देखा गया था कि अन्नाद्रमुक के समर्थकों ने भाजपा के नेतृत्व वाले एन.डी.ए. को अन्य विपक्षी वोट देने के बजाए द्रमुक को वोट दिया था और अब इसको लेकर अटकलें तेज हो गई है कि क्या अन्नाद्रमुक के समर्थक मतदाता अब होने वाले उपचुनावों में भी वैसा ही रुख अपनाएंगे। द्रमुक नेताओं को पक्का भरोसा है कि वे निश्चितरुप से सत्ताधारी दल को ही वोट देंगे, द्रमुक के एक वरिष्ठ मंत्री के. पोन्मुदि ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा था कि इस बार भी चुनावों में अन्नाद्रमुक के समर्थक मतदाता द्रमुक पार्टी को वोट देंगे।

अन्नाद्रमुक के पूर्व मंत्री व वरिष्ठ नेता डी. जयकुमार ने द्रमुक मंत्री की आशावादी सोच से भिन्न मत प्रकट किया और कहा कि अन्नाद्रमुक वोटर्स उनकी पार्टी की अपील अनुसार वोट करेंगे और द्रमुक को वोट देने के बजाए वे चुनावों का बहिष्कार करना ज्यादा पसंद करेंगे।

इस मामले में रोचक सवाल यह है कि अन्नाद्रमुक पार्टी चुनावी मैदान से बाहर क्यों हो गई।

तमिलनाडु में अटकलों का बाजार गर्म है कि अन्नाद्रमुक पार्टी भाजपा की मदद करने के लिए चुनावी मैदान से बाहर हुई है।

असल में, क्षेत्रीय संगठन के एक नेता, द्रविडार कज़गम (डी.के.) के अध्यक्ष के. वीरामणि ने कहा था कि अन्नाद्रमुक चुनावों का बहिष्कार करेगी तो उससे अप्रत्यक्ष रुप से भाजपा गठबंधन को लाभ होगा।

अभी कुछ समय पूर्व खत्म हुए लोकसभा चुनावों में यहां तक देखा गया था कि अन्नाद्रमुक ने भाजपा की आलोचना नहीं की थी।

लोकसभा चुनाव 2019 का हो या वर्ष 2024 का, अन्नाद्रमुक एक भी सीट जीतने में कामयाब नहीं हुई है।

विक्रवांडी निर्वाचन क्षेत्र में द्रमुक तथा पी.एम.के., जो कि भाजपा गठबंधन की पार्टी है, दोनों उपचुनाव लड़ रहे हैं और आगामी चुनावी युद्ध के लिए गहन चुनाव प्रचार अभियान प्रारंभ कर चुके हैं। गठबंधन का दूसरा सहयोगी दल टी.टी.वी. दिनकरन ने अन्नाद्रमुक पर निशाना साधते हुए कहा कि उसे चुनावों में पराजित होने का डर था, इसलिए अन्नाद्रमुक ने मजबूरन उपचुनाव नहीं लड़ने का निर्णय किया।

उनकी रिश्तेदार व जयललिता की खास भरोसेमंद शशिकला ने अन्नाद्रमुक के अध्यक्ष एडापड्डी पलानीस्वामी की कटु आलोचना की ओर कहा कि पार्टी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी मणिपुर दौरे पर

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जुलाई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मणिपुर पहुँच गये तथा जिरिबाम एवं चारचाँदपुर जिलों में स्थित राहत शिविरों में जाकर वहाँ रहने वाले लोगों से बातचीत की तथा उनके प्रति सहानुभूति व्यक्त की। मणिपुर में मई, 2023 में शुरू हुई इस नस्ली हिंसा के बाद यह तीसरा अवसर है, जब राहुल गांधी मणिपुर गये हैं।

- **मणिपुर में हिंसा होने के बाद से राहुल गांधी की यह तीसरी मणिपुर यात्रा है। गांधी ने राहत शिविरों में रह रहे विस्थापितों से मुलाकात की।**

इस पूर्वोत्तर राज्य में फैली नस्ली हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोग गत वर्ष से इन राहत शिविरों में रह रहे हैं। इस हिंसा में अब तक 200 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

राज्य की दोनों लोकसभा सीटें जीतने के बाद, राहुल गांधी पहली बार मणिपुर गए हैं। उनके साथ पार्टी के कई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य राहुल गांधी के पक्ष में मुखरित हुए

शंकराचार्य ने कहा, राहुल द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव पर संसद में दिये भाषण को टुकड़ों में उद्धृत करना व प्रचारित करना गलत व अनैतिक है

- डॉ. सतीश मीश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **शंकराचार्य के अनुसार राहुल गांधी ने सारे हिन्दू धर्मालम्बियों को कभी हिंसा फैलाने वाला नहीं बताया, उन्होंने भाजपा को हिंसा फैलाने वाला हिन्दुओं का ''ग्रुप'' बताया था।**

नई दिल्ली, 8 जुलाई। राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में दिये उस आक्रामक एवं चर्चित भाषण के कई दिनों बाद, ज्योति मठ के छियालिसवें शंकराचार्य कांग्रेस नेता के समर्थन में आगे आ गए हैं।

यह विवाद राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिये प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान उस समय पैदा हुआ, जब राहुल गांधी ने भाजपा नेताओं पर जनता को साम्प्रदायिक आधार पर बाँटने का आरोप लगाया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राहुल के भाषण की भर्त्सना की तथा कहा कि कांग्रेस नेता ने ''पूरे हिन्दू समाज को हिंसक'' बताया है। इस आरोप ने से संसद में तू-तू मैं-मैं की स्थिति ला दी जिसके कारण लोकसभा अध्यक्ष को रिकॉर्ड से बहुत से विवादास्पद बयान हटाने पड़े।

आर.एस.एस. और उससे सम्बद्ध बहुत से संगठन, जिनमें भाजपा और बजरंग दल भी शामिल हैं, राहुल द्वारा लोकसभा में बोले गये शब्दों को तोड़ने-मरोड़ने की कोशिश कर रहे हैं जिससे जनता के दिलो-दिमाग में कांग्रेस की नकारात्मक छवि बिठाई जा सके।

शंकराचार्य, जो हिन्दुओं की बहुत सम्मानित हस्ती हैं, ने एक भिन्न नजरिया प्रस्तुत किया है। शंकराचार्य ने रविवार को कहा, ''हमने राहुल गांधी के पूरे भाषण को बहुत ध्यान से सुना। (राहुल) स्पष्ट शब्दों में जोर देते हुये कहते हैं कि हिन्दुत्व हिंसा को खारिज करता है।''

सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके एक वीडियो में धर्मगुरू ने इस बात की आलोचना की कि गांधी के भाषण के चयनित हिस्सों को प्रचारित-प्रसारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तथ्यों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तथ्यों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करने वालों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। शंकराचार्य ने कहा, ''गांधी के बयान के केवल चयनित हिस्सों को प्रस्तुत करना भ्रामक, गुमराह करने वाला तथा अनैतिक है।'' उन्होंने कहा कि इस कृत्य के जिम्मेदार लोगों को सजा मिलनी चाहिए।

कांग्रेस सांसद तथा राहुल गांधी की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रदेश के 13 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट

जयपुर, 8 जुलाई। राजस्थान में मानसून की एंट्री के बाद से लगातार बारिश का दौर जारी है। बारिश के चलते कई जिलों में नदी नाले उफान पर है। वहीं, वर्षाजनित हादसों में कई लोगों की मौत हो चुकी है। राजधानी जयपुर सहित कई जगह आज सुबह बारिश हुई। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 13 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। हालांकि, मानसून आने के बाद लगातार चल रहा भारी बारिश का दौर आज थम जाएगा। लेकिन, 10 जुलाई से फिर तेज बारिश का दौर शुरू होगा।

- **बीते 24 घंटे में सर्वाधिक बारिश पश्चिमी राजस्थान के तारानगर, चूरू में 141 मिलीमीटर तथा करौली में 137 मिलीमीटर दर्ज की गई है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत में आधी वयस्क जनता हार्ट-अटैक व लकवे की छाया में जी रही है

इतनी बड़ी संख्या में हार्ट अटैक व पक्षाघात के रिस्क का कारण लैन्सैट ग्लोबल हैल्थ ग्रुप व डब्ल्यु.एच.ओ. के अनुसार, जनसंख्या में फिज़िकल एक्टिविटी (शारीरिक गतिविधि का अभाव है)

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **विश्व में 30 प्रतिशत जनता में ''फिज़िकल एक्टिविटी'' का अभाव है, पर, भारत में यह आंकड़ा 49.4 प्रतिशत है और अगर वर्तमान हालात में परिवर्तन नहीं हुआ तो यह आंकड़ा 59.9 प्रतिशत तक पहुंच जायेगा 2030 तक।**
- **वर्ल्ड बैंक के अनुसार, पर्याप्त फिज़िकल एक्टिविटी न होने से हार्ट अटैक व लकवे के अलावा टाइप 2 डायबिटीज़, डिमैन्शिया, कई तरह के कैन्सर की बीमारी होने की संभावना बहुत बढ़ जाती है।**
- **डब्ल्यु.एच.ओ. के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र से अच्छे करिअर व लाइफ स्टाइल की तलाश में युवा शहर आते हैं। पर, करिअर की दौड़ में इन युवाओं की जिंदगी काम की जिम्मेवारी तक सीमित हो जाती है और काम के लिये आवागमन व वर्क कमिटमैंट के रूटीन में फंस जाती है, जिसमें थोड़ी ''सोशलाइजिंग'' वीक एण्ड को ही संभव होती है। इस लाइफ-स्टाइल में ''फिज़िकल एक्टिविटी बहुत कम हो जाती है तथा इसका नतीजा होता है गंभीर बीमारियाँ।**

नई दिल्ली, 8 जुलाई। द लैंसेट ग्लोबल हैल्थ ने शारीरिक निष्क्रियता के कारण भारत के वयस्क लोगों के गिरते स्वास्थ्य को लेकर चेतावनी जारी की है। इस विषय की गंभीरता का अंदाजा वर्ष 2022 के डेटा से लगाया जा सकता है, जिसमें यह बताया गया है कि भारत के सभी वयस्क फिज़िकल एक्टीविटी के तय मापदण्डों को पूर्ण करने में विफल रहे।

स्वास्थ्य का मामला चिंताजनक है। इन वयस्कों में हार्ट अटैक व स्ट्रोक सहित दिल की बीमारियों, टाइप 2 डायबिटीज़, डिमैन्शिया, स्तन व आंतों को प्रभावित करने वाले विभिन्न कैंसर्स जैसी बीमारियाँ बढ़ने का अंदेशा है।

दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था एवं सबसे अधिक आबादी वाले भारत में श्रमिकों की भारी संख्या है, जिसमें वयस्कों और युवाओं की बहुतायत है। इनमें से कई युवा जीवन के अच्छे अवसरों की तलाश में शहरों का रूख करते हैं।

तथापि, करियर बनाने के उत्साह और उससे जुड़े दबावों ने रोजमर्रा के जीवन को उबाऊ बना दिया है, क्योंकि इसमें काम की प्रतिबद्धताएं, नियमित आना-जाना, सप्ताहांत में कभी-कभी लोगों से मिलना और फिर पुनः अपने काम पर लगने का चक्र चलता रहता है।

इस लाइफ स्टाइल गिफ्ट के कारण शारीरिक गतिविधि के स्तर में उल्लेखनीय कमी आई है और इसके कारण कामगारों में पोषण की खराब आदतों में इजाफा हुआ है।

वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गनाइज़ेशन (डब्ल्यू.एच.ओ.) में डायरैक्टर ऑफ हैल्थ प्रमोशन डॉ. रूडिगर क्रैच चेतावनी देते हैं कि शारीरिक निष्क्रियता ग्लोबल हैल्थ के लिए एक मौन, किन्तु वास्तविक खतरा प्रस्तुत करती है। वह अधिक सक्रिय जीवन शैलियां अपनाने को लेकर विभिन्न आयु समूहों, पर्यावरणों और सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों के लोगों को प्रेरित करने के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संविदा कर्मी को हटाया, हाई कोर्ट ने रोक लगाई

जयपुर, 8 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पंचायती राज विभाग के अधीन संविदा पर कार्यरत ब्लॉक समन्वयक को हटाकर उसके स्थान पर दूसरे संविदा कर्मी को लगाने पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ

- **पंचायती राज विभाग में एक संविदा कर्मी को हटाकर दूसरे संविदा कर्मी की नियुक्ति को हटाए गए संविदाकर्मी ने अदालत में चुनौती दी और कहा कि संविदा कर्मी को तभी हटाया जा सकता है जब उसके स्थान पर नियमित भर्ती की जाए।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जो तेरे सामने और की निंदा करता है, वो और के सामने तेरी निंदा करेगा।
–कहावत

अमृतकाल में अंधविश्वास क्यों?

भारतीय संविधान में नागरिकों के मौलिक अधिकार का उल्लेख तो प्रारंभ से है, किंतु मौलिक कर्तव्य का अनुच्छेद 51 ए 1976 में 42वें संविधान संशोधन विधेयक के द्वारा जोड़ा गया। अनुच्छेद 51 ए (एच) निम्न प्रकार है :–

"प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावाद, ज्ञानार्जन और सुधार की भावना का विकास करे"

संविधान को लागू हुए 75 वर्ष हो गए हैं और भारत सरकार द्वारा 25 साल के काल खंड को 'अमृत काल' का नाम दिया गया है। यह देखना उपयुक्त होगा कि अमृत काल में इस महत्वपूर्ण मौलिक कर्तव्य की वर्तमान में क्या स्थिति है?

जिस प्रकार की घटनाएं हम कुछ वर्षों में देख रहे हैं, उनसे तो लगता है कि समय के साथ नागरिक, अधिक अंधविश्वासी होते जा रहे हैं। इसके कई उदाहरण हमें नियमित रूप से देखने को मिलते हैं। इनमें से कुछ का हम यहां उल्लेख करके यह देखने का प्रयास करेंगे कि अंधविश्वास और अंधश्रद्धा किस प्रकार नागरिकों के जीवन को तबाह कर रही है और उनमें वैज्ञानिक सोच अब तक विकसित क्यों नहीं हो पाई है?

तथाकथित धर्म गुरुओं के प्रति अंध श्रद्धा का ही परिणाम है कि अंधविश्वास में कोई कमी नहीं आई है। सरकार की ओर से भी केवल सतही तौर पर लक्षण के आधार पर कार्रवाई की जाती है, किंतु इस समस्या के मूल में जाने का प्रयास कभी नहीं किया गया।

भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ सूरजपाल यादव के हाथरस में हुए प्रवचन के बाद 3 जुलाई, 2024 को जो भगदड़ मची, उसमें 121 व्यक्तियों की मृत्यु हुई। इनमें 116 महिलाएं और शेष बच्चे थे। मीडिया से प्राप्त जानकारी के अनुसार भगदड़ मचने का कारण 80000 लोगों की सभा की अनुमति के विरुद्ध ढाई लाख से अधिक व्यक्तियों का वहां एकत्रित होना था । इनके लिए पुलिस, प्रशासनिक एवं प्राथमिक चिकित्सा तक की व्यवस्था नहीं थी। सारी जिम्मेदारी भोले बाबा के लगभग 12000 सेवा सेवादारों की थी। सूरजपाल यादव ने यह कहा बताते हैं कि जहां उनके चरण पड़ते हैं वहां की धूलि को माथे पर लगाने से हर समस्या का निवारण हो जाता है। इसी लिए सूरजपाल यादव के घटनास्थल से निकलने पर लगभग ढाई लाख लोगों की भीड़ में उनके चरण – रज लेने की होड़ लग गई, जिसके कारण भगदड़ में दम घुटने से इतनी बडी संख्या में लोग दब कर मर गए। लगभग सभी महिलाएं निर्धन परिवारों की थीं।

संविधान के अमृत काल में इस प्रकार की घटना का होना अत्यंत दुखद है। यह उल्लेखनीय है कि यह घटना पहली नहीं है। इससे पहले भी कई प्रकार की ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें हजारों व्यक्तियों की जान भीड़ में भगदड़ मचने से हुई है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने इस घटना की जो एफ आई आर दर्ज की है, उसमें 'बाबा' का नाम तक नहीं है। आश्चर्य की बात यह है कि कोई भी राजनीतिक दल, बाबा के विरुद्ध राज्य सरकार द्वारा एफ आई आर दर्ज करने का दबाव नहीं डाल रहा है। पुलिस – प्रशासन इसे सामान्य कानून व्यवस्था की घटना मानकर देश के सम्मुख रख रहा है, जबकि वास्तव में ऐसा है नहीं।

यह घटना तो उस मूल समस्या का लक्षण मात्र है, जिसे अंधविश्वास कहा जाता है। यदि वैज्ञानिक सोच का विकास किसी भी हद तक हुआ होता, तो इतनी बडी संख्या में महिलाएं इस इस बाबा के चरणों की धूल से बीमारी ठीक होने के अंधविश्वास में दबकर नहीं मरती।

समाज में व्याप्त अंधविश्वास, सैंकडों परिवारों को उम्र भर का कष्ट दे गया है। विडंबना की बात यह भी है कि बाबा इस हादसे के बाद से ही फरार है।

स्वतंत्रता के 75 साल बाद भी अंधविश्वास के चलते, कई महिलाओं को डायन, चुड़ैल बता कर उन्हें समाज से बहिष्कृत कर प्रताड़ित किया जाता है, उनके बाल काट दिए जाते हैं और उन्हें यातनाएं दी जाती हैं। मजे की बात यह है कि महिलाओं को तो 'डायन', और 'चुड़ैल' घोषित कर दिया जाता है एवं उन्हें विभिन्न प्रकार के अमानवीय कष्ट झेलने पड़ते हैं, किंतु किसी भी पुरुष को राक्षस बता कर कर उसे कष्ट दिया गया हो, ऐसा नहीं सुना है।

हाथरस हादसे में, मृत सभी महिलाएं निरक्षर नहीं हैं। ये साधारण परिवार की अवश्य हैं, किंतु इनमें से कई ने विद्यालय स्तर की शिक्षा प्राप्त की होगी, ऐसा दिखाई दिया। स्पष्ट है, विद्यालय में भी उनके अंधविश्वास को वैज्ञानिक सोच के आधार पर कम करने के बजाय उसे प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से बढ़ाने का ही काम किया गया ।

विश्वास एवं अंधविश्वास में एक बहुत बारीक सी रेखा होती है। हम में कई विद्वानों, धर्मगुरुओं, साधु-संतों के प्रति आदर और श्रद्धा होना स्वाभाविक है। यह सब उनके चरित्र और ज्ञान के कारण होता है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब किसी की कही हुई बात को लोग बिना तार्किक और विवेकपूर्ण विश्लेषण के, यथावत स्वीकार कर लेते हैं और उनके आदेश अनुसार कुछ भी करने को तत्पर हो जाते हैं। ढोंगी, पाखंडी तथाकथित धर्मगुरु इसी अंधश्रद्धा का लाभ उठाकर अपने अनुयायियों का आर्थिक, मानसिक और शारीरिक शोषण करते हैं। तथाकथित 'बाबा' के प्रति अंध श्रद्धा के कारण ही कई लोग अपनी अपनी पुत्री, बहन या पत्नी को उनके पास इलाज के लिए या संतान प्राप्ति के उपाय के लिए छोड़ देते हैं। इसी का लाभ उठाकर कई तथाकथित धर्मगुरुओं उर्फ बाबाओं ने, चाहे वह किसी भी धर्म या संप्रदाय के हों, महिलाओं का यौन शोषण तक किया है। आसाराम, गुरमीत राम रहीम ऐसे ताजा उदाहरण हैं, जिन पर महिलाओं के यौन शोषण के न केवल आरोप लगे बल्कि वे सिद्ध भी हुए हैं और उन्हे आजीवन कारावास की सजा हुई। ये तो कुछ उदाहरण मात्र हैं। ऐसे बाबा पूरे देश में हज़ारों की संख्या में हैं, किंतु उनका भंडाफोड़ होना अभी बाकी है।

भोले बाबा हो अथवा बाबा बागेश्वर, इन सबको भी जब भगवान मानना प्रारंभ कर देते हैं, समस्या वहीं से प्रारंभ होती है। यह सोच, भारतीय संविधान में नागरिकों से अपेक्षित वैज्ञानिक सोच के विपरीत है आवश्यकता इस बात की है कि बच्चों में प्रारंभ से ही, विद्यालयी शिक्षा के दौरान, विवेकपूर्ण विश्लेषण की क्षमता और वैज्ञानिक सोच की प्रवृत्ति विकसित की जाए ताकि वह बड़े होकर किसी के अंधभक्त न बनें।

अंधविश्वास और अंधश्रद्धा किस प्रकार नागरिकों के जीवन को तबाह कर रही है और उनमें वैज्ञानिक सोच अब तक विकसित क्यों नहीं हो पाई है? तथाकथित धर्म गुरुओं के प्रति अंध श्रद्धा का ही परिणाम है कि अंधविश्वास में कोई कमी नहीं आई है। सरकार की ओर से भी केवल सतही तौर पर लक्षण के आधार पर कार्रवाई की जाती है, किंतु इस समस्या के मूल में जाने का प्रयास कभी नहीं किया गया।

देश के बड़े-बड़े नेताओं और अधिकारियों को भी सार्वजनिक रूप से ऐसे बाबाओ के सामने नतमस्तक होते नहीं दिखाया जाना चाहिए क्योंकि साधारण जनता यह सोच लेती है कि बड़े लोग जो कर रहे हैं, वह सही ही होगा।

यह एक विचित्र सी बात लगती है कि समय के साथ-साथ ऐसे धर्मगुरुओं और बाबाओ की संख्या में कमी आने के स्थान पर इनमें निरंतर वृद्धि होती जा रही है। इस प्रकार के पाखंडी बाबा केवल किसी एक धर्म में नहीं है, अपितु लगभग सभी धर्मों और समाजों में किसी न किसी रूप में विद्यमान हैं। ऐसे बाबा लोगों के एजेंट कई राज्यों में फैले हुए हैं, जो उनके तथाकथित चमत्कारों के बारे में मिथ्या प्रचार करके ऐसा वातावरण तैयार करते हैं, जैसे इन बाबाओ के दर्शन करने या उन्हें छूने मात्र से उनके सारे कष्ट दूर हो जाएंगे। यह भी एक तथ्य है कि बाबाओ के चक्कर में अधिकतर महिलाएं ही फंसती हैं ।

जहां श्रद्धा समाप्त होती है, वहीं अंधश्रद्धा प्रारंभ हो जाती है। अंध श्रद्धा में सबसे पहले तर्कशक्ति समाप्त होती है। तर्कशक्ति समाप्त होने के बाद ऐसे व्यक्ति को आसानी से भ्रमित करके वश में लिया जा सकता है । अपने पुरुषार्थ और कर्म पर विश्वास न करके, शॉर्टकट से परिणाम प्राप्ति की आकांक्षा इस प्रकार की प्रवृत्ति को बढ़ावा देती है । समाज में इसके विरुद्ध जिस प्रकार का वातावरण बनना चाहिए एवं नागरिकों को मौलिक कर्तव्य के प्रति सचेत करने का जो आंदोलन चलाना चाहिए, उसका नितांत अभाव है ।

राजनीतिक दल, इस प्रकार के अंध विश्वासी भक्तों को अपने वोट बैंक की तरह देखते हैं । संभवतया, इसी कारण किसी भी राज्य की पुलिस ऐसे ढोंगी बाबाओं के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही नहीं करती। हाथरस प्रकरण में भी विभिन्न टीवी चैनलों पर पर जो चर्चा होती है उनमें अधिकांश दलों के प्रतिनिधि भोले बाबा को दोषी नहीं ठहरा रहे हैं, केवल कानून व्यवस्था की स्थिति मानकर ही आयोजकों के विरुद्ध कार्रवाई करने की बात कर रहे हैं ।

उत्तर प्रदेश सरकार ने इस घटना की जांच हेतु न्यायिक जांच आयोग अवश्य गठित किया है, किन्तु अब तक के अनुभव से तो यही लगता है कि इसकी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जायेगी। राजस्थान के जोधपुर में लगभग 18 साल पहले मेहरानगढ़ किले पर भगदड़ में 223 व्यक्तियों की मौत हुई थी, जिसकी जांच के लिए उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जसराज जी चोपड़ा की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग बनाया गया था। इस आयोग की रिपोर्ट 15 वर्ष के बाद भी अब तक सार्वजनिक नहीं की गई है।

देश में अब तक अंध श्रद्धा और अंध विश्वास को रोकने के लिए कोई कानून, कुछ राज्यों को छोड़कर, नहीं बनाए गए हैं। जिन सामाजिक कार्यकर्ताओं ने वैज्ञानिक सोच को प्रचारित-प्रसारित करने का प्रयास किया और अंधविश्वास के विरुद्ध मजबूती के साथ आवाज उठाई, उनकी हत्या तक कर दी गई। इनमें प्रमुख नाम पुणे के नरेंद्र दाभोलकर का है ।

समाज के सभी समझदार, विवेकशील और संविधान में विश्वास रखने वाले लोगों को एक आंदोलन चलाना होगा ताकि संविधान के अंतर्गत दिए गए मूल कर्तव्यों से नागरिकों को अवगत कराया जा सके। जो भी इस कर्तव्य के निर्वहन में बाधक बनें, उनके विरुद्ध कड़ाई से कार्रवाई करनी होगी । सरकार में बैठे लोगों को भी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए, जो नागरिक संगठन वैज्ञानिक सोच विकसित करने के काम में लगे हुए हैं, उन्हें संरक्षण देना होगा। देश के राजनीतिज्ञों को भी अपने क्षुद्र स्वार्थ से ऊपर उठकर संविधान की भावना के अनुसार और जनहित में इस प्रकार के मामलों में कड़ी कार्रवाई करनी होगी ।

हाथरस की घटना के बाद भी वहां कुछ व्यक्तियों को यह कहते हुए सुना जा रहा है कि बाबा के पास जाने से उनके कष्ट दूर हो गए थे और बाबा की कोई गलती इस पूरे हादसे में नहीं है। यह प्रश्न कोई नहीं करता कि जिनकी चरण रज लेने से कष्ट दूर हो जाते हैं, उन्हीं के प्रवचन में जाने से इतने लोग मौत को कैसे प्राप्त हो गए ?

कभी-कभी तो लगता है कि भारत में हम 21वीं सदी में आगे बढ़ने के बजाय कहीं 20 वीं, 19वीं और 18वीं शताब्दी में तो नहीं लौट रहे हैं? जहां एक ओर पूरी दुनिया विज्ञान के बल पर आगे बढ़ रही है, वहीं कानून की कमियों और सरकारों की निष्क्रियता के कारण देश में अंधविश्वास तेजी से बढ़ रहा है ।

ये तथाकथित बाबा जहां के रहने वाले होते हैं, वहां के लोग इनकी करतूत से भली भांति परिचित होते हैं और वे इनसे प्रभावित भी नहीं होते। मुझे स्मरण है, जब मैं एक जिले में कलेक्टर की तरह पद स्थापित था तो भारत सरकार के बहुत उच्च अधिकारी का फोन आया कि मेरे जिले में एक ऐसा व्यक्ति है जो पेट पर केवल हाथ लगाकर ही अंदर की पथरी निकाल लेता है और पथरी मरीज को दिखा भी देता है । इससे मरीज बिल्कुल ठीक हो जाता है। इसके लिए किसी प्रकार के ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं होती है। मुझे उसे जिले में पदस्थापित होते हुए भी इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। पूछताछ करने पर ज्ञात हुआ कि जिस व्यक्ति के बारे में जानकारी चाही गई थी वह एकदम फ्रॉड था और निलंबित शिक्षक था। मैंने उन्हें स्पष्ट कर दिया कि यह बिलकुल फ्रॉड है और उन्हें मिलने की आवश्यकता नहीं है। यह तो अच्छा था कि उन्होंने मुझसे बात कर ली और वे ढोंगी बाबा के चंगुल में फंसने से बच गए।

अमृत काल का वास्तविक अर्थ समझें और नागरिकों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने की दिशा में ठोस कार्य किया जाय। जिन राज्यों मे अंध विश्वास फैलाने के विरुद्ध कोई कानून नहीं है, वहां इसे शीघ्र बनाया जाय।

अमृत काल में अंधविश्वास का देश में कोई स्थान नहीं होना चाहिए । विश्वास और श्रद्धा होना बुरी बात नहीं है लेकिन अंधविश्वास होना, हमारी विवेकशीलता और वैज्ञानिक सोच की समाप्ति का ही संकेत कहा जाएगा । यदि देश को वास्तव में विश्व गुरु बनना है तो अंधविश्वास से मुक्ति पानी ही होगी। इसके लिए शिक्षा एक सशक्त माध्यम बन सकती है ।

सरकार से अपेक्षा है कि वह निम्न कदम उठाए:–

1. सूरजपाल यादव उर्फ भोले बाबा को गिरफ्तार करे और उसके विरुद्ध कडी कार्रवाई करके उसे न्यायालय से सजा दिलवाए।
2. अंधविश्वास के विरुद्ध एक कानून बनाए जिसमें कड़ी सज़ा का का प्रावधान हो।
3. वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए जन आंदोलन चलाए।
4. बड़े सरकारी अधिकारी और नेता ढोंगी बाबाओं के पास जाने से परहेज़ करें।

आइए, हम सब अपने संवैधानिक कर्तव्य के निर्वहन में समाज में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के अभियान में जुट जाएं।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

स्वयंभू बाबाओं और तथाकथित संतों की मनमानी और पुलिस से निष्कासित भोलेबाबा

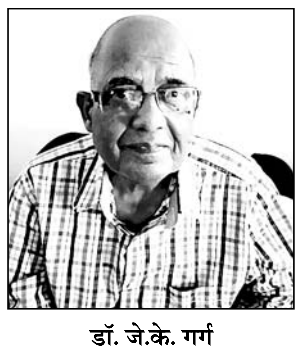

डॉ. जे.के. गर्ग

हम इस सच्चाई से इंकार नहीं कर सकते हैं कि वर्तमान में अयोध्या हो या चित्रकूट या श्रीकृष्ण की लीला स्थली वृंदावन, वहां जमीनों व विभिन्न आश्रमों पर कब्जे को लेकर कथित महात्माओं के बीच लड़ाई चल रही है। कुछ आश्रम तो अपराधियों के अड्डे बन चुके हैं। पास-पड़ोस के राज्यों में अपराध करने के बाद अपराधी इन्हीं मठों, आश्रमों में शरण ले लेते हैं और फिर बाबाओं के बीच रहने लगते हैं।

ऐसे आश्रमों से पवित्रता व सन्मार्ग की आशा नहीं की जा सकती। जो भगवान राम इतने बड़े राज्य को लात मारकर वन चले गए थे, उन्हीं के भक्त कहला कर धन उगाहने, बड़े-बड़े आश्रम बनवाने, शिष्यों की संख्या बढ़ाने के लिए तिकड़म किए जा रहे हैं। संतई सिर्फ वेशभूषा नहीं बल्कि आचरण है। भारतीय संस्कृति और लोकतंत्र इसकी अनुमति प्रदान करता है कि हर कोई अपनी-अपनी तरह से अपना आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विकास करे, लेकिन ऐसा करते हुए कि किसी को भी देश के नियम-कानूनों की अनदेखी करने की छूट नहीं दी जा सकती। भारत भूमि में ऐसे धर्मगुरु विभिन्न धर्मों यानि हिन्दू, मुस्लिम, ईसाई, सिक्ख आदि कमोपेश सभी धर्मों में से सम्बन्धित होते हैं, ऐसे तथाकथित धर्मगुरुओं का सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं हो सकता और न होना चाहिए जो देश के साथ-साथ मानवीय भावनाओं से खिलवाड़ करते हैं जिससे धर्म की भी बदनामी भी होती है।

स्वयं भू संत और साधू

जानिए कौन हैं भोले बाबा? जिनके कार्यक्रम में मची भगदड़

खास बात यह है कि इंटरनेट के जमाने में अन्य साधु सतों और कथावाचकों से इतर सोशल मीडिया से दूर बाबा का कोई आधिकारिक अकाउंट किसी भी प्लेटफॉर्म पर नहीं है। कथित भक्तों का दावा है कि नारायण साकार हरि यानी भोले बाबा के जमीनी स्तर पर खासे अनुयायी हैं। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले स्थित फुलरई गांव में एक धार्मिक समागम अड्डे पर मची भगदड़ में 122 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए हैं। नारायण साकार हरि या साकार विश्व हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग के समापन पर यह हादसा हुआ। दावा है कि 26 साल पहले बाबा सरकारी नौकरी छोड़ धार्मिक प्रवचन करने लगे।

एटा एसएसपी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि यह घटना फुलरई गांव में आयोजित सत्संग में हुई, जहां बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए थे।

हाथरस के मुगलगढ़ी इलाके स्थित फुलरई गांव में मानव मंगल मिलन समागम समिति ने नारायण साकार विश्व हरि के नाम से प्रसिद्ध भोले बाबा का प्रवचन कार्यक्रम रखा था। इसमें तकरीबन 50 हजार से ज्यादा लोगों की भीड़ जुटी थी। कार्यक्रम स्थल पर प्रशासन की परमिशन से ज्यादा अधिक लोग पहुंच गए थे।

बाबा रामपाल–बाबा रामपाल या संत रामपाल आध्यात्म की दुनिया में कदम रखने से पहले हरियाणा की सिंचाई विभाग में इंजीनियर थे। 18 साल तक नौकरी करने के बाद उन्होंने इस्तीफ़ा दे दिया और फिर सत्संग करने लगे। इन्होंने सतलोक आश्रम बसाया। आरोप है कि उनके आश्रम के अस्पताल में गर्भपात सेंटर चलता था। अपने आश्रम से कई गैरकानूनी कामों को अंजाम देने वाला रामपाल आज पुलिस की गिरफ्त में है।

ओशो रजनीश–ओशो उन लोगों में शामिल थे जिनसे अमरीका के भक्त लोग डरते था। उन्होंने सभी धर्मो का खंडन करते हुए एक अलग ही पंथ चलाया था जिसने कई अमेरिकियों ने पसंद किया।

साईं बाबा–अपने आप को शिरडी के साईं बाबा का अवतार बताने वाले सत्य साईं बाबा भी आजीवन विवादों में घिरे रहे। उन पर हाथ की सफाई से विभूति लेना, घड़ी, नेकलेस आदि पैदा करने के आरोप लगे हालांकि उन्होंने इन पर चुप्पी साधी रही।

चन्द्रास्वामी–एक मामूली कर्मचारी से शुरुआत कर विश्व की टॉप हस्तियों में एक बनने वाले चंद्रास्वामी का जीवन भी काफी विवादग्रस्त रहा। एक तांत्रिक के रूप में विख्यात चन्द्रास्वामी सबसे ज्यादा तब चर्चा में आए जब उनके आश्रम पर इनकम टैक्स की रेड पड़ी और वहां पर आर्म्स डीलर अदनान खशोगी के 11 मिलियन डॉलर के ओरिजिनल ड्राफ्ट मिले।

स्वामी भीमानंद–दिल्ली के एक बाबा ख़ुद को इच्छाधारी संत बताते थे। 1997 में उन्हें लाजपत नगर इलाके से पुलिस ने देह व्यापार में शामिल होने के आरोप में गिरफ़्तार किया। उन पर आरोप था कि वो प्रवचन के बहाने लड़कियों को फंसाकर सेक्स रैकेट का कारोबार करते हैं।

बाबा गुरमीत राम रहीम–बाबा राम रहीम यूं तो अपने भक्तों के बीच सम्मान की नजर से देखे जाते हैं लेकिन कभी अपने फिल्मी अवतार, तो कभी कानूनी मामलों में उलझ जाने के चलते विवादों में रहे हैं। उन पर यूं तो कई प्रकार के आरोप लगे हैं, कभी आश्रम में रह रहे लोगों की नसबंदी कराने, तो कभी कुछ ने उनके चरित्र पर भी सवाल उठाए हैं। पंचकूला की सीबीआई अदालत में यौन उत्पीड़न से जुड़े एक मामले में भी केस चल रहा था और उन्हें सजा भी मिली है, उनको कोर्ट ने जब सजा सुनाई उस वक्त विशेष कर हरियाणा हिंसा और उत्पाद हुआ कई लोग मारे गए तथा अरबों की संपत्ति स्वाह हो गई थी।

निर्मल बाबा–वर्ष 1981 में निर्मलजीत सिंह नरूला ने निजी व्यवसाय आरंभ किया। एक के बाद एक कई व्यवसाय बदलने पर भी उन्हें सफलता नहीं मिली तो उन्होंने अपने आप को संत घोषित कर स्वयं को निर्मल बाबा नाम दिया।

स्वामी नित्यानंद–साल 2010 में स्वामी नित्यानंद के खिलाफ धोखाधड़ी और अश्लीलता के मामले दर्ज हुए थे उनकी कथित सेक्स सीडी सामने आई। उन्हें अभिनेत्री के साथ शारीरिक संबंध बनाते हुए दिखाया गया है। इसके बाद फॉरेंसिक लैब में हुई जांच में सीडी को सही बताया गया, लेकिन नित्यानंद के आश्रम ने उस सीडी की अमेरिकी लैब की रिपोर्ट पेश की। इसमें सीडी से छेड़छाड़ की बात सामने आई.इसके बाद नित्यानंद को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि कुछ दिन बाद उन्हें बेल मिल गई थी।

आसाराम–आसाराम पर एक नाबालिग लड़की का आरोप सही साबित हो गया है और उसे आजन्म ऊम्र कैद की सजा दी गयी है। आसाराम पर जमीन कब्जाने के दर्जनों आरोप हैं।

वर्तमान समय में विगत कुछ दशकों से भारत सहित विभिन्न देशों में अनेकों लोग संत और सन्यासी के रूप में पूजे जा रहे हैं जिनका संत या सन्यासी भाव से दूर-दूर तक कोई सम्बन्ध नहीं है। अफसोसजनक तो यही है कि राज्य सत्ता में बैठे कुछ लोग भी ऐसे पाखंडियों को ही प्रश्रय दे रहें है। ऐसे पाखंडियो को हमारी राजसत्ता ने अब सत्ता का हिस्सा भी बनाना शुरू कर दिया तो सच्चे संतों और सन्यासियों की कौन सुने? वर्तमान में अयोध्या हो या चित्रकूट या श्रीकृष्ण की लीला स्थली वृंदावन, वहां जमीनों व विभिन्न आश्रमों पर कब्जे को लेकर कथित महात्माओं के बीच लड़ाई चल रही है।

संत वो होते हैं जिसने अपने सांसारिक, लोकिक हित करने की इच्छा समाप्त करके परहित की इच्छा और कामना को अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया है। भतर्हरि कहते हैं- संत: स्वयं परहिते विहिताभियोगा:। अत: संत स्वयं ही अपने को पराये हित में लगाये रखते हैं अर्थात संत सदा परोपकारी होते हैं। अपने लिए कोई भी सांसारिक इच्छा नहीं रखने वाले तथा परोपकार में अपना जीवन बिताने वाले को ही संत कहते हैं। रविदास एवं कबीरदास जी ऐसे ही संत थे, जिनके लिए उनका उनका कर्म और परोपकार ही पूजा था। वृहन्नारदीयपुराण के अनुसार, जो सब प्राणियों का हित करते हैं, जिनके मन में ईर्ष्र्या और द्वेष नहीं है, जो जितेंद्रिय, निष्काम और शांत हैं। जो मन-वचन-कर्म से पूर्णरूपेण पवित्र हैं। जो किसी को पीड़ा नहीं पहुंचाते। जो प्रतिठाह नहीं लेते। जो परनिंदा नहीं करते। जो सबके हित की बात करते हैं। जो शत्रु-मित्र में समदर्शी हैं, सत्यवादी हैं, सेवा करने को तत्पर रहते हैं। प्रदर्शन और आडंबर से दूर रहते हैं। जिनमें संठाह के बजाय दान की वृत्ति है। जो सदाचारी और जीवन्मुक्त हैं। जो संतोषी और दयालु हैं। वे ही संत हैं।

क्या यह उचित नहीं होगा कि सरकार धर्म के नाम और अपनी दूकान चलाने अरे धर्म के नाम से डर फेलाने वालों के विरुद्ध कानून बनाये।

–डॉ. जे के गर्ग,
पूर्व संयुक्त शिक्षा निदेशक,
कालेज शिक्षा जयपुर

डॉक्टर दुर्गाप्रसाद अग्रवाल अपने जीवन और लेखन दोनों में समावेशी हैं : डॉ. माधव हाड़ा

- **राष्ट्रदूत के अतिथि संपादक, आलोचक, अनुवादक,स्तंभकार डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल का अमृत महोत्सव मनाया**
- **समारोह में डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल के साहित्यिक अवदान पर प्रियंका कुमारी गर्ग द्वारा तैयार मोनोग्राफ़ का विमोचन किया गया**

सुपरिचित आलोचक, अनुवादक, स्तंभकार डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल का अमृत महोत्सव राही सहयोग संस्थान द्वारा राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति के सभागार में मनाया गया।

जयपुर। राष्ट्रदूत के अतिथि संपादक, सुपरिचित आलोचक, अनुवादक, स्तंभकार डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल का अमृत महोत्सव राही सहयोग संस्थान द्वारा राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति के सभागार में मनाया गया। राही सहयोग संस्था के अध्यक्ष प्रबोध कुमार गोविल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में लेखक, साहित्यकार व पत्रकार व अग्रवाल के परिजन उपस्थित थे। सुप्रसिद्ध आलोचक प्रो. डॉक्टर माधव हाड़ा की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल के साहित्यिक अवदान पर प्रियंका कुमारी गर्ग द्वारा तैयार किए गए मोनोग्राफ़ का विमोचन किया गया व उनके जीवन पर कशिश अडवानी द्वारा निर्मित वृत्त चित्र का प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर डॉ. अग्रवाल एक नई यात्रा वृत्तांत पुस्तक आँखों देखा परदेस और उनसे लिए गए साक्षात्कारों के डॉ. पल्लव द्वारा संपादित संकलन दिल की गिरह खोल दी का लोकार्पण भी हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो. माधव हाड़ा ने कहा कि डॉ. अग्रवाल अपने जीवन और लेखन दोनों में समावेशी हैं। वे किसी एक ध्रुवांत पर खड़े नज़र नहीं आते हैं। व्यावहारिक जीवन में इतना निष्पक्ष होना बड़ा असंभव होता है लेकिन डॉ. अग्रवाल ने अपने सकारात्मक नज़रिये से इस असंभव को संभव बनाया है। वे जीवन के आचरण में भी मध्य में ही रहते हैं। यही नहीं, हालांकि हिंदी में अधिकांश लेखन परिवर्तन के प्रतिरोध का रोना-धोना है, डॉ. अग्रवाल हर जगह सकारात्मक बदलाव के पक्ष में खड़े नज़र आते हैं। उनमें संस्थागत प्रतिबद्धता है जो इधर दुर्लभ होती जा रही है। वे हर छोटे से छोटा काम भी बड़े मनोयोग से करते हैं। हाड़ा ने कहा कि उनकी निष्ठा व लगन हमें प्रेरणा देती है। समय मीमांसा उनके लेखन की एक बड़ी विशेषता है। उनके यहाँ समय की हर विद्रूपता पर निष्पक्ष टिप्पणी मिलती है। समसामयिक विषयों पर निरंतर स्पष्ट लेखन उनकी शक्ति है। हिन्दी में यह उनका सर्वथा मौलिक योगदान है।उनके साथ अपने चार दशक लम्बे संग साथ का भावपूर्ण ज़िक्र करते हुए डॉ. हाड़ा ने कहा कि मेरे होने में वे शामिल हैं।

नंद भारद्वाज ने कहा कि अपनापन और गहरी आत्मीयता डॉ. अग्रवाल के व्यक्तित्व की ख़ूबी है। उन्होंने कहा कि नए लेखकों के साथ रिश्ता बनाने की सहजता, व्यवहार में अनौपचारिकता, विचारों की दृढ़ता और विरोधी पक्ष को सुनने की क्षमता उनके गुण है। वे बेहद संवेदनशील हैं और अपने लेखन से कभी किसी का अनादर नहीं करते हैं। नागरिक जीवन को सूक्ष्म दृष्टि से परखने की उनकी कुशलता उन्हें अन्य लेखकों से इतर पहचान दिलाती है। उनके स्तंभ मूल्यवान विचारों से प्रेरित हैं। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. हेतु भारद्वाज ने कहा कि अग्रवाल साहब साहित्य को जीने वाले व्यक्ति हैं। असली साहित्य उन्हीं के पास होता है जो साहित्य को जीवन की तरह जीते हैं। डॉ. सूरज पालीवाल ने कहा कि डॉ. अग्रवाल की विशेषता है कि वे अपना पक्ष शालीनता से रखते हैं और कभी उग्र नहीं होते। उनकी वैचारिक दृढ़ता और उनकी आस्था कभी डिगती नहीं है। वर्तमान दौर में अभिव्यक्ति पर मंडराते तमाम खबरों के बीच वे संतुलन क़ायम रखते हुए अपनी बात कहने से कभी पीछे नहीं रहते। वे गम्भीर पाठक, निष्पक्ष समीक्षक और मुखर आलोचक हैं।

डॉ. अग्रवाल की लोकार्पित पुस्तक "दिल की गिरह खोल दी" के संपादक पल्लव ने कहा कि यह किताब समय-समय पर लिये गये उनके साक्षात्कारों का संग्रह है। हर लेखक के जीवन में कुछ ऐसा होता है जिसका अनुकरण कर पाठक सीख सकता है। इन साक्षात्कारों में आत्मकथ्य के साथ ही बचपन व युवावस्था के संस्मरण है जो उनके जीवन को समझने में हमें सहायता देते हैं। डॉ. अग्रवाल के यात्रा वृत्तांतों पर चर्चा करते हुए कविता मुखर ने कहा कि उनकी भाषा शैली और चित्रण सहज, सरल और आकर्षक है। वे अमरीका के यात्रा अनुभवों में वहाँ की संस्कृति, जीवन शैली, वहाँ के स्कूल, पुस्तकालय, संग्रहालय, अस्पताल आदि पर इतना बारीकी से लिखते है कि पाठक को सहज ही आकर्षण हो जाता है। वहां के अख़बार, वहां का संगीत, खिलौने, साफ़-सफ़ाई, नागरिक बोध, ईमानदारी, कार्य के प्रति लगन और विरासत के प्रति आम आदमी की सोच आदि विषयों को अग्रवाल साहब गंभीरता से परखते हैं।

कार्यक्रम में 'सिंपली जयपुर' की संपादक अंशु हर्ष, क्रेडेण्ट टीवी और डियर साहित्यकार के प्रणेता सुनील नारनौलिया, ई मैगज़ीन इंद्रधनुष इंडिया की प्रबंध संपादक रही अंजली सहाय, राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति के सचिव और वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र बोड़ा के अतिरिक्त डॉ. अग्रवाल के दामाद मुकेश अग्रवाल, बेटी चारू अग्रवाल व नातिन नव्या ने भी अपने विचार रखे। डॉ. कविता माथुर ने अग्रवाल की एक रचना का साभिनय पाठ किया। इस अवसर पर शहर की विभिन्न संस्थाओं और साहित्य कला जगत के नामचीन हस्ताक्षरों द्वारा द्वारा डॉ. अग्रवाल का अभिनंदन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. उषा दशोरा ने किया।

राशिफल मंगलवार 9 जुलाई , 2024

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुकल पक्ष, तृतीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, आश्लेषा नक्षत्र प्रात: 7:53 तक, सिद्धि योग रात्रि 2:26 तक, गर करण फ्रात: 6:09 तक, चन्द्रमा आज फ्रात: 7:53 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मेष, बुध-कर्क, गुरू-वृष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से प्रात: 7:53 तक है। रवियोग प्रात: 7:53 से आरम्भ होगा। भद्रा सांय 7:00 से आरम्भ होगी। आज तृत्तीया तिथि में वृद्धि हुई है। आज अंगारक विनायक चतुर्थी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:08 से 10:50 तक, लाभ-अमृत 10:50 से 2:14 तक, शुभ 3:56 से 5:38 तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:44, सूर्यास्त 7:20

मेष
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। मन:स्थिति में सुधार होगा। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से व्यावसायिक संबंध बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तिय मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

तुला
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

मीन
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

भाजपा नेता प्रमोद खंडेलिया के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री का स्वागत

झुंझुनूं, जुलाई। बगड़ रोड स्थित खंडेलिया फिलिंग स्टेशन पर भाजपा नेता प्रमोद खंडेलिया की अगुवाई में शहर के गणमान्यजन एवं भाजपा पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ताओं ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का रविवार को स्वागत अभिनंदन किया। प्रमोद खंडेलिया द्वारा शिक्षा मंत्री का माल्यार्पण के साथ दुपट्टा ओढाकर गौ माता का प्रतीक चिह्न भेंटकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर आयोजक भाजपा नेता प्रमोद खंडेलिया, भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र शर्मा बगड़, गुलझारीलाल शर्मा वेदजी, अशोक केडिया, नेमी अठावाल, डॉ. डीएन तुलस्यान, सीए पवन केडिया, पार्षद विजय सैनी, महावीर सैनी, ख्यालीराम सैनी, अनिल जांगिड़, सुलतान, कुशालाराम सैनी, ताराचंद सैनी, राकेश टीबड़ा, संजय राणासरिया, अशोक सैनी, भोलाराम सैनी, ज्ञानप्रकाश सैनी, भरत शर्मा, संदीप चांवरिया, महेश जीनगर, सुरेंद्र छावसरी, मनोहर धूपिया, पंकज टेलर, संजय जांगिड़, विकास पुरोहित, अनिल जोशी, राजेंद्र ठठेरा, ललित जोशी एवं भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सहित झुंझुनूं के गणमान्य जन उपस्थित थे।

भाजपा नेता प्रमोद खंडेलिया के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का भव्य स्वागत किया।

एस.एफ.आई. ने उच्च शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका

झुंझुनूं, 8 जुलाई। सोमवार को छात्र संगठन एसएफआई ने छात्र संघ चुनाव पुनः बहाल करने की मांग को लेकर आज मोरारका महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर उच्च शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका। छात्रसंघ संयुक्त सचिव निकिता शर्मा ने बताया कि छात्रसंघ चुनाव पर पिछले साल कांठोस सरकार द्वारा लिंगदोह कमेटी व चुनाव ना करवाने के अनेक कारण बातकर चुनाव बंद कर दिए थे। इसको लेकर डिप्टी सीएम व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शनिवार को जयपुर में छात्रसंघ चुनाव को लेकर कहा कि हमारी सरकार ने न तो छात्र संघ चुनाव शुरू करवाए और नहीं इन पर रोक लगाई। ऐसे में माना जा रहा है सरकार छात्रसंघ चुनाव कराने की कोई मूड में नहीं है। अमित शेखावत ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में छात्रसंघ चुनाव चालू करवाने का वादा किया था। लेकिन चुनाव जीतने के बाद अब बीजेपी के नेता अपने वादे से मुकर रहे हैं। यह विद्यार्थी के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन नहीं तो और क्या है। ऐसा करना सरासर गलत है और अगर समय रहते बीजेपी सरकार छात्रसंघ चुनाव चालू करने का ऐलान नहीं करती है तो छात्र संगठन एसएफआई के द्वारा सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

गली में गंदगी के कारण आवागमन बंद

चूरू, 8 जुलाई (कासं.)। नगर परिषद के प्रशासन की अनदेखी के कारण श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी उच्च माध्यमिक विद्यालय के पास पूरी गली गंदगी से भरी हुई है। जैन स्कूल और सांड शाला के बीच से गुजरने वाली इस गली में गंदगी के कारण आवागमन एकदम से बंद हो गया है। इस गली के सामने मुख्य सड़क है, वहां जैन गेस्ट हाऊस और मनोरंजन क्लब भी है। दूसरी ओर ब्रह्म कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय भी स्थित है। इस गली की बदबू के कारण सभी को बहुत परेशानी हो रही है। साथ ही यहां मच्छरों के पनपने से लोग दुखी हैं। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी उच्च माध्यमिक विद्यालय की तो गंदगी के खिड़कियां भी नहीं खोल सकते हैं। यहां लोगों ने बताया कि नगर परिषद में सभापति पायल सैनी के ससुर जैन स्कूल की समिति में सचिव हैं। इस कारण नगर परिषद वाले इस गली की सफाई करने कभी भी नहीं आते हैं। नगर परिषद प्रशासन को बार-बार अवगत करवा देने के बाद भी आज तक सफाई करने के लिए कोई नहीं आया है। इससे नगर परिषद प्रशासन की सतर्कता की पोल खुल कर सामने आ रही है। यहां नागरिकों ने कहा कि जिला प्रशासन के प्रतिनिधियों को मौका मुवायना करके तुरंत सफाई करवानी चाहिए।

सार-समाचार

मंत्री दिलावर का भव्य स्वागत किया

झुंझुनूं, (निसं) शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग मंत्री राजस्थान सरकार मदन दिलावर के झुंझुनूं प्रवास के दौरान गांधी चौक में भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल अध्यक्ष कमलकांत शर्मा के नेतृत्व में नगर मंडल कार्यकर्ताओं द्वारा 21 किलो की माला पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया गया। इस मौके पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा गांधी चौक में आतिशबाजी कर भगवा व पार्टी के दुपट्टे पहनाकर तलवार भेंट की। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष बनवारी लाल सैनी, प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत, पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार, राष्ट्रीय परिषद प्रतिनिधि विश्वंभर पूनिया, पूर्व जिला अध्यक्ष जगदीश खजुरिया, राजेंद्र शर्मा, लोकसभा प्रत्याशी रहे पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल दुकिया, जिला प्रवक्ता पवन शर्मा गुड़ा, राजेश बाबल, महेश बासावतीया, पूर्व मंडल अध्यक्ष राकेश सहल, सुरेंद्र छावश्री, नगर महामंत्री विजय शंकर जोशी, रवि लांबा, विजेंद्र हटवाल, नगर उपाध्यक्ष ललित जोशी, रामनिवास सैनी, विकास पुरोहित, कपिल सोनी, मुकेश महेमिया, मोंटी गजराज, एडवोकेट हनुमान सिह महला, श्रीराम सैनी, भारत शर्मा, सौरभ जोशी, संदीप गोयल, सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

झांझोत में एक साथ लगाए 51 पौधे

झुंझुनूं, । शहीद राजेश कुमार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में एक पौधा देश के नाम एक पौधा मां के नाम और पर्यावरण अमृत महोत्सव अभियान के तहत 51 पौधे एक साथ लगाए। प्रधानाचार्य बलबीर सिंह दूधवाल ने बच्चों को और ठामीणजनों को 670 पौधे वितरण किए और अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया।

नवयुगल को पौधे भेंट किए

झुंझुनूं, 8 जुलाई। वर्तमान समय में बढते ग्लोबलाइजेशन को मध्य-नजर रखते हुए समाजिक जीवन में भी काफी बदलाव आया है।

उसी कडी में देर रविवार की शाम को सूरजगढ़ के श्याम मंदिर गेस्ट हाउस में माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं के प्रचार प्रसार मंत्री व प्रीति मेमोरियल सोसायटी के संस्थापक प्रोफेसर हितेश सैनी निवासी आदर्श नगर बगड़ के भतीजे मुकुल सैनी सुपुत्र रमेश सैनी डिप्टी मैनेजर पीएनबी बैंक तथा सूरजगढ़ निवासी महेश चांदोलिया प्रदेश महासचिव राजस्थान अल्प बचत अभिकर्ता संघ की सुपुत्री प्रीति सैनी की सगाई का कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्रोफेसर हितेश सैनी व ईना सैनी ने नई पहल की शुरुआत करते हुए युवक युवती को आशीर्वाद के रूप में पौधे भेंट कर आशीर्वाद प्रदान करते हुए संदेश दिया कि पर्यावरण को स्वस्थ सुन्दर हरा भरा बनाए रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण का कार्य किया जाना चाहिए। इस दौरान युवक युवती ने श्याम मंदिर परिसर में पौधारोपण का कार्य किया तथा युवती के पिताजी महेश चांदोलिया ने इस शुभ अवसर पर कुल 21 पौधे लगा कर नवयुगल को आशीर्वाद प्रदान किया। इस दौरान भंवरलाल राजोरिया, ताराचंद सैनी, राधेकृष्ण सैनी, सुभाष सैनी, सुरेश सैनी, दीपक सैनी, विक्रम सैनी, ओंकारमल रतनशहर राजस्थान अल्प बचत अभिकर्ता संघ प्रदेश संगठन मंत्री ताराचंद गुप्ता, पुरुषोत्तमलाल, मूलचंद चांदोलिया, रामप्रसाद, राजू वर्मा, दिव्यांशु, सांवरमल, रोहिताश, गोपीराम, अनिल सैनी, दर्शन, मोहित, वत्सल, दमयंती सैनी, रेखा सैनी, मुन्नी देवी, ईना सैनी, चेतना सैनी, अंशु, रेयांशी उपस्थित रहे।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

चूरू, 8 जुलाई (कासं.)। शहर के मदीना मुसाफिरखाना में एलएन मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शिवम आर्थो एवं जनरल हॉस्पिटल चूरू के सौजन्य से निःशुल्क चिकित्सा एवं परामार्श शिविर आयोजित किया गया। शिविर में रोगियों की जांच कर परामार्श दिया गया। यहां डॉ. महेश शर्मा ने बताया कि शिविर में कुल 275 रोगियों को चिकित्सकीय परामार्श दिया एवं जांच की गई। उन्होंने बताया कि शिविर में शुगर, बीपी, ईसीजी, आदि निःशुल्क जांच कर रोगियों को लाभन्वित किया। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट व हॉस्पिटल द्वारा समय-समय निःशुल्क चिकित्सा एवं जांच शिविर आयोजित किए जाते हैं। शिविर में डॉ. अजहर कुरैशी, डॉ. उषा बेनिवाल कस्वां, डॉ. सागर बिजारनिया ने अपनी सेवा देकर रोगियों को लाभान्वित किया। इनके अलावा शिविर में कैलाश सैनी, सुजान चौधरी, पंकज, कविता एवं ट्रस्ट के सचिव सागरमल शर्मा ने अपना सहयोग प्रदान किया।

कलश यात्रा निकाल मां जीण भवानी का मंगल पाठ किया

चूरू, 8 जुलाई (कासं.)। स्थानीय धर्म स्तूप के निकट श्रीजीण हर्ष कुंज में मां जीण भवानी एवं हर्षनाथ भैरूंजी की मूर्ति स्थापना के प्रथम वार्षिकोत्सव पर प्रवचनकर्ता जनार्दनाचार्य के सानिध्य में कलश यात्रा निकाली गई।

यहां आयोजक परमेश्वरलाल एवं आराधिका मीरा ने बताया कि मां जीण भवानी का संगीतमय मंगल पाठ कथा प्रवचनकर्ता जनार्दनाचार्य के सानिध्य एवं मां के लाडले भक्त शंकर तंवर, अशोक तंवर व मुकुल शर्मा की भावसेवा तथा पिंकू एंड पार्टी के मधुर वादन में हुआ। इस दौरान सभी श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। इस दौरान यहां पूजन, अभिषेक, मां की मेहंदी, भजन आदि किए गए। मां के दरबार को फूलों से सजाया गया और ईत्र की बारिश की गई। इस मौके पर जीण धाम सीकर के कमल पारासरी व राहुल पारासरी, रक्षा ', गंगासिंह , श्री ठाकुरजी राईटर हाऊस के संस्थापक शिवनंदन,फिल्म निर्माता-निर्देशक राजेन्द्र,अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद राजस्थान की प्रदेश कार्यकारिणी के पूर्व सदस्य प्रशांत ', सुनिल सैनी 'सेठी', विशाल अग्निहोत्री, लीलाधर , रवि , कोमल , पूर्णिमा आदि सहित सैंकड़ों महिला-पुरूष और बच्चों ने मां जीण भवानी के दरबार में धोक लगाई। आयोजक परमेश्वरलाल एवं आराधिका मीरा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मां जीण भवानी की मूर्ति स्थापना के प्रथम वार्षिकोत्सव पर कलश यात्रा निकाली गई।

वृक्षारोपण किया

सादुलपुर, (ओमप्रकाश)। पीएम श्री राजकीय मोहता बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय राजगढ में सोमवार को अमृत पर्यावरण महोत्सव के अंतर्गत 'एक पेड देश के नाम' अभियान के तहत इको क्लब एवं एनएसएस के तत्त्वाधान में वृहत्त स्तर पर वृक्षारोपण किया गया। वहीं विद्यालय में चल रहे सात दिवसीय समर कैम्प का समापन हुआ। प्रधानाचार्य डॉ. सुशीला बलौदा ने पारितंत्र में बढते असंतुलन को देखते हुए स्टाफ सदस्यों एवं छात्राओं से कम से कम पांच पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने वृक्ष मित्र अमृता देवी विश्नोई के नेतृत्व में खेजडी वृक्षों को बचाने के लिए बलिदान देने वाले 363 व्यक्तियों के पर्यावरण संरक्षण में योगदान को याद किया। शारीरिक व्यायाम, ई-कचरा निस्तारण, ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण, खाद्य सुरक्षा एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग न करने संबंधी विभिन्न गतिविधियों के साथ समर कैम्प का समापन हुआ। राहुल इंदौरिया ने सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

स्व घोषणा पत्र

मैं प्रभु दयाल पुत्र श्री शुभकरण जाति माली, आयु 64 वर्ष निवासी वार्ड नं. 33 महावीर दल चौक आदर्श नगर चूरू (राज.) का हूँ जो कि शपथ पूर्वक बयान करता हूँ कि मेरे पुत्र अनिल कुमार सैनी आयु 41 वर्ष जो विवाहित है। मेरा पुत्र अनिल पिछले तीन वर्षो से हमारे कहे सुनने में नहीं है ना ही घर पर आता जाता है। अपनी मर्जी का मालिक हो रहा है जिसे मेरे व घर परिवार से कोई मतलब नहीं है और नही कोई सामाजिक व घरेलू जिम्मेदारी पूरी करता है। मैं मौखिक रूप से उसको 3 वर्ष पूर्व ही मेरे घर परिवार व मेरी समस्त ल अल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया था। मेरे पुत्र अनिल से मुझे अब कोई मतलब नहीं है और नहीं मेरा कोई संबंध सरोकार है। इस बाबत सार्वजनिक घोषणा आज दिनांक 08.07.2024 को यह स्व-घोषणा सार्वजनिक रूप से करता हूँ कि मेरा पुत्र अनिल जो आवारा किस्म का है जो मेरी समस्त संपत्ति से संपूर्णतया बेदखल है। इसमें किसी प्रकार का कोई लेनदेन संविद लिखावट जो भी करेगा, उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार रहेगा। इस बाबत मेरा व अन्य किसी परिवारजन का कोई लेना-देना नहीं रहेगा। यह घोषणा सार्वजनिक रूप से की जा रही है। शपथ ग्रहिता-प्रभुदयाल

एडीजे कोर्ट ने युवक को किया बरी

सुजानगढ़ 08 जुलाई। सांडवा थाने में सारोठिया गांव की एक महिला के द्वारा मारपीट व दुष्कर्म के दर्ज करवाए गए मामले में कोर्ट ने आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए बरी किया है। एडवोकेट निर्मल सिंगोदिया ने बताया की सुरपालिया गांव निवासी हरिराम पुत्र अमनाराम जाट के खिलाफ महिला ने घर में घुसकर मारपीट का आरोप लगाया था। जिस मामले में सांडवा थाना पुलिस ने महिला के बयान लेकर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, जान लेवा हमला करने सहित विभिन्न धाराओं में चालान पेश कर दिया। प्रकरण में अभियोजन अधिकारी ने 17 बयान करवाए, 42 दस्तावेज प्रदर्शित करवाकर 3 आर्टिकल प्रस्तुत किए।

8 माह से बी.पी.एल. परिवार को नहीं मिला राशन

चूरू, 8 जुलाई (कासं.)। चूरू विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के गांवों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के एकदम विपरित काम हो रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार निकटवर्ती गांव कड़वासर गांव की बीपीएल परिवार की मुखिया महिला सिलोचना देवी के परिवार को पिछले 8 माह से राशन नहीं मिला है।

इस कारण उनके परिवार की परेशानियां दिनों-दिन बढ़ती ही जा रही है। यहां सिलोचना देवी पत्नी गोविन्द राम ने बताया कि उनका परिवार कच्चे झौंपड़े बनाकर कड़वासर गांव में निवास कर रहा है। सरकार की ओर से बीपीएल परिवार का राशन कार्ड भी बनाकर दिया हुआ है, लेकिन उन्हें गत 8 माह से बिलकुल भी राशन नहीं मिला है।

सिलोचना देवी का बीपीएल सर्वे क्रमांक 5836383 है। उन्हें कड़वासर गांव में भगवानाराम डीलर की दुकान से राशन मिलता था। उनका राशन कार्ड ऑनलाइन हो चुका है। यहां गोविन्द राम ने बताया कि रसद विभाग के कार्यालय में 10 से अधिक बार चक्कर लगाने के बाद भी उन्हें खाद्य सुरक्षा के तहत लाभ से वंचित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि जिला रसद अधिकारी भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे रहे हैं। इस संबंध में जब आज चूरू जिला रसद अधिकारी सुरेन्द्र महला को अवगत करवाया गया तो उन्होंने पीड़िता की बात को सिरे से ही खारिज करते हुए कहा कि ऐसा नहीं होता है।

कोई उपभोक्ता 6 माह तक राशन नहीं ले तो फिर राशन नहीं मिलता है। महला ने कहा कि उसे कल मेरे पास भेज देना।

'एक पौधा मां के नाम'

चूरू, 8 जुलाई (कासं.)। इन्सानियत एकता सेवा समिति संस्थान व रॉयल विकलांग विकास संस्थान की टीम ने स्थानीय इन्दिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर 'एक पौधा मां के नाम' पौधारोपण किया। यहां प्रदेशाध्यक्ष अख्तर खान रूकनखानी ने इन्दिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल सचिव हाजी युसूफ खान रूकनखानी, समाजसेवी नौशाद खान सामदखानी, जाफर खान के साथ पौधे लगाए। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष अख्तर खान रूकनखानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में 111 वें संस्करण में देशवासियों से एक पौधा मां के नाम लगाने की अपील की थी। इस मौके पर समाजसेवी डॉ युनस खान रूकनखानी, शिक्षा अनुदेशक असलम खान, शिक्षा अनुदेशक जान मोहम्मद, बुद्धाराम मेघवाल, आरिफ खान, कालू मोहम्मद, युसूफ, हिम्मत, जिया खान, अरूशाह खान, जैनब खान, अल्वी खान, रिया खान आदि मौजूद थे।

कार्यालय ग्राम पंचायत रामसीसर भेड़वालीया पंचायत समिति सरदारशहर

क्रमांक-निर्माण/ई-निविदा/2024-25/24-25 दिनांक-05.07.2024

ई-निविदा सूचना 01/2024-25

ग्राम पंचायत रामसीसर भेड़वालीया में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग व महात्मा गाँधी नरेगा योजनाओं में प्रयुक्त होने वाली निर्माण सामग्री क्रय हेतु इच्छुक विनिर्दिष्टत पंजीकृत बोलीदाता/संवेदक से निर्धारित प्रपत्र ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in पर आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा की सूचना https://eproc.rajasthan.gov.in एवं https://sppp.rajasthan.gov.in पर देख एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

UBN : PDN2425GLOB00050

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत रामसीसर भेडवालीया, पं.स. सरदार शहर — सरपंच, ग्राम पंचायत रामसीसर भेडवालीया, पं.स. सरदारशहर

पौधारोपण किया

सादुलपुर,।शहीद स्मारक राजगढ में सोमवार को 4० अशोक के पेड लगाकर उपखण्ड अधिकारी राजगढ ने पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पूर्व सैनिक संघ के अध्यक्ष जगत सिंह ने बताया कि पूर्व सैनिक संघ के साथी स्व. कप्तान रणजीत सिंह की धर्म पत्नी पतासी देवी ने अपने पति की यादगार में पौधे भेंट किये हैं।

नाम परिवर्तन

यह कि मेरी पुत्री साहिन के स्कूल रिकार्ड में भूलवंश मेरा नाम Mo. Javed नाम दर्ज हो गया है। जबकि मेरा सही व दस्तावेजी नाम Mohammed Zawed है। अब मैं मेरी पुत्री के स्कूल रिकार्ड में सही नाम Mohammed Zawed दर्ज करवाना चाहता हूँ। भविष्य में मुझे मेरी बच्ची के स्कूल रिकार्ड में इसी नाम से जाना व पहाना जावें। मैं मोहम्मद जावेद पुत्र आसिफ जाति कायमखानी निवासी वार्ड नं. 34, मोहल्ला खौरा, तहसील व जिला झुंझुनूं, (राजस्थान

यह कि मेरी पुत्री के स्कूल रिकार्ड में भूलवंश Ansra Khanam नाम दर्ज हो गया है। जबकि सही नाम Ansara Khanm है। अब मैं मेरी पुत्री के स्कूल रिकार्ड में सही नाम Ansara Khanm दर्ज करवाना चाहता हूँ। मैं रफीक पुत्र वाहीद खान जाति कायमखानी निवासी ग्राम मदनसर तहसील मण्डावा, जिला झुंझुनूं, (राज.)

मैं विजय सिंह पुत्र महावीर सिंह घाटी राजपूत निवास इंद्रपुरा तहसील जिला चूरू (राज.) का हूँ शपथ पूर्वक बयान करता हूँ कि मेरी पुत्री का सही नाम दिव्या है वह मेरी पुत्री की जन्म दिनांक 05.07.2010 है लेकिन भूलवंश मेरी पुत्री स्कूल रिकॉर्ड में मेरी पुत्री का नाम दिव्या कंवर को जन्मदिन दिनांक 08.10.2011 दर्ज करवा दी गई थी जो कि गलत है मेरी पुत्री को घर में दिव्या कंवर नाम से भी संबोधित करते है दिव्या व दिव्या कर कमर एक ही नाम है जो कि मेरी पुत्री का ही नाम है मेरी पुत्री उक्त दोनों नाम से जाना व पहचाना जाता है। शपथ ग्रहिता-विजय सिंह

अधूरी सड़क को पूरा करने की मांग

अधूरे सड़क निर्माण कार्य को पूरा करने की मांग को लेकर वार्ड 57 व 58 के लोगों ने सोमवार को जिला कलक्टर पुष्पा सत्यानी को ज्ञापन सौंपा।

चूरू, 8 जुलाई (कासं.)। अधूरे सड़क निर्माण कार्य को पूरा करने की मांग को लेकर वार्ड 57 व 58 के लोगों ने सोमवार को जिला कलक्टर पुष्पा सत्यानी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से झारिया मोरी से चूरू चौपाटी तक सड़क स्वीकृत हुई थी। जिसे झारिया मोरी से खेमका स्कूल तक ही बनाया गया है। इसे किसी कारणवश अब बीच में ही रोक दिया गया। ज्ञात रहे कि यह तारानगर, साहवा, नोहर, भादरा का मुख्य सड़क मार्ग है।

वार्ड वासियों ने बताया कि यह सड़क मार्ग बागला विद्यालय, बालिका बागला, खेमका, नर्बदा विद्यालय, पीके विद्यालय, लोक षक्ति, वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय, गोइनका स्कूल, महादेव विद्या मन्दिर, धर्म संघ विष्व विद्यालय सहित कई विद्यालयों और मुक्तिधाम का मुख्य रास्ता होने के कारण विद्यार्थियों व आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और इस सड़क को अधूरी बनाकर पीडब्ल्यूडी ने वार्ड वासियों और व्यापारियों को अंधेरे में छोड़ दिया है। यहां प्रतिदिन हजारों वाहनों का आवागमन होता है। इसमें बड़े-बड़े गड्ढे पड़े हैं। उसमें से रोजाना कई वाहन चालक गिरकर चोटिल हो जाते हैं। वार्ड वासियों ने बताया कि यहां कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है, जिसका जिम्मेदार कौन होगा। वार्डवासियों ने इस सड़क निर्माण कार्य को जल्द ही पूरा करने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में विनोद प्रजापत, आरिफ खान, कन्हैयालाल जांगिड़, अजीज खान, जावेद खान, इस्लाम खान, शोयब खोखर, पूनम नाई, कमल प्रजापत, आयुष सोनी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

> ■ सड़क को झारिया मोरी से खेमका स्कूल तक ही बनाया गया है। इसे किसी कारणवश अब बीच में ही रोक दिया गया

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, राजगढ़ (चूरू)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

E-Mail Address-eonp.sdip@yahoo.in, Fax & Phone-01559-222039

क्रमांक-न.पा.रा./2024-25/1697 दिनांक 08.07.2024

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदन पत्रों के द्वारा पट्टा तामिर स्वीकृति/कृषि भूमि नियमन/खाँचा भूमि नियमन/स्टेटग्रान्ट एक्ट/69ए/तहबाजारी हेतु आवेदन किया गया है। जिस किसी व्यक्ति को इस संबंध में आपत्ति हो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस में व लोक सूचना के लिए 15 दिवस में नगर पालिका कार्यालय में लिखित में पेश कर देंवे। सम्पूर्ण जानकारी के लिए नगरपालिका राजगढ (चूरू) की भूमि-शाखा कमरा नं. 10 से पता करें। समयावधि निकलने के पश्चात आपत्ति विचारानीय नहीं होगी। विवरण निम्नानुसार है।

क्र. सं.	पत्रावली	नाम आवेदक 69 क आपत्ति सूचना	क्षेत्रफल	किस्म
1	2430/08.07.2024	इरपाक खान पुत्र कासम खान, वार्ड नं.22 मोहल्ला नरडियान, राजगढ (चूरू)	46.44 वर्गमीटर	आवासीय

क्र. सं.	पत्रावली	नाम आवेदक कृषि भूमि नियमन आपत्ति सूचना	खसरा नं.	क्षेत्रफल
1	6450/05.07.2024	श्रवण कुमार पुत्र सुबेसिंह, वार्ड नं.01 लॉर्डस स्कूल के पीछे, राजगढ (चूरू)	2500/153	69.67 वर्गमीटर
2	6451/05.07.2024	राकेश सिंह पुत्र सुमेरसिंह वार्ड नं. 12 (16) सुभाष नगर, राजगढ (चूरू)	925, 926	185.79 वर्गमीटर
3	6452/05.07.2024	उर्मिला कुमारी पत्नी श्रवण कुमार वार्ड नं.01 लॉर्डस स्कूल के पीछे, राजगढ (चूरू)	2500/153	69.67 वर्गमीटर
4	6453/08.07.2024	राकेश पूनियॉ पुत्र बजरंगलाल पूनियॉ, वार्ड नं.02 (13) जाट धर्मशाला के पास, राजगढ (चूरू)	2372/1368	227.82 वर्गमीटर
5	6454/08.07.2024	राकेश पूनियॉ पुत्र बजरंगलाल पूनियॉ, वार्ड नं.02 (13) जाट धर्मशाला के पास, राजगढ (चूरू)	2372/1368	155.36 वर्गमीटर
6	6455/08.07.2024	राकेश पूनियॉ पुत्र बजरंगलाल पूनियॉ, वार्ड नं.02 (13) जाट धर्मशाला के पास, राजगढ (चूरू)	2312/2310 2314/2221	271.25 वर्गमीटर
7	6456/08.07.2024	राकेश पूनियॉ पुत्र बजरंगलाल पूनियॉ, वार्ड नं.02 (13) जाट धर्मशाला के पास, राजगढ (चूरू)	2312/1310 2314/2221	273.85 वर्गमीटर
8	6457/08.07.2024	राकेश पूनियॉ पुत्र बजरंगलाल पूनियॉ, वार्ड नं.02 (13) जाट धर्मशाला के पास, राजगढ (चूरू)	2371/1368	244.54 वर्गमीटर
9	6458/08.07.2024	राकेश पूनियॉ पुत्र बजरंगलाल पूनियॉ, वार्ड नं.02 (13) जाट धर्मशाला के पास, राजगढ (चूरू)	2312/2310 2314/2221	299.05 वर्गमीटर
10	6459/08.07.2024	राकेश पूनियॉ पुत्र बजरंगलाल पूनियॉ, वार्ड नं.02 (13) जाट धर्मशाला के पास, राजगढ (चूरू)	2372/1368	238.27 वर्गमीटर
11	6460/08.07.2024	राकेश पूनियॉ पुत्र बजरंगलाल पूनियॉ, वार्ड नं.02 (13) जाट धर्मशाला के पास, राजगढ (चूरू)	2312/2310 2314/2221	268.61 वर्गमीटर

क्र. सं.	पत्रावली	नाम आवेदक तामिर स्वीकृति आपत्ति सूचना	क्षेत्रफल	किस्म
1	559/05.07.2024	मदिना बानो पत्नी रमजान खान, वार्ड नं. 07 मौहल्ला ब्राह्मण पंचायत के पास राजगढ (चूरू)	52.72 वर्गमीटर	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका राजगढ (चूरू)

गैंगवार की प्लानिंग बना रहे कृपाल जघीना गैंग के पांच सदस्य गिरफ्तार

अजमेर जेल में बंद कृपाल जघीना गैंग के लोग भरतपुर में गैंगवार की बना रहे थे प्लानिंग

भरतपुर में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- कृपाल जघीना गैंग के बदमाश कुलदीप जघीना गैंग के तीन लोगों को टारगेट कर रहे थे
- 'हथियारों की व्यवस्था और रेकी करने वाला आरोपी रोहित हथैनी अभी फरार है, उसकी तलाश की जा रही है'
- अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल से मोबाइल और सिम बरामद किए गए, पुलिस ने जांच शुरु की

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में एक बार फिर से कृपाल जघीना गैंग के सदस्य गैंगवार करने की फिराक में थे, उससे पहले पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार लिया है। कृपाल जघीना गैंग के बदमाश कुलदीप जघीना गैंग के तीन लोगों को टारगेट कर रहे थे। इस वारदात को अंजाम देने वाला मास्टरमाइंड कृपाल का भतीजा पंकज अजमेर जेल से ही तीन लोगों की रेकी करवा रहा था। इस गैंगवार की प्लानिंग में अभी तक 11 आरोपियों के नाम सामने आये हैं, जिसमें से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके अलावा पहली बार अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल से मोबाइल और सिम बरामद किए गए हैं।

एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि, हाल ही में भरतपुर साइबर सेल को पता लगा कि, अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में बंद कृपाल जघीना गैंग के लोगों द्वारा भरतपुर में गैंगवार की प्लानिंग की जा रही है। इसके बारे में जयपुर एटीएस से हमें कुछ इनपुट मिले थे। उसके आधार पर कोतवाली थाने में एक मामला दर्ज किया गया। जिसके बाद जांच की गई। इस मामले में अभी तक पांच गिरफ्तारी की जा चुकी है। गैंगवार की प्लानिंग करने वाला मुख्य आरोपी पंकज जघीना, लोकेंद्र सहित हाई सिक्योरिटी जेल में मोबाइल उपलब्ध करवाने वाला आरोपी जहांगीर उर्फ डोरेमोन और दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में अभी और भी नाम सामने आ रहे हैं। पुलिस अभी इस मामले को लेकर जांच कर रही है। अभी और भी आरोपी हैं, जो अजमेर जेल में बंद हैं, उनसे भी पूछताछ की जाएगी। पंकज को 13 दिन की पुलिस रिमांड ले ली गई है। पंकज की अभी और भी पुलिस रिमांड ली जाएगी।

एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि, पहली बार ऐसा हुआ है कि, अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल से पंकज और जहांगीर की निशानदेही पर मोबाइल और सिम बरामद किए गए हैं। हथियारों की व्यवस्था और रेकी करने वाला आरोपी रोहित हथैनी अभी फरार है उसकी तलाश की जा रही है और भी बदमाश जो रेकी में शामिल थे, उन पर पुलिस नजर बनाए हुए हैं। उनकी तलाश की जा रही है। कुछ और भी स्थानीय लोगों के नाम पूछताछ में सामने आए हैं, जो दोनों गैंग से संबंध रखते हैं। कृपाल जघीना की गैंग क्षेत्र में अपना दबदबा बनाये रखने के लिए इस घटना को अंजाम देना चाहती थी।

गौरतलब है कि 4 सितंबर 2022 को रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य कृपाल सिंह जघीना की हत्या कुलदीप ने अपनी गैंग के साथ मिलकर की थी। इसके बाद 12 जुलाई 2023 को भरतपुर के अमोली टोल प्लाजा पर रोडवेज बस से पुलिस अभिरक्षा में पेशी पर लाए जा रहे कुलदीप जघीना की, कृपाल जघीना की गैंग ने अंधाधुंध फायरिंग कर हत्या कर दी। तब से दोनों गैंग के बदमाश जेल में बंद हैं। कृपाल जघीना का भतीजा पंकज अजमेर जेल में बंद है। वह अपने साथियों के साथ कुलदीप गैंग के लोगों की हत्या की साजिश बना रहा था। पंकज जेल में से ही लोगों से संपर्क कर रहा था और, कुलदीप के साथियों की रेकी करवा रहा था।

शादी के दूसरे दिन ही दुल्हन ने सातवीं मंजिल से छलांग लगाई, मौत

- युवती का पीहर जयपुर (वैशाली नगर) में है

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर के किश्चियनगंज थाना क्षेत्र में दुल्हन ने बिल्डिंग की 7वीं मंजिल से छलांग लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। युवती की एक दिन पहले सात जुलाई को ही शादी हुई थी। घटना सोमवार दोपहर 3.30 बजे की बीके कौल नगर स्थित गोकुलधाम अपार्टमेंट की है। क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस के मुताबिक कोमल शर्मा (32) पत्नी रौनक बंसल ने सुसाइड किया है। युवती जयपुर की रहने वाली थी। उसकी अजमेर के बीके कौल नगर गोकुलधाम अपार्टमेंट में फ्लैट नंबर-602 निवासी रौनक बंसल से रविवार को शादी हुई थी। कोमल और रौनक की इंटर कास्ट अरेंज मैरिज थी, रौनक के साड़ियों का बिजनेस है।

पुलिस ने बताया सोमवार सुबह चार बजे फेरे हुए थे। सुबह सात बजे दूल्हा-दुल्हन घर पहुंचे थे। इसके बाद घर में दुल्हन के आने पर रस्में चल रही थीं। इस दौरान दुल्हन को घबराहट हुई। वह अपने पति के साथ छत पर चली गई। पति को बोली कि बैठने के लिए एक कुर्सी लेकर आ जाओ। पति छत पर दूसरी तरफ रखी कुर्सी को लेने के लिए गया। इस दौरान उसने छलांग दी। पति दौड़ता हुआ नीचे भागा और परिवार के साथ हॉस्पिटल लेकर गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी पर अजमेर उत्तर डीएसपी रुद्रप्रकाश शर्मा हॉस्पिटल पहुंचे और घटना की जानकारी ली। घटनास्थल का मौका मुआयना किया। पुलिस सुसाइड के कारणों को लेकर जांच में जुटी है। युवती की पीहर जयपुर (वैशाली नगर) में है। उसके परिजन अजमेर पहुंचे। युवती के घरवालों का प्रॉपर्टी का कारोबार है। आज शाम को भी ससुराल वालों की तरफ से प्रोग्राम था, जिसमें रिश्तेदार और अन्य मेहमान शामिल होने वाले थे।

संगरिया में चार इंच बारिश हुई

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले में मानसून की मेहरबानी से खेतों में खड़ी खरीफ फसलों में जान आ गई। अच्छी बारिश से फसलों में सिंचाई पानी की कमी दूर हुई है। वहीं वातावरण में गर्मी का असर कम हुआ है। सड़कों पर पानी जमा होने से राहगीरों को कुछ परेशानी भी हुई। जिले में हनुमानगढ़ तहसील क्षेत्र में 16, पीलीबंगा 40, संगरिया 97, टिब्बी 65, रावतसर में 2, नोहर में 78, भादरा में 71, पल्लू में 32 व गोलूवाला तहसील में 27 एमएम बारिश हुई। अच्छी बारिश से खरीफ फसलों को जीवनदान मिला है। जिले में बरसात के बाद खरीफ फसलों की बिजाई में और तेजी आने की संभावना है। अब किसान धान आदि फसलों की बिजाई कर सकेंगे। इसके अलावा बारानी क्षेत्रों में बरसात होने से यहां के किसान भी बिजाई में जुटेंगे।

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण (राज0)

क्रमांकः– ननिको(द.)/जनस्वा./2024/6312–23 दिनांकः– 05.07.2024

: ई–निविदा सूचना :

नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इण्डिया द्वारा मान्यता प्राप्त NGOs से Animal Birth Control Programme in stray dogs के कार्य हेतु ऑनलाईन ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। इस कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्ते इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट http://urban.rajasthan.gov.in.nnks, http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। अन्य जानकारी हेतु नगर निगम, कोटा दक्षिण के प्रशासनिक भवन में कमरा नं0 239 में सम्पर्क कर सकते है।

अनुमानित लागत 50.00 लाख

UBN No. – DLB2425SLOB02561

आयुक्त, नगर निगम कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/24/1904

कार्यालय नगर पालिका मण्डल बांदीकुई (दौसा)

Email: bandikui.jaipur@gmail.com

क्रमांक :– न.पा.बा./2024/1063–1065 दिनांक :– 05.07.2024

BID सूचना

समस्त पंजीकृत संवेदक/सामाजिक संस्थाओ को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका बांदीकुई NIB Code. DLB2425A0791 तथा UBN No. DLB2425WSRC02541, DLB2425WSRC02544, DLB2425WSRC02547, DLB2425WSRC02548, कार्य करवाना चाहती है अतः इच्छुक व्यक्ति नियत दिनांक 16.07.2024 को सायः 6:00 बजे तक अपनी दर ऑनलाईन प्रस्तुत कर सकते है। निविदा आनलाईन बेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in http://sppp..goverment.gov.in पर देखी जा सकती है। निविंदा से संबंधित शर्ते उपरोक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/24/1857 अधिशाषी अधिकारी

नगर विकास न्यास, बीकानेर

Near Collector Office, Bikaner(Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013
E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner

क्रमांकः–नविन्या/बीका/ 2024–25/7073 दिनांक :– 05.07.2024

ई–बिड सूचना संख्या 01– II–2024–25

नगर विकास न्यास बीकानेर की ओर से अखिल भारतीय स्तर, न्यास एवं राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्य हेतु मुहरबंद निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने प्राप्त करने व खोलने की दिनांक एवं निविदा शर्तों आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner पर देखा जा सकता है। (UBN NO.: ITB2425WSOB00002-06)

राज.संवाद/सी/24/1840 अधिशाषी अभियन्ता–II

पूर्व विधायक अमृता मेघवाल ने तलाक के बाद ससुराल में जबरदस्ती घुसने का प्रयास किया

इस दौरान ससुराल वालों के साथ अमृता मेघवाल के बीच हाथापाई हुई, पुलिस थाना जालोर में दोनों पक्षो ने मामला दर्ज करवाया

- पूर्व विधायक अमृता मेघवाल की तबीयत खराब होने पर राजकीय चिकित्सालय जालोर में भर्ती कराया

जालोर, (कासं)। जालोर की पूर्व विधायक अमृता मेघवाल ने अपने पति बाबूलाल मेघवाल से वैवाहिक सम्बंध विच्छेद (तलाक) होने के करीब सवा साल बाद रविवार शाम को जालोर में ताला तोड़कर बंद घर में घुसने का प्रयास किया। इस दौरान ससुराल वालों के साथ पूर्व विधायक अमृता मेघवाल के बीच हाथापाई हुई। इसके बाद पुलिस थाना जालोर में दोनों पक्षों ने मामला दर्ज करवाया। वहीं पूर्व विधायक की तबीयत खराब होने पर राजकीय चिकित्सालय जालोर में भर्ती करवाया है।

जानकारी के अनुसार जालोर की पूर्व विधायक व उसके पति के बीच मनमुटाव होने के बाद नौबत तलाक तक होने के बाद दोनों काफी लम्बे समय से एक-दूसरे से अलग रह रहे थे। रविवार को पूर्व विधायक जालोर पहुंची तथा अपने पति बाबूलाल के बंद घर का ताला तोड़कर प्रवेश करने का प्रयास किया। ताला तोड़ने की सूचना पर बाबूलाल के पड़ौस में ही उसके भाई का घर है, अमृता मेघवाल के काकाई ससुर शिवलाल व ससुर हेमाराम ने मना किया तो आपस में कहासुनी भी हुई। वहीं घर के बार लगे सीसीटीवी फुटेज में साफ नजर आ रहा है कि पूर्व विधायक अमृता मेघवाल किसी बुजुर्ग को धक्का मारकर गाड़ी में बैठ रही है। घटना के समय बाबूलाल मेघवाल घर पर नहीं था। दोनों पक्षों की ओर से परस्पर मामला दर्ज करने को लेकर रिपोर्ट पुलिस थाना में दी है। वहीं घटना के बाद पूर्व विधायक अमृता मेघवाल पुलिस थाना पहुंचने पर उसकी वहा तबीयत खराब होने पर रात को ही अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उन्होंने ससुराल पक्ष पर भी मानसिक रूप से परेशान करने सहित कई आरोप लगाए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पूर्व विधायक अमृता मेघवाल की शादी जालोर जिले के नोरवा हाल रामदेव कॉलोनी जालोर निवासी एडवोकेट बाबूलाल मेघवाल पुत्र हेमाराम मेघवाल के साथ 21 अप्रैल 2008 को चाणोद (पाली) में हिन्दू रीति-रिवाज से विवाह संपन्न हुई थी। अमृता को शुरू से ही राजनीति में रूचि होने पर शादी के बाद पति ने पूरा सहयोग दिया तथा वे जिला परिषद का चुनाव लड़कर जिला परिषद सदस्या बनी। पति बाबूलाल ने धीरे-धीरे अपनी पत्नि की साख पार्टी में जमा देने पर वर्ष 2013 में विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अमृता मेघवाल को टिकट दिया तथा वे चुनाव जीतकर विधायक बनी। विधायक बनने पर दोनों पति-पत्नी राजनीति में पूरे सक्रिय रहे, लेकिन पार्टी में विरोध होने पर अगले चुनाव में उनका टिकट कट जाने पर दोनों के बीच विवाद बढ़ता चला गया। दोनों एक दूसरे पर राजनीतिक आरोप लगाने लगे।

अंत में 21 जनवरी 2019 को दोनों के बीच इतना विवाद हुआ कि मिलना भी बंद हो गया। करीब तीन साल बाद अंत में पति बाबूलाल ने पारिवारिक न्यायालय जालोर में तलाक के लिए प्रार्थना पत्र दाखिल किया, जिसके बाद न्यायालय ने अमृता मेघवाल को कई नोटिस भेजकर उपस्थित होने को कहा, लेकिन अमृता मेघवाल न्यायालय में उपस्थित नहीं हुई, जिस पर पारिवारिक न्यायालय ने 4 मई 2023 को तलाक का फैसला बाबूलाल के पक्ष में दे दिया। अमृता मेघवाल इस अवधि अपनी बेटी के साथ जयपुर व दिल्ली रहने लगी। अमृता मेघवाल व बाबूलाल के बीच दूरियां बढ़ने के बाद अमृता स्वयं कई बार जालोर आईं, लेकिन रामदेव कॉलोनी स्थित बाबूलाल के घर नहीं जाती थी। इस घर में बाबूलाल अकेले ही रहते हैं और रविवार को वे बाहर थे घर बंद था।

इस घर के पड़ोस में बाबूलाल के भाई का भी घर है, जहां उसके पिता व रिश्तेदार रहते हैं। बताया जा रहा है कि रविवार की शाम को अचानक दो अन्य औरतों के साथ अमृता मेघवाल रामदेव कॉलोनी के घर पहुंची और उसका दरवाजा खोलने का प्रयास किया। इसकी खटखट की आवाज सुनकर काकाई ससुर शिवलाल व ससुर हेमाराम ने इसका घर का ताला तोड़ने का विरोध किया तो दोनों के बीच कहासुनी भी हुई। अब दोनों पक्षों की ओर से थाने में रिपोर्ट दी गई है। कुछ सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खेत में पाकिस्तानी गुब्बारा मिला

रावला मंडी/अनूपगढ़, (निसं)। क्षेत्र के चक 22 आरजेडी की रोही में स्थित एक खेत में एक पाकिस्तानी गुब्बारा मिला। खेत मालिक दुलीचन्द के काश्तकार रामलाल ने चक के हेतराम शर्मा को खेत में गुब्बारा होने की जानकारी दी, जिसके बाद सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पहुंचे और गुब्बारे को कब्जे में लेकर जांच में जुट गए। गुब्बारा हरे और सफेद रंग का हवाई जहाज जैसा था और उस पर पाकिस्तान लिखा हुआ था।

मौके पर पहुंचे कार्यवाहक थाना अधिकारी मोहनलाल मीणा ने बताया कि हवाई जहाज जैसे दिखने वाले गुब्बारे पर पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस व एसजीए लिखा हुआ है। यह 22 आरजेडी की रोही में मिला है जो भारत-पाकिस्तान सरहद से करीब 64 किलोमीटर अंदर है। जांच के दौरान गुब्बारे के साथ कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई है। कई बार हवा के तेज प्रभाव के साथ इस तरह के गुब्बारे उडकर सीमा के पास आ जाते हैं, लेकिन सीमावर्ती इलाका होने के कारण हर एंगल से गुब्बारे की जांच की जा रही है। अधिकारियों ने किसानों से अपील की है कि अगर वह इलाके में कोई भी संदिग्ध वस्तु जा किसी संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे तो इसकी सूचना सुरक्षा एजेंसी तथा पुलिस को दें।

सीआरपीएफ जवान ने खुदकुशी की

अजमेर, (कासं)। दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी के मामले सामने आए हैं। गंज थाना क्षेत्र के फॉयसागर रोड स्थित सीआरपीएफ जीसी-2 के परिसर में बने क्वार्टर में एक जवान ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली तो वहीं क्लॉक टावर थाना क्षेत्र में रहने वाले पेंटर का कार्य करने वाले युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।

गंज थाना क्षेत्र के फॉयसागर रोड चामुंडा माता मंदिर के पास स्थित सीआरपीएफ (जीसी-2) में कार्यरत मणिपुर इंफाल (असम) हाल जीसी-2 निवासी अमरजीत सिंह ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते मिले ही गंज थाना पुलिस और सीआरपीएफ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जेएलएन अस्पताल पहुंचाया और मृतक का पोस्टमार्टम कर शव परिजन को सौंप दिया। पोस्टमार्टम की कार्यवाही के दौरान अस्पताल में सीआरपीएफ के अधिकारी मौजूद रहे। वहीं मामले में सीआरपीएफ अधिकारी और परिजन ने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया है।

इसी प्रकार क्लॉक टावर थाना क्षेत्र के पाल बीसला निवासी पेंटर का कार्य करने वाले मनीष नामक युवक ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। क्लॉक टावर पुलिस शव को कब्जे में लेकर जेएलएन अस्पताल से मृतक का पोस्टमार्टम करा शव परिजन के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस को मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला।

कार्यालय नगरपालिका रामगंजमण्डी जिला–कोटा (राज0)

Phone No- (07459) 220016 Email-mbramganjmandi@rajasthan.gov.in

क्रमांक : न.पा.रा./2024/1101–1102 दिनांक 05.07.2024

ई–निविदा सूचना 02/2024–25

नगरपालिका रामगंजमंडी द्वारा कार्यो हेतु पालिका में पंजीकृत एवं विभागों में AA,A,B, Class एवं उपयुक्त श्रेणी संवेदको से लिफाफा पद्धति/ई–निविदा पद्धति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 05.07.2024 से 15.07.2024 एवं अपलोड करने की दिनांक 05.07.2024 से 15.07.2024 सांय 6 बजे तक। ई.एम.डी./ निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि : 16.07.2024 समय प्रात : 11.00 बजे तक। तकनीकी बिड खोलने कि दिनांक 16.07.2024 समय सांय 4:00 बजे तक रहेगी। वित्तीय बिड तकनीकी परीक्षण उपरांत खोली जावेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http//sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

NIB –DLB2425A0810 UBN - DLB2425GLOB02588

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रामगंजमण्डी

राज.संवाद/सी/24/1908

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् उदयपुर

111, सहेली मार्ग, उदयपुर (राज.) पिन 313001 दूरभाष 0294-2415171
E-mail:- director.rscert@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- रारा‌शैअप्रप-उदय/लेखा/2024-25/183 दिनांक :- 05/07/2024

ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से खुली बोली आमंत्रण सूचना संख्या 04/2024-25

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 में मुद्रण मय कागज, बाइंडिंग, पैकिंग व वितरण, जिनकी अनुमानित लागत : 45.00 लाख है, हेतु दिनांक 15.07.2024 को 11.00 AM तक इच्छुक बोलीदाताओं से ई–प्रोक्योरमेंट के माध्यम से बोली आमंत्रित की जाती है। बोली की विस्तृत शर्तें एवं बोली दस्तावेज http://sppp.rajasthan.gov.in तथा https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किए जा सकते हैं। बोली ई–प्रोक्यारेमेंट साईट के माध्यम से ही स्वीकार की जाएगी।

NIB code SCE2425A0004
UBN is: SCE2425SLRC00006

निदेशक, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

राज.संवाद/सी/24/1874

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION BEAWAR

NO. 1186/1206 Date- 08.07.2024

NIB NO.- PWD2425A0301 TO 306

Revised Notice Inviting Bid No. 01/2024-25

Bids for 06 No. Works are invited from interested bidders uto 6.00 PM Thuresday 20 June, 2024. Other particular of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http:/sppp.raj.nic.in) of the State, and DIPR departmental website. The aproximate value of the procurement is Rs. 199.76 Lacs.

UBIN NO.	Name of work	Amount
PWD2425 WSLB01091	Construction of Non patchable/Missing Link in various roads in Beawar District (package No. RJ-36-05/ML-NP/2024-25/Beawar)	177.17
PWD2425 WSLB01092	Road Repair work during Rainy Season under Jurisdiction of sub Dn. Masuda	5.00
PWD2425 WSLB01094	Road Repair work during Rainy Season under Jurisdiction of sub Dn. Badnor	2.99
PWD2425 WSLB01099	Road Repair work during Rainy Season under Jurisdiction of sub Dn. Beawar	4.99
PWD2425 WSLB01100	Various Maintenance works during Flood and Mansoon Season in Block Raipur	4.61
PWD2425 WSLB01101	Various Maintenance works during Flood and Mansoon Season in Block Jaitaran	5.00

(V.S. Shekhawar)
Executive engineer
PWD Division Beawar

DIPR/C/5708/2024

राजस्थान में विलुप्त हो रहे गोडावण को बचाने की मुहिम शुरू

गोडावण को बचाने के लिए वन विभाग के स्टॉफ ने अपना शेड्यूल तक बदल लिया

पोकरण क्षेत्र में पिंजरे में गोडावण।

- आठ करोड़ रुपये की लागत से पिंजरा तैयार किया जा रहा है

पोकरण, (निसं)। राजस्थान में विलुप्त हो रहे गोडावण को बचाने में मुहिम शुरू हो गई है। इनके लिए 8 करोड़ की लागत से पिंजरा तैयार किया जा रहा है, ताकि ये लंबे समय तक जीवित रह सके। इतना ही नहीं जैसलमेर के डेजर्ट नेशनल पार्क व गोमट रामदेवरा के बीच वन विभाग के स्टॉफ ने अपना शेड्यूल तक बदल लिया। इसी का नतीजा ये भी रहा कि धीरे-धीरे इनका कुनबा बढ़ रहा है और इनकी संख्या 40 हो गई है।

रामदेवरा में वन विभाग में 19 गोडावण होने का दावा किया जा रहा है कि इस महीने दो नए गोडावण का भी जन्म होने वाला है। पिंजरे की लागत करीब 8 करोड़ रूपए होगी। यह 150 से 200 मीटर लंबा, करीब सौ मीटर चौड़ा और लगभग 15 मीटर ऊंचा होगा। जिससे पिंजरे में गोडावण आसानी से उड़ान भर सके और नेचर को करीब से देख सके। वहीं पिंजरे में उन्हीं गोडावण को रखा जाएगा, जिन्हें जंगल में छोड़ा जाना तय होगा। इनमें शुरुआती प्रोग्राम के तहत फाउंडेशन स्टॉक को रखा जाएगा, जिसमें 15 मादा और 5 नर गोडावण शामिल होने की संभावना है। वहीं पिंजरे में जंगल फ्रेंडली माहौल तैयार किया जाएगा। इसके लिए उबारा फाउंडेशन, भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून और राजस्थान सरकार के वन विभाग के एक्सपर्ट्स की ओर से ट्रेनिंग दी जाएगी। हालांकि पिंजरे को लेकर डिजाइन फाइनल नहीं है, जिसके आगामी चंद दिनों में फाइनल होने की संभावना है।

जैसलमेर में फिलहाल 2 सेंटर है। सम व रामदेवरा में इनमें 33 वेटेरनरी डॉक्टर्स की टीम के अलावा 15 रिसर्चर्स है। करीब 30 सपोर्टिंग स्टाफ है। इनके अलावा राजस्थान वन विभाग की टीम अलग है, जो इन स्टाफ के साथ दिन-रात कॉर्डिनेट करके गोडावण की देखभाल और उसकी सीसीटीवी कैमरा से 24 घंटे सुरक्षा व निगरानी करती है। केंद्र एवं राज्य सरकार के वन विभाग एवं पर्यावरण विभाग द्वारा संयुक्त तत्वावधान में गोडावण को बचाने में लगे हुए हैं। वहीं मेडिकल टीम की ओर से गोडावण का इंसानों की जैसे ही ब्लड सैंपल लिया जा रहा है और बीमार होने अथवा उसके द्वारा हरकत कम करने पर इंसानों की तरह ही देखभाल की जाती है। इसी कारण गोडावण और टीम में लगातार बॉन्डिंग बढ़ती जा रही है।

गोडावण ब्रीडिंग सेंटर के डॉक्टर विपुल विश्नोई ने बताया कि हमने हमारा शेड्यूल गोडावण के अनुरूप बना लिया है। 2019 में डीएनपी की शुरुआत हुई। हमारे लिए गोडावण के चूजों या फिर उसके अंडों को तलाशना बड़ी चुनौती थी, क्योंकि यह जमीन पर घोंसला बनाकर अंडे देते हैं। इसके लिए हमें धीरे-धीरे सफलता मिलना शुरू हुई। हम अंडों और छोटे चूजों को जंगली जानवर और बड़े पक्षियों से बचाकर सेंटर पर लाते और उन्हें एक निश्चित अनुकूल तापमान में रखते। जिससे अंडों में से 10 से 15 दिनों में चूजा बाहर आता। रामदेवरा क्षेत्र के वन विभाग में 19 व सम क्षेत्र में 21 गोडावण सुरक्षित भू भाग लगभग 800 बीघा में विचरण करते हैं, उसके लिए हम ही मां की भूमिका में होते और उसकी फिडिंग करते। यह बॉन्ड हम कंटीन्यू करते, जिससे उसे अपनापन लगे और बॉन्डिंग बनी रहे। चूजों को इंटेंसिव फीडिंग करते और हाई प्रोटीन डाइट को मेन्यू में शामिल करते हैं, जिससे उसका विकास अच्छे से हो।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) पूगल रोड़ बीकानेर

क्रमांक :- 8696419 दिनांक :- 05/07/2024

ई-बोली आमंत्रण सूचना 03/2024-25

कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज)बीकानेर द्वारा निम्नांकित व्यवस्थाओं/सेवाओं के संचालन के लिए उपापन ठेका पद्धति द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए अनुभवी फर्मो/ठेकेदारों/सद्भावी व्यवहारियों से सुरक्षा व्यवस्था ठेका हेतु ई–टेण्डरिंग के अन्तर्गत ऑनलाईन बोली आमंत्रण सम्बन्धित विवरण एवं शर्तो को वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in तथा www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	कार्य की अनु. राशि (लाख में)	धरोहर राशि रु.	RISL फीस चालान राशि	निविदा फार्म शुल्क रु.
1.	मुख्य मण्डी प्रांगण में सुरक्षा व्यवस्था	20.00	40000	1000	1000

निविदा फार्म प्राप्ति की अंतिम तिथि	दिनांक 24.07.2024 प्रातः 10.00 बजे तक
निविदा फार्म ऑनलाईन भरने की अन्तिम तिथि	दिनांक 24.07.2024 प्रातः 10.00 बजे तक
निविदा भौतिक रूप से कार्यालय में प्रस्तुत करने अन्तिम तिथि(डी.डी./चालान/मूल स्टाम्प सहित)	दिनांक 24.07.2024 दोपहर 01.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 24.07.2024 दोपहर 04.00 बजे से

नोट :– कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) पूगल रोड़, बीकानेर के मुख्य मण्डी प्रांगण में सुरक्षा व्यवस्था मद हेतु रजिस्टर्ड फर्मो से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्योरमेंट (eproc.rajasthan.gov.in) के माध्यम से ऑनलाईन निविदाऐं आमत्रित की जाती है। बोली सम्बन्धित नियम/शर्ते किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय में प्राप्त कर सकतें है। बोली दस्तावेजों को राज्य उपापन पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in (UBN No. DAM2425SLOB00404) से भी देखा जा सकता है। तकनीकी बोली दस्तावेज के साथ बोली प्रपत्र शुल्क, प्रतिभूति राशि का डी.डी. एव ई–टेण्डरिंग के लिए ई प्रोसेसिंग शुल्क का चालान बोली जमा करने की निर्धारित दिनांक व समय तक कार्यालय में जमा करवाया जाना अनिवार्य है एवं देर से प्राप्त होने वाले दस्तावेजों/शुल्क को स्वीकार नहीं किया जावेगा। बोली प्रपत्र शुल्क एवं प्रतिभूति राशि के अभाव में ई–निविदा पर कोई विचार नही किया जायेगा।

UBN :- DAM2425SLOB00404

राज.संवाद/सी/24/1871 सचिव

‘जय जगन्नाथ’ से गुंजायमान हुई गुलाबी नगरी

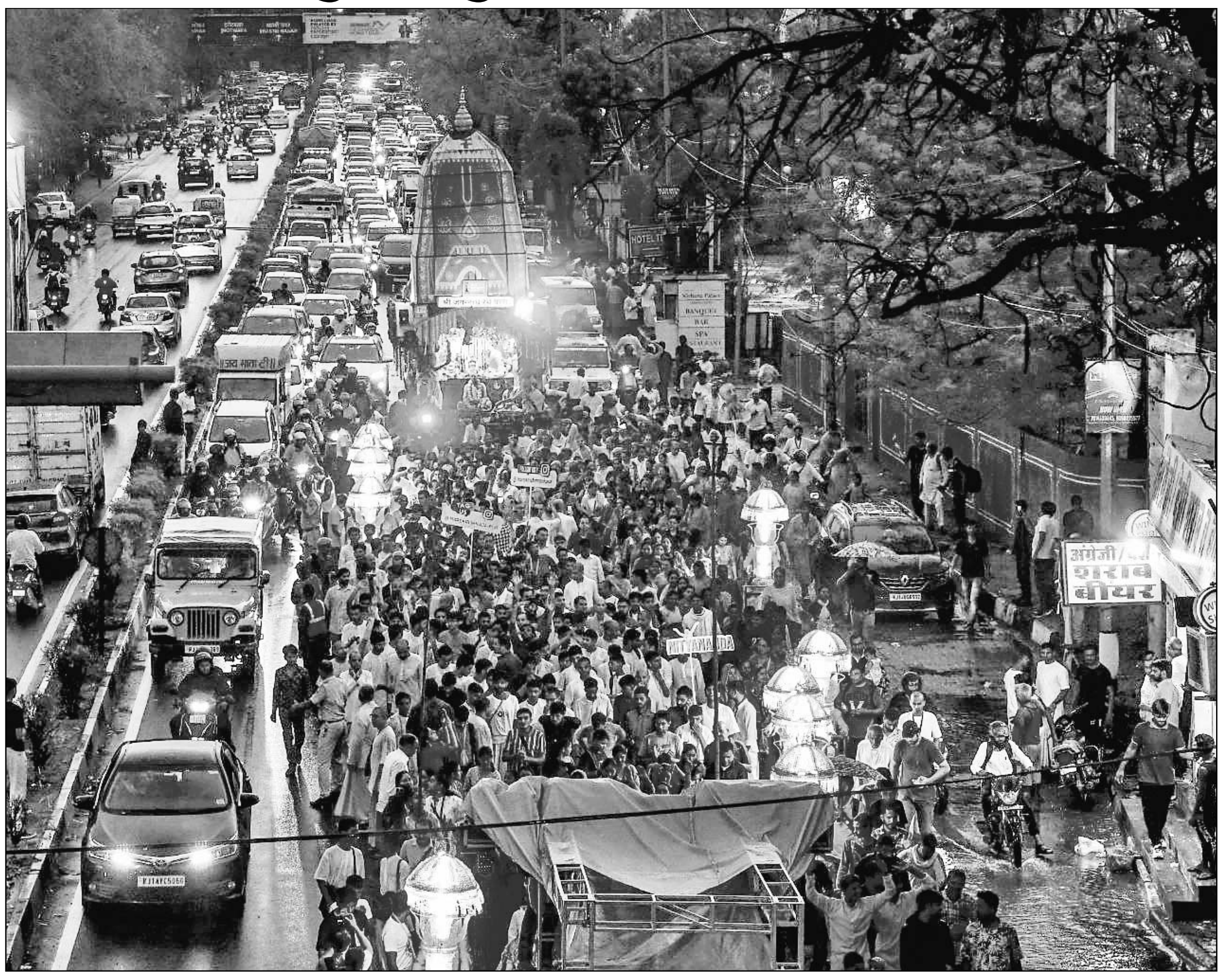

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के साथ जब रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण को निकले तो भक्तों ने अपने हाथों से भगवान् का रथ खींचकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस भव्य रथ यात्रा में जयपुर के कोने-कोने से हजारों भक्त सम्मिलित हुए।

जयपुर, (का.सं.)। जब भगवान् जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के साथ आज जब रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण को निकले तो पूरी गुलाबी नगरी ‘जय जगन्नाथ’ के स्वर के साथ गुंजायमान हो गई। भक्तों ने अपने हाथों से भगवान् का रथ खींचकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस भव्य रथ यात्रा का आयोजन हरे कृष्ण मूवमेंट जयपुर के द्वारा किया गया जिसमे जयपुर के कोने-कोने से लाखों भक्त सम्मिलित हुए और उन्होंने रथ पर सवार भगवान् के नयनाभिराम दर्शन किये।

हरे कृष्ण मूवमेंट की वार्षिक भव्य रथयात्रा का शुभारम्भ जयपुर होटल (कलेक्टरेट सर्कल के पास) से हुआ। इसके बाद खासा कोठी पुलिया, गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहा (एमआई रोड), पांच बत्ती सर्किल से अजमेरी गेट फिर न्यू गेट से होते हुए अल्बर्ट हॉल म्यूजियम रोड की ओर से शाम 8.15 बजे शिव सत्संग भवन पर यात्रा समाप्त हुई। रथ यात्रा के मुख्य अतिथि थे विधायक गोपाल शर्मा, विनायक शर्मा (सच बेधड़क मीडिया), अरुण चतुर्वेदी (पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा) और ओमप्रकश मोदी। भगवान् जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा हाइड्रोलिक रथ पर सवार होकर गुलाबी नगरी में भक्तों को आशीर्वाद देने के लिए निकले उनके रथ को बहुत ही सुन्दर फूलों और रंग बिरंगी रौशनी से सजाया गया, भगवान् के सुन्दर रथ के साथ श्री गौर निताई आगे चल रहे थे, हजारों भक्तगण रथ को हाथों से खींचते हुए आगे बढ़ रहे थे और करताल और मृदंग के साथ भगवान् का गुणगान करते हुए नृत्य कर रहे थे ,पूरी यात्रा के दौरान भक्तों को प्रसाद और फल आदि का वितरण किया गया। मंदिर के अध्यक्ष अमितासन दास ने रथयात्रा के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि द्वारकाधीश भगवान् श्री कृष्ण को वृन्दावन वापिस ले जाने के लिए वृन्दावन वासियों ने भगवान् का रथ अपने हाथ से खींचा था, भगवान् कृष्ण वृन्दावन वासियों के इस प्रेम को देखकर भाव विभोर हो गए थे। इसी की याद में हर वर्ष रथ यात्रा का आयोजन होता है। उन्होंने सभी जयपुर वासियों का रथयात्रा को सफल बनाने के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया।

बोनस अंक व आयु सीमा में छूट देने को सुप्रीम कोर्ट ने सही माना

जयपुर, (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट ने प्रबोधक भर्ती-2008 में राज्य सरकार की ओर सरकारी शैक्षिणक परियोजनाओं में काम कर चुके अभ्यर्थियों को बोनस अंक व आयु सीमा में छूट देने के प्रावधान को सही माना है। वहीं इस संबंध में हाईकोर्ट की ओर से 21 मई, 2010 को दिए आदेश को बरकरार रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश महेश चन्द बारेठ व अन्य की एसएलपी को खारिज करते हुए दिए।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि सरकारी शैक्षिणक परियोजनाओं में शिक्षकों को बोनस अंक व आयु में छूट देने का राजस्थान सरकार का फैसला उचित था और ऐसे में खंडपीठ के आदेश में किसी भी तरह का दखल देने की जरूरत नहीं है।

एसएलपी में राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें एकल पीठ के 7 जनवरी, 2009 के आदेश को बरकरार रखते हुए खंडपीठ ने अपील खारिज कर दी थी। अभ्यर्थियों ने राजस्थान पंचायती राज प्रबोधक सेवा नियम 2008 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए कहा था कि राज्य सरकार भर्ती नियमों में सरकारी शैक्षिणक परियोजनाओं में काम कर चुके अभ्यर्थियों को बोनस अंक व आयु सीमा में छूट का लाभ नहीं दे सकती।

राजस्थान को बनाएंगे सोलर उपकरणों की असेंबलिंग का हब : हीरालाल नागर

■ ‘राज्य में विद्युत तंत्र के सुदृढीकरण के लिए आरडीएसएस योजना के माध्यम से 10 हजार करोड़ रूपए के कार्यों के प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं’

जयपुर, (का.सं.)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सोलर सेक्टर को बढ़ावा दे रही है। हमारा प्रयास है कि राजस्थान सौर ऊर्जा उत्पादन के साथ ही सोलर उपकरणों की असेंबलिंग तथा मैन्यूफैक्चरिंग का हब बने। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सोलर उपकरण विनिर्माण इकाइयों से जुड़े उद्यमी सुझाव दें। जिनके आधार पर नीति एवं नियमों में संशोधन की आवश्यकता हुई तो उन पर भी सरकार प्राथमिकता से विचार करेगी।

ऊर्जा मंत्री सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राजस्थान सोलर एसोसिएशन की ओर से आयोजित भारत सोलर कंपोनेंट एक्सपो में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पीएम कुसुम योजना के लाभार्थियों तथा सोलर उपकरणों की विनिर्माण इकाइयों से जुड़े उद्यमियों के साथ संवाद किया और उनके सवालों के जवाब भी दिए।

नागर ने कहा कि स्थानीय स्तर पर ही सोलर कंपोनेंट मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट्स के लगने से सोलर पैनल, सोलर केबल, एलुमिनियम स्ट्रक्चर आदि की निर्माण लागत में कमी आएगी और युवाओं को इस उभरते सेक्टर में रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा भविष्य की जरूरत है और हमारे प्रदेश में सोलर एनर्जी के क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं।

ऊर्जा मंत्री ने सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य कैबिनेट द्वारा हाल ही में किए गए अक्षय ऊर्जा नीति-2023 तथा राजस्थान भू-राजस्व नियम, 2007 के प्रावधानों में संशोधन का जिक्र करते हुए कहा कि अब प्रदेश में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए डीएलसी दर के साढ़े सात प्रतिशत पर भूमि का आवंटन किया जा सकेगा। इससे हमारे यहां प्रचुर मात्रा में प्रकृत्ति प्रदत्त सोलर रेडिएशन का उपयोग तो होगा ही, सोलर कंपोनेंट मैन्यूफैक्चरिंग में निवेश एवं रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि राज्य में विद्युत तंत्र के सुदृढीकरण के लिए आरडीएसएस योजना के माध्यम से 10 हजार करोड़ रूपए के कार्यों के प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। जिससे नए 33/11 केवी ग्रिड सब स्टेशनों के निर्माण तथा फीडर सुधार जैसे कार्यों को गति मिलेगी और उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति संभव होगी।

नागर ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में सस्ती बिजली सुलभ कराने के उद्देश्य से कुसुम योजना को गति दे रही है। उन्होंने बताया कि सरकार बनने के कुछ ही माह में इस योजना के तहत फीडर स्तर के सोलराइजेशन के लिए करीब 4468 मेगावाट के कार्यादेश दिए जा चुके हैं। जल्द ही इस योजना में 5 हजार मेगावाट के प्लांट और आने की प्रक्रिया में हैं। इस योजना से जुड़कर किसान अपनी अनुपजाऊ भूमि का उपयोग ऊर्जा उत्पादन में कर पा रहे हैं। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि हम राजस्थान में पीएम सूर्यघर योजना के तहत 5 लाख घरों में रूफ टॉप सोलर लगाने के काम को भी गति दे रहे हैं।

इससे पहले राजस्थान सोलर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील बंसल, सीईओ नितिन अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारियों ने नागर का स्वागत किया और राजस्थान में सोलर सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे नीतिगत निर्णयों के लिए आभार व्यक्त किया। ऊर्जा मंत्री ने सोलर कंपोनेंट एक्सपो का अवलोकन भी किया।

दुगनी शक्ति के साथ समाज के बीच में जायेंगे मोर्चा के पदाधिकारी : सिद्दीकी

■ भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक हुई सम्पन्न

जयपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक भाजपा प्रदेश कार्यालय में मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य अतिथि मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी रहे।

मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने बैठक को सम्बोधित करते हुये कहा कि मोर्चा के पदाधिकारियों को दुगनी शक्ति के साथ समाज के बीच में जाना है और उन्हें केन्द्र एवं राज्य सरकार की अल्पसंख्यक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देनी है।

मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने बैठक में मोर्चा की संगठनात्मक संरचना एवं संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की गई व आगामी कार्यक्रमों और उप चुनाव की रूपरेखा तैयार की गई। मोर्चा के प्रदेश महामंत्री जावेद कुरैशी ने मंच संचालन किया एवं धन्यवाद भाषण ज्ञापित कर आने वाले अतिथियों और पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

बैठक में मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुसैन ख़ान, पूर्व मोर्चा प्रदेशअध्यक्ष एम. सादिक खान, पूर्व दरगाह अजमेर कमेटी उप चेयरमैन मुन्नवर खान,प्रदेश उपाध्यक्ष अयूब ख़ान, जंग बहादुर, प्रदेश कोषाध्यक्ष जावेद कागज़ी,प्रदेश मंत्री मुराद अली, महबूब क़ुरैशी, विकार खान,आसिफ़ नकवी, प्रदेश आई.टी. इरशाद हसनपुरा, कार्यालय मंत्री उस्मान चौहान, सह कार्यालयमंत्री भागचंद जैन, जयपुर शहर ज़िलाध्यक्ष अज़ीज़ हाथीवाला, मोर्चा जयपुर शहर महामंत्री परवेज खान, मजीद पठान,सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहें।

जवाहर कला केंद्र में पंचतन्त्री बेला वादन 11 को

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की ओर से मधुरम के अंतर्गत बेला वादन की प्रस्तुति का आयोजन किया जा रहा है। 11 जुलाई को शाम 7 बजे रंगायन सभागार में पं. रविशंकर भट्ट की बेला वादन प्रस्तुति होगी। पं. रविशंकर भट्ट तैलंग विशेष पंचतन्त्री बेला का वादन करेंगे। गौरतलब है कि हाल ही जयपुर के ध्रुवपदाचार्य पं. लक्ष्मण भट्ट तैलंग को पद्मश्री से नवाजा गया था।

दो मोबाइल लुटेरे व खरीददार गिरफ्तार

जयपुर । खोह नागोरियान थाना पुलिस ने मोबाइल लुटेरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए सोमवार को दो शातिर मोबाइल स्नैचरों के साथ एक खरीदार को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात के उपयोग में ली गई मोटरसाइकिल और लूट के 14 मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

डीसीपी ईस्ट कावेंद्र सिंह सागर के मुताबिक चैन स्नैचर, मोबाइल स्नैचर और वाहन चोरों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के लिए एडिशनल डीसीपी ईस्ट आशाराम चौधरी के निर्देशन में स्पेशल टीमें गठित की गई। इसी क्रम में मालवीय नगर एसीपी आदित्य पूनिया और खोह नागोरियान थाना अधिकारी सुरेश यादव के नेतृत्व में मोबाइल स्नेचिंग के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने दो शातिर मोबाइल स्नैचर और लूट के मोबाइल खरीदने वाले को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 14 महंगे मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

मुख्य सूचना आयुक्त लाठर आज शपथ लेंगे

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र मंगलवार को सायं 5 बजे राजभवन के दरबार हॉल में नव नियुक्त मुख्य सूचना आयुक्त मोहन लाल लाठर को शपथ दिलाएंगे। मिश्र नव नियुक्त सूचना आयुक्त सुरेश चंद गुप्ता, महेंद्र कुमार पारख और टीकाराम शर्मा को भी शपथ दिलाएंगे।

ऑडी सवार बदमाशों ने दो भाइयों को लूटा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । ‘ऑडी’ कार में सवार बदमाशों ने दो सगे भाइयों को लूट लिया। लूटने से पहले दोनों के साथ मारपीट भी की। कार सवार बदमाश रुपए लूटने के बाद मौके से भाग निकले। पीड़ितों की शिकायत पर ज्योति नगर थाना पुलिस ने कार सवार बदमाशों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली हैं। बदमाशों की तलाश की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि 7 जुलाई को करतारपुरा में रहने वाले सगे भाई मनोज कुमार, आशीष साइकिल और स्कूटी से इमली वाला फाटक की तरफ जा रहे थे। इस दौरान इमली वाला फाटक से एक ऑडी कार तेज गति में उनकी तरफ आई। दोनों भाई खुद को बचाने के लिए चिल्लाए। बदमाशों ने कार रोकी और उनसे मारपीट शुरू कर दी।

इस दौरान मौके से निकल रहे लोगों ने बीच बचाव किया लेकिन बदमाश युवक नहीं माने। बदमाशों ने दोनों भाइयों के साथ मारपीट की और उनकी जेब में रखे हुए 5 हजार रुपए लूट कर मौके से निकल भागे। बदमाशों ने भागने के दौरान एलानिया धमकी दी की अगर पुलिस को शिकायत की तो वह उन्हें नहीं छोड़ेंगे। इसके बाद बदमाश मौके से निकल भागे। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने 100 नम्बर पर इस घटना की जानकारी दी। लेकिन पुलिस समय पर नहीं पहुंची। इससे बदमाश मौके से भाग निकले।

मौके पर पहुंची पीसीआर ने दोनों घायल युवकों को उनके घर पहुंचाया।

साथ ही घायल युवकों के पिता को घटना की जानकारी दी। पुलिस आज मौके पर लगे हुए सीसीटीवी कैमरा खंगाल रही हैं। जल्द ही बदमाशों की कार के नम्बर आने के बाद कार्रवाई शुरू हो जाएगी। शिकायत के अनुसार इस वारदात में कार में सवार चार युवक शामिल हैं। इनकी तलाश की जा रही हैं।

चिरंजीवी योजना की आय बंद होने के आधार पर सेवा से हटाने के आदेश पर रोक

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने चिरंजीवी योजना की आय बंद होने का हवाला देकर संविदा पर कार्यरत लैब टेक्नीशियन को राहत देते हुए उसे हटाने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने चिकित्सा सचिव व निदेशक सहित अन्य से जवाब मांगते हुए उसकी जगह किसी अन्य को नहीं लगाने के लिए कहा है। अदालत ने यह आदेश भूपेन चौधरी की याचिका पर दिया।

याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने बताया कि याचिकाकर्ता की नियुक्ति गत वर्ष दौसा की सीएचसी में संविदा पर हुई थी। एक साल के दौरान ही 29 फरवरी 2024 को उसकी सेवा यह कहते हुए खत्म कर दी कि चिरंजीवी योजना की आय बंद हो रही है। इसके बाद याचिकाकर्ता को 31 मार्च 2024 को सेवा से रिलीव भी कर दिया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि प्रदेश में चिरंजीवी योजना से 12 लाख से ज्यादा लोगों को निशुल्क उपचार मिल चुका है। वहीं बजट 2023-24 के अनुसार इस योजना में वार्षिक स्वास्थ्य बीमा कवरेज को भी 10 लाख रुपए से बढाकर 25 लाख रुपए कर दिया है। ऐसे में याचिकाकर्ता की सेवा खत्म करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के खिलाफ है। वहीं केवल योजना से आय नहीं मिलने का हवाला देकर उसे हटाना मनमानी पूर्ण है। याचिका में कहा गया कि यह योजना अभी भी जारी है। इसलिए उसे हटाने के आदेश को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को हटाने पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है।

‘जे.जे.एम.का संचालन पंचायतों के माध्यम से कराने पर विचार’

जयपुर। पंचायती राज विभाग के शासन सचिव रवि जैन की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित पेयजल योजनाओं का संचालन ग्राम पंचायतों के समग्र नियंत्रण में देने हेतु विस्तार से चर्चा की गई।इसी क्रम में संचालन में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के निदान के संबंध में सरपंच, जलदाय विभाग, पंचायती राज विभाग एवं ग्राम विकास अधिकारियों ने अपने विचार, समस्याएं एवं समाधान साझा किए। भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन का संचालन ग्राम पंचायतों के माध्यम से कराने पर जोर दिया जा रहा है। सरपंच संघ द्वारा इस बात पर चिंता व्यक्त की गई कि वर्तमान में आबादी के प्रत्येक घर को जल नहीं मिल रहा है,कुछ घरों पर जल के कनेक्शन तो हो गए है लेकिन गाँव के आखिरी छोर पर बने मकानों पर पानी कम आ रहा है।

स्व. चंद्रशेखर ने शोषित वर्ग के उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर। विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने नई दिल्ली में राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश नारायण सिंह और शिवहर से सांसद लवली आनंद सहित कई जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चंद्रशेखर की सत्रहवीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर कहा कि स्वर्गीय चंद्रशेखर हिंदुस्तान में युवा तुर्क और समाजवादी नेता के रूप में उभरे जिन्होंने दृढ़ता, साहस एवं ईमानदारी के साथ निहित स्वार्थ के खिलाफ लड़ाई लड़ी तथा शोषित वर्ग के उत्पीड़न के खिलाफ मुखर होकर सड़क से संसद तक आवाज उठाई।

राठौड़ ने कहा कि मैं बेहद सौभाग्यशाली हूं कि छात्र राजनीति से लेकर मुख्यधारा की राजनीति में आने के समय मुझे उनका विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। मैं छात्र राजनीति से ही मेरे प्रेरणापुंज रहे स्व. चन्द्रशेखर के बताए मार्ग पर अग्रसर होकर ही जनसेवा में समर्पित हूं। उनके आदर्श, सिद्धांत एवं विचार मेरे जैसे अनगिनत कार्यकर्ताओं के लिए सदैव अविस्मरणीय रहेंगे। राठौड़ ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों तथा सामाजिक परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता की राजनीति को महत्व देना ही पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के जीवन में पहली प्राथमिकता रही है। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की अधीनता को नकारकर जेपी नारायण जी के आंदोलन को समर्थन किया और आपातकाल के दौरान जेल से ही हिंदी में डायरी लिखी जो बाद में मेरी जेल डायरी के नाम से प्रकाशित हुई।

राठौड़ ने कहा कि स्व. चंद्रशेखर ने दक्षिण के कन्याकुमारी से नई दिल्ली में राजघाट तक लगभग 4260 किलोमीटर की पदयात्रा की थी जिसमें मैं स्वयं भी सहयात्री रहा था। इस दौरान उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में 15 भारत यात्रा केंद्रों की स्थापना की थी जिसका उद्देश्य देश के पिछड़े इलाकों में लोगों में शिक्षा और विकास का संचार करना था।

राठौड़ ने कहा कि स्व. चंद्रशेखर ने अयोध्या विवाद, असम चुनाव, पंजाब समस्या, कश्मीर समस्या सबके समाधान की तरफ सकारात्मक कदम उठाए थे। उन्होंने अपने जीवन में हमेशा व्यक्तिगत राजनीति का विरोध किया और हर वक्त वैचारिक तथा सामाजिक परिवर्तन की राजनीति की वकालत की।

त्रिमूर्ति मानसून रन में पौधों से दोस्ती का मैसेज देंगे रनर्स

जयपुर, (का.सं.)। दोस्ती इस दुनिया का सबसे खूबसूरत रिश्ता है। अब चाहें दोस्ती इंसान से हो या फिर प्रकृति के किसी भी तत्व से। इसी कड़ी में फ्रेंडशिप डे के खास मौके पर 4 अगस्त को पर्यावरण से दोस्ती की मिसाल कायम करने के उद्देश्य से त्रिमूर्ति मानसून रन के 8वें एडिशन का आयोजन जयपुर के कुकस में किया जा रहा है। मानसून रन का आयोजन त्रिमूर्ति बिल्डर्स व जयपुर रनर्स क्लब की ओर से किया जाएगा। त्रिमूर्ति मानसून रन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और फ्रेंडशिप विद नेचर का संदेश दिया जाएगा। इससे पहले जयपुर रनर्स क्लब की कोर टीम एवं डायरेक्टर्स ने गुलाब के फूल और पौधे हाथ में लेकर त्रिमूर्ति मानसून रन को अनाउंस किया।

जयपुर रनर्स क्लब के अध्यक्ष प्रवीण तिजारिया ने बताया कि फ्रेंडशिप डे यानी 4 अगस्त को त्रिमूर्ति मानसून रन का आयोजन तीन कैटेगरी में होगा। इसमें 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की रन होगी।

वहीं क्लब के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एंड एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट दीपक शर्मा और सैकेटरी निपुन वाधवा ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि इस हेल्दी-वे पार्टी के दौरान त्रिमूर्ति मानसून रन में हिस्सा लेने वाले रनर्स जामुन, नीम जैसे विभिन्न प्रकार के छायादार वृक्षों के बीजों को रास्ते में विभिन्न स्थानों में गिराते हुए आगे बढ़ेंगे, जिससे भविष्य में यह बीज पेड़ बनकर पर्यावरण को हरा-भरा रखने में सक्षम हों।

अधिकारी करे सिंधी कैम्प का नियमित निरीक्षण : श्रेया गुहा

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रेया गुहा ने सोमवार को रोडवेज मुख्यालय पर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

■ 15 जुलाई तक रोडवेज को मिलेगे 75 नई बसों के चैसिस

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रेया गुहा ने अधिकारियों को सिन्धी कैम्प बस स्टेण्ड्स के नियमित निरीक्षण के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा सिंधी कैम्प सहित सभी बस स्टेण्ड्स एवं आगारों पर अधिकारी बारिश के चलते साफ सफाई व्यवस्था और भवनों का मरम्मत कार्य सुनिश्चित करे जिससे वर्षा एवं जल भराव संबंधी किसी भी तरह की परेशानी यात्रियों को ना हो।

गुहा सोमवार को रोडवेज मुख्यालय पर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। उन्होंने जुलाई माह में निगम को मिलने वाली 75 नई बसों के चैसिस की प्रगति, नई बसों के आवंटन, एसी बसों की स्थिति, ई-फाईलों के निस्तारण सहित यात्रियों की शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिये। इसके अतिरिक्त उन्होंने संचालन परिणामों, राजस्व अर्जन के साथ गत बैठक में लिये गये निर्णयों की प्रगति की भी समीक्षा की।

इस अवसर पर रोडवेज की कार्यकारी निदेशक (यातायात) डॉ ज्योति चौहान, कार्यकारी निदेशक (प्रशासन) अनीता मीना, कार्यकारी निदेशक (यांत्रिक) रवि सोनी सहित निगम के अधिकारी उपस्थित रहें।

हाईकोर्ट के पूर्व जज से 2 लाख रु.ठगे

जयपुर । राजधानी में हाईकोर्ट के पूर्व जज से 2 लाख रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने खुद को दूरसंचार अधिकारी बताकर पूर्व जज को धमकाया और दो लाख रुपए हड़प लिए। बदमाशों ने जज से कहा कि उनके नाम से सिम चल रही है, जिससे गलत ट्रांजेक्शन किए गए थे। पुलिस ने बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व जज केएस चौधरी ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया है कि 5 जुलाई को अनजान नंबर से उन्हें फोन आया था। फोन करने वाले ने खुद को दूरसंचार अधिकारी राहुल तिवारी बताया और कहा कि आपका नाम से एक मोबाइल सिम चल रही है, जिससे गलत ट्रांजेक्शन किए गए है। बदमाशों ने कहा कि मुंबई में आपकी सिम चल रही है। इस पर पीड़ितकी ओर से कहा गया कि वो कभी मुंबई नहीं गए हैं और न ही कभी मुंबई में कोई सिम ली गई थी। उसके बाद बदमाशों ने कहा कि अगर आप सही कह रहे हैं तो रुपए ट्रांसफर करके देख लो, अगर आपकी बात सही हुई तो रुपए वापस आपको मिल जाएंगे। बदमाशों ने पूर्व जज को धमकाकर 2 लाख रुपए खाते में ट्रांसफर करने के लिए कहा। आरोपियों ने झांसा दिया कि आपका पैसा वापस खाते में आ जाएगा। इसके बाद परिवादी ने बदमाशों के बताएं अनुसार खाते में रुपए ट्रांसफर करवा दिए।

5 नए मेडिकल कॉलेज शुरू करने के लिए राज्य सरकार एन.एम.सी. में अपील करेगी

जयपुर (कासं)। प्रदेश के पांच नए मेडिकल कॉलेजों में इस वर्ष से शैक्षिणक सत्र शुरू करने के लिए राज्य सरकार राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग में अपील करेगी। साथ ही, यह प्रयास सुनिश्चित किए जाएंगे कि इन मेडिकल कॉलेजों में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के अनुरूप सभी मानक जल्द से जल्द पूर्ण हों और इनमें शैक्षिणक सत्र प्रारम्भ किए जा सकें।

अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि प्रदेश के 5 जिलों नागौर, सवाई माधोपुर, बारां, बांसवाड़ा एवं झुंझुनूं में स्थापित किए जा रहे नए मेडिकल कॉलेजों में इस वर्ष से शैक्षिणक सत्र शुरू करने के लिए आवेदन किया गया था, लेकिन मेडिकल असेसमेंट एण्ड रेंटिग बोर्ड ने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के मापदण्डों के अनुरूप सुविधाएं नहीं होने के कारण इन मेडिकल कॉलेजों के प्रस्ताव फिलहाल अस्वीकृत किए हैं।

सिंह ने बताया कि यह मामला चिकित्सा शिक्षा विभाग के संज्ञान में है और इन मेडिकल कॉलेजों में शैक्षिणक सत्र शुरू करने के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग में अपील की जाएगी। साथ ही, इन मेडिकल कॉलेजों में रही कमियों को शीघ्रता के साथ दूर करने के लिए पुरजोर प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के चलते इन मेडिकल कॉलेजों में आवश्यक मानक पूर्ण करने में विलम्ब हुआ, लेकिन उच्च प्रशासनिक स्तर पर कमियां दूर करने के प्रयास प्रक्रियाधीन हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि यह स्थिति केवल राजस्थान के मेडिकल कॉलेजों को लेकर ही नहीं है, बल्कि देशभर में नए मेडिकल कॉलेजों में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के अनुसार मापदण्ड पूरा करने को लेकर ऐसी ही स्थिति सामने आई है।

राज्य सरकार प्रदेश के नए मेडिकल कॉलेजों को लेकर लगातार राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के सम्पर्क में है तथा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से भी शैक्षिणक सत्र प्रारम्भ करने के संबंध में आग्रह किया गया है।

विद्यार्थियों से रूबरू हुई डॉ. परमार

जयपुर । जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जयपुर ने संयुक्त राष्ट्र प्रिंसिपल्स फॉर रिस्पॉन्सिबल मैनेजमेंट एजुकेशन जयपुर रीजनल हब का नेतृत्व करके एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह पहल, संस्थान की नैतिकता और प्रबंधन शिक्षा में स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता में एक मील का पत्थर है। एसपीजेआईएमआर में एसोसिएट प्रोफेसर और यूएनपीआरएमई इंडिया चैप्टर के प्रमुख डॉ. चंद्रिका परमार ने डॉ. प्रभात पंकज, निदेशक, जयपुरिया, जयपुर को प्रतिबद्धता पत्र औपचारिक रूप से सौंपा।

पं. स. प्रधान का निलंबन मामला, आसींद और जहाजपुर के बाजार बंद रहे

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध यात्रा निकाली, एसडीएम को राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया

भीलवाड़ा, (निसं)। जहाजपुर पंचायत समिति प्रधान सीता देवी के निलंबित मामले को लेकर सोमवार को जहाजपुर और आसींद के बाजार आधे दिन बंद रहे और जहाजपुर में बाराह देवरा मन्दिर से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध यात्रा निकाली। उपखण्ड कार्यालय पर धरना प्रदर्शन के बाद पुतला फूंका गया और उपखण्ड अधिकारी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया।

राज्य सरकार ने जहाजपुर प्रधान पूर्व राज्यमंत्री और कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर की माता सीता देवी गुर्जर को नियमित बैठकें आयोजित नहीं करने सहित अन्य मामलों को लेकर पद से निलंबित कर दिया था। इसके विरोध के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के आव्हान पर जहाजपुर कस्बे के बाजार बन्द रहे तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बाराह देवरा मन्दिर से उपखण्ड कार्यालय पहुंच कर ज्ञापन सौंपा।

ये है पूरा मामला :-कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर की माता जहाजपुर पंचायत समिति की प्रधान सीता देवी गुर्जर को ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के अतिरिक्त आयुक्त एवं शासन उपसचिव ने आदेश जारी कर निलंबित कर दिया था। इस आदेश को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर सोमवार को सुबह से ही कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मुख्यालय स्थित बाराह देवरा मन्दिर पर पहुंचना शुरू हुए। सामूहिक रणनीति तैयार कर मन्दिर से आदेश के विरोध में भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सदर बाजार, बस स्टेण्ड, होते हुए उपखण्ड कार्यालय पहुंचे और नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया तथा राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान लोगों में आदेश को लेकर भारी विरोध नजर आ रहा था।

जहाजपुर पंचायत समिति प्रधान सीता देवी के निलंबन मामले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उपखण्ड अधिकारी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया।

इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र सिह, पार्षद अनिल उपाध्याय, पूर्व पार्षद बाबूलाल खटीक, रमेश गुर्जर, एडवोकेट दीपक पंचौली, पार्षद प्रमोद देवी शर्मा, एडवोकेट अतुल जोशी, भैरू गुर्जर, अंकित लोहिया, पार्षद शिराज मोहम्मद, मुजाहिद चौहान, पार्षद नजीर मोहम्मद सरवाडी, पार्षद परवेज मोहम्मद, पार्षद जानू पठान, रहीश चौहान, सदर हुसैन अली, बनवारी लाल शर्मा, अनु आगीवाल, डीआर पृथ्वीराज सिंह मीणा, सरपंच बाबूलाल मीणा, सरपंच अचित मीणा, उपसरपंच सावन टांक, पंचायत समिति उप प्रधान रामप्रसाद मीणा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और जन प्रतिनिधि मौजूद रहे।

वही दूसरी और जहाजपुर पंचायत समिति प्रधान सीता देवी गुर्जर को राजनीतिकद्वेषता पूर्वक मिथ्या आरोपी के आधार पर निलंबन के विरोध और पुनः बहाली की मांग को लेकर आसींदब्लॉक कांग्रेस कमेटी, देवसेना, युवा कांग्रेस हुरडा, अंबेडकर सामाजिक एकता मंच के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारी ने एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन करते हुए उपखंड कार्यालय पहुंच राज्यपाल के नाम तहसीलदार भंवरलाल सेन को ज्ञापन दिया गया।

सूने मकानों से 26 लाख के जेवर व नकदी ले उड़े बदमाश

मांडलगढ़ की नई कॉलोनी के सूने मकान में चोरी की वारदात के बाद कमरे का सामान बिखरा पड़ा है।

- **एसडीएम और डीएसपी के रेजिडेंस एरिया में घटित हो रही चोरी की वारदात से लोग पुलिस की लचर गश्त व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर रहे हैं**
- **नगर वासियों ने चेतावनी दी है कि घटित हुई चोरियों का पर्दाफाश नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा**

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ कस्बे में कोटा मार्ग की पॉश कॉलोनी में गत तीन दिन में चोरी की दो बड़ी वारदात होने से लोग दहशत में आए हुए हैं। वहीं एसडीएम और डीएसपी के रेजिडेंस एरिया में घटित हो रही लगातार चोरी की वारदात से लोग पुलिस की लचर गश्त व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर रहे हैं और लोगों में काफी आक्रोश भी व्याप्त है।

पुलिस के मुताबिक बीती रात कोटा रोड स्थित भाजपा नेत्री अनिता सुराणा के मकान से सटे शिक्षक विनोद कुमार कोली के मकान को चोरों ने निशाना बनाया। पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट देकर बताया कि वह रविवार दिन में किसी शादी समारोह में परिवार सहित बाहर गए थे। अज्ञात बदमाश सूने मकान का ताला तोड़ कर अंदर घुसे। अलमारी में रखे करीब 15 तोला सोना के जेवर, तीन किलो चांदी के जेवर और एक लाख की नकदी ले उड़े। चोरी की घटना विनोद को पड़ोसियों ने फोन पर दी। इस घटना को लेकर शिक्षक का परिवार सदमे में आ गया।

इसी प्रकार एसडीएम ओर डीएसपी के बंगले के पीछे स्थित मेनाल रिसोर्ट के मैनेजर जसवंत सिंह के सूने मकान को तीन दिन पहले चोरों ने निशाना बनाया, जहां मकान और अलमारी का ताला तोड़ कर 15 तोला सोना के जेवर, डेढ़ किलो चांदी के जेवर सहित डेढ़ लाख की नकदी चोर ले उड़े। तीन दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। कोटा रोड स्थित कॉलोनीवासियों ने बताया कि शहर में बढ़ती चोरी की घटनाओं से असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। लोगों में पुलिस के खिलाफ आक्रोश बढ़ता जा रहा है। नगर वासियों ने चेतावनी दी हैं कि शहर में चोरी की वारदातों पर अंकुश नहीं लगाया गया और घटित हुई चोरियों का पर्दाफाश नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा।

मांडलगढ़ थानाधिकारी शिवचरण ने बताया कि शहर में जसवंत सिंह और शिक्षक विनोद कुमार के मकान में हुई चोरी की वारदात समान रूप में नजर आ रही हैं। कोई बाहरी गैंग होने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस ने टीमें बना कर चोरों की तलाश में संदिग्ध ठिकानों पर भेजी है और जरायमपेशा लोगों पर भी नजर रखी जा रही है।

सड़क हादसे में तीन की मौत

चंदवाजी, (निसं)। शाहपुरा के समीप अलवर तिराहे पर सोमवार सुबह ट्रेलर तथा रोडवेज बस की टक्कर में तीन जनों की मौत हो गई तथा आधा दर्जन से अधिक घायल हो गए। हादसे में घायल सात जनों का निम्स अस्पताल में उपचार चल रहा है। जानकारी अनुसार हादसे में घायलों को उपचार के लिए चंदवाजी के निम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया। यहां सात घायलों का उपचार चल रहा है। घटना के बाद अस्पताल के निदेशक डॉ. अनुराग तोमर ने उपचाराधीन घायलों से कुशलक्षेम पूछी और घटना की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सक को तथा स्टाफ से इलाज में लापरवाही नही बरतने की हिदायत दी।

गोविंदगढ़ की ग्राम पंचायत तालड़ा में मनरेगा कार्यों में अनियमिततायें मिली

- **ग्राम पंचायत तालड़ा में मौके पर प्रातः 7:30 बजे मनरेगा के मजदूर सड़क पर बैठे नजर आए**

गोविन्दगढ़, (निसं)। अलवर जिले के गोविन्दगढ़ पंचायत समिति क्षेत्र की ग्राम पंचायत तालड़ा में मनरेगा कार्यों में अनियमितता मिली है, जहां अभी तक एक फावड़ा भी मनरेगा मजदूरों के द्वारा नहीं लगाया गया है।

मौके पर जब प्रातः 7:30 बजे पहुंचे तो मनरेगा के मजदूर सड़क पर बैठे नजर आए, बात की तो उन्होंने बताया कि उनके द्वारा एक भी दिन इस जोहड़ में कार्य नहीं किया गया है साथ ही यहां न कोई अधिकारी आकर इनकी जांच करता है और न कोई मनरेगा का कर्मचारी मनरेगा श्रमिकों द्वारा किए गए कार्य की गणना करता है। यहां पर 13 जून से मस्टरोल नंबर 1400, 1401,1402 में नरेगा मजदूरों की हाजिरी भी दर्शाई गई है। बाबूलाल ने बताया कि यहां पर प्रतिदिन मनरेगा के मजदूर ऐसे ही सड़क पर बैठे नजर आते हैं और एक भी दिन इस जोहड़ में कोई कार्य नहीं हुआ है सरकार के पैसे का दुरुपयोग हो रहा है।

प्रतिभा वर्मा जिला परिषद सीओ अलवर तालड़ा का कहना है कि ग्राम पंचायत तालड़ा में मनरेगा के कार्य में जोहड़ खुदाई के काम में जो अनियमितता की जानकारी आई है उसकी सम्बन्धित अधिकारी से बात कर जांच करवा लेते हैं।

वहीं अनिल कुमार सेठी सहायक अभियंता पंचायत समिति गोविंदगढ़ का कहना है कि ग्राम पंचायत में मनरेगा के तहत जोहड खुदाई की जारी मस्टरोल में कार्य में अनियमितता की जानकारी मिली है जिसकी जांच की जाएगी और इसमें दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

वहीं वीरेन्द्र कुमार जेटीओ पंचायत समिति गोविंदगढ़ का कहना है कि मेरा एक्सीडेंट होने के कारण मैं अभी केवल पंचायत समिति में आ रहा हूं फील्ड में जाकर मनरेगा के कार्य को चेक नहीं कर पा रहा हूं इसकी पूरी जानकारी लेकर उच्च अधिकारियों को सौंपी जाएगी।

इसी तरह लोकेश कुमार, ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत तालड़ा का कहना है कि ग्राम पंचायत तालड़ा में मनरेगा के तहत जोहड़ खुदाई का कार्य चल रहा है। जिसमें 13 तारीख से मनरेगा के मजदूर काम कर रहे हैं। अगर वहां मजदूर कार्य नहीं कर रहे हैं तो मौके पर जाकर चेक किया जाएगा।

युवक की मौत

परबतसर, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के एक खेत में बने पानी के डेम में डूबने से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। सिडीयास गांव का एक युवक रामावतार खेत में कृषि कार्य कर रहा था। प्यास लगने पर खेत में बने डेम में पानी पीने गया। उसी वक़्त पैर फिसलने से डेम में डूब गया। मृतक के चाचा शिवलाल पुत्र सुगनाराम ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी है कि मेरा भतीजा रामावतार कृषि कार्य करते समय प्यास लगने पर खेत मे बने पानी के डेम में पानी पीने गया।

श्रीमाधोपुर में डेढ इंच बारिश, कई ईलाके जलमग्न

श्रीमाधोपुर में बारिश होने से चारों ओर पानी ही पानी हो गया।

श्रीमाधोपुर, (निसं)। शहर में सोमवार को अचानक दोपहर में मौसम पलटी खा गया और आसमान में काले बादलों के साथ झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया। देखते ही देखते मूसलाधार बारिश शुरू हो गई और चारों ओर पानी ही पानी हो गया। लगातार तेज बारिश होने के बाद शहर में सड़कों पर पानी की चादर चलने लगी तो वहीं शहर के निचले इलाके बारिश के पानी से जलमग्न हो गए।

शहर के कई इलाकों में बारिश का पानी घरों तथा दुकानों में घुस गया, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं बारिश रूकने के बाद घरों तथा दुकानों से बारिश का पानी बाहर निकालते हुए नजर आये। शहर में रुक-रुककर कभी झमाझम तो कभी तेज बारिश हुई। देर शात तक शहर में झमाझम बारिश का दौर जारी था। आसमान में काली घटाएं छाई हुई थी। लगातार बारिश होने के बाद तापमान में भी गिरावट आ गई और मौसम सुहावना हो गया। तहसीलदार जगदीश प्रसाद बैरवा ने बताया कि शाम पांच बजे तक 35 एमएम (डेढ इंच) बारिश दर्ज हुई।

बाघ-58 के शव का अंतिम संस्कार किया

सवाई माधोपुर, (निसं)। बाघ -58 का सोमवार को पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में बाघ की मौत का कारण हार्ट अटैक से होना पाया गया। बाघ-58 की मौत रविवार शाम को हुई थी।

- **डीएफओ मानस सिंह के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बाघ की मौत का कारण हार्ट अटैक आया**

डीएफओ मानस सिंह के अनुसार सोमवार को बाघ का पोस्टमार्टम किया गया। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार मौत का कारण हार्ट अटैक से होना पाया गया है। सोमवार को प्रशासन की मौजूदगी में बाघ का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान वन अधिकारी, कर्मचारी व प्रशासन के कार्मिक मौजूद थे।

प्रशासन की मौजूदगी में बाघ-58 का पोस्टमार्टम किया गया।

नौकरी दिलाने के नाम पर युवती से दुष्कर्म

अजमेर, (कासं)। पुष्कर उपखंड के पुष्कर थाना क्षेत्र में एक युवती से नौकरी दिलाने का झांसा देकर होटल में शराब पिलाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवती ने आरोपी युवक के खिलाफ थाने में लिखित शिकायत देते हुए मामला दर्ज कराया है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि युवक उसे नौकरी दिलवाने के बहाने पुष्कर घूमाने लाया और एक रिसोर्ट में ले जाकर शराब पिलाकर नशे की हालत उसके साथ दुष्कर्म किया।

पीड़ित युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी युवक से दोस्ती हुई थी, दोनों के बीच फोन पर बातचीत होने लगी थी। इसी दौरान आरोपी ने उसे अच्छी नौकरी दिलवाने का झांसा दिया था और गत दिनों पुष्कर घूमाने के लिए फोन किया था, जिस पर वह आरोपी की बातों में आ गई थी।

पीड़ित युवती ने पुलिस को बताया कि आरोपी उसे अपनी कार से पुष्कर स्थित एक रिसोर्ट में ले गया, जहां जबरन शराब पिलाई, जब उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तो आरोपी उसे आराम करने के बहाने रिसोर्ट में बने रूम में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी उसे कार में बैठाकर वापस अजमेर छोड़ गया और वह अपने घर चली गई। घर आने के बाद अचानक तबीयत बिगड़ गई।

निजी स्कूल बस ने बालिका को कुचला, मौत

- **घटना से आक्रोशित ग्रामीण एवं परिजनों ने हिण्डौन-महवा स्टेट हाईवे मार्ग पर जाम लगाया**
- **सूचना पर कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश की, लेकिन लोग वाहन चालक को गिरफ्तार करने की मांग पर अड़े रहे**

हिण्डौन सिटी, (निसं)। अपने भाई के साथ हिण्डौन के जिला अस्पताल से उपचार कर वापस लौट रही 15 वर्षीय बालिका को एक डग्गेमार वाहन की टक्कर के बाद निजी स्कूल की बस ने कुचल दिया, जिससे बालिका की मौके पर मौत हो गई। घटना से आक्रोशित ग्रामीण एवं परिजनों ने हिण्डौन-महवा स्टेट हाईवे मार्ग पर शव को रखकर जाम लगा दिया। सूचना पर कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश की, लेकिन लोग वाहन चालक को गिरफ्तार करने की मांग पर अड़े रहे। सड़क पर जाम लगने के कारण दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। करीब साढ़े तीन घंटे की समझाइश के बाद जाम खुला।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हिण्डौन के क्यारदा खुर्द गांव निवासी 15 वर्षीय बालिका निशा जाट अपने भाई सौरभ के साथ हिण्डौन के जिला अस्पताल में उपचार कराने के लिए गई थी। मोटरसाइकिल से वापस लौटते समय बाईपास के समीप 220 केवी जीएसएस के सामने पीछे से आ रही एक डग्गेमार वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बालिका सड़क पर गिर गई। इसी दौरान पीछे से आ रही निजी स्कूल की बस ने बालिका को कुचल दिया, जिससे बालिका निशा की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद बस चालक वाहन को लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना पर ग्रामीण एवं बालिका के परिजन मौके पर पहुंचे तथा बस चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क पर जाम लगा दिया। जाम लगने की सूचना पर पहले नई मंडी थाना पुलिस और उसके बाद कोतवाली थाना, सदर थाना एवं सूरौठ थाना पुलिस और तहसीलदार मौके पर पहुंची तथा समझाइश की, लेकिन ग्रामीण आरोपी बस चालक को गिरफ्तार करने की मांग पर अड़े रहे।

सड़क पर जाम लगने के कारण दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। करीब करीब साढ़े तीन घंटे की समझाइश के बाद कार्यवाही का आश्वासन मिलने के बाद जाम खुला। पुलिस ने बालिका के शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया और जांच शुरू कर दी है।

शिक्षा का व्यक्ति और समाज के विकास से अत्यन्त गहरा रिश्ता है : राज्यपाल मिश्र

'पुलिस विश्वविद्यालय अपने पाठ्यक्रमों में नये कानूनों के अध्ययन का समावेश करें'

जोधपुर, (कासं)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि शिक्षा का व्यक्ति और समाज के विकास से अत्यन्त गहरा रिश्ता है। हमें शिक्षा के बेहतरीन ढांचें एवं आदर्श मूल्यों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा वह है, जो व्यक्ति को अज्ञान, अनिश्चितताओं और अस्पष्टताओं से मुक्त करती है। राज्यपाल मिश्र जोधपुर स्थित सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। मिश्र ने कहा कि भारत सदियों तक विश्व गुरु रहा है और दुनिया को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित किया है, नालंदा एवं तक्षिशला इसके जीते-जागते उदाहरण हैं।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि पुलिस, सुरक्षा एवं दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) का अपराध अनुसंधान में सकारात्मक उपयोग करें। उन्होंने विश्वविद्यालय को अपराध रोके जाने के लिए 'थिंक-टैंक' के रूप में काम करने, अपराध विज्ञान से जुड़े विभिन्न अनुशासनों में उत्कृष्ट शोध और प्रभावी पुलिस शिक्षण के लिए कार्य करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि अपराध विज्ञान के शिक्षण में नवाचार का भी यह विश्वविद्यालय देश-विदेश का बड़ा केन्द्र बनें। मिश्र ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का नामकरण लौह पुरूष सरदार पटेल के नाम पर किया गया है, जिन्होंने रियासतों का एकीकरण करते हुए छोटी-बड़ी रियासत को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया। साथ ही, देश में मजबूत पुलिस व्यवस्था स्थापित करने में सरदार पटेल की महती भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय उनके बताए आदर्श मार्ग पर चलते हुए भारत को मजबूत पुलिस व्यवस्था देने वाले कार्मिक और अधिकारी उपलब्ध कराने के साथ ही पुलिसिंग में समय अनुरूप उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करेगा।

समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र ने 10 दीक्षार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किए।

- **सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित**

मिश्र ने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में साइबर अपराध सहित अन्य अपराधों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। अपराधी तकनीक का इस्तेमाल करने लगे है, ऐसे में स्मार्ट पुलिसिंग आज के समय की बड़ी जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा एवं वैश्विक चुनौतियों के इस दौर में पुलिस विश्वविद्यालय को अपने पाठ्यक्रमों को समयानुकूल, उपयोगी और अद्यतन बनाना होगा। साथ ही, विश्वविद्यालय को पुलिसिंग, आतंरिक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, फोरेंसिक साइंस इत्यादि क्षेत्रों में शोध को अकादमिक गुणवत्ता एवं सामाजिक उपयोगिता सहित दोनों दृष्टियों से प्रभावी बनाना होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में संगठित और साइबर अपराध के नये-नये स्वरूप देखने को मिल रहे हैं। इसलिए भारत सरकार ने आपराधिक न्याय से जुड़े तीन नये कानूनों लागू किया हैं जो न्याय की अवधारणा को मजबूत करते हैं, जिसमें समयबद्ध न्याय एवं पुलिस के लिए सीमाएं निर्धारित की गई हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस विश्वविद्यालय अपने पाठ्यक्रमों में नये कानूनों के अध्ययन का समावेश करें।

उन्होंने कहा कि अपराध विज्ञान, पुलिस विज्ञान और फोरेंसिक विज्ञान इत्यादि के तहत समय-संदर्भों और अपराध से जुड़े विशेष प्रकरणों के आधार पर पुलिस बलों के लिए नवीन पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय तैयार करे। इनमें सेवानिवृत पुलिस अधिकारियों की मदद के साथ फोरेंसिक वैज्ञानिक, मनावैज्ञानिकों, चिकित्सकों और सूचना और प्रौद्योगिकी में दक्ष विशेषज्ञों की मदद ले। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने भी संबोधित किया। समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र ने कुल 10 दीक्षार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किए। समारोह में पुलिस विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आलोक त्रिपाठी, संभागीय आयुक्त बी एल मेहरा, जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार, पुलिस आयुक्त राजेंद्र सिंह, कुलसचिव अतुल प्रकाश, विश्वविद्यालय की प्रबंध मण्डल व शैक्षिणक परिषद् के सदस्य, विभिन्न संकायों के सह अधिष्ठाता, शिक्षक, अधिकारी, उपाधि एवं पदक प्राप्त विद्यार्थी सहित उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

ओलंपिक में काफी दबाव होता है। यह प्रेशर कुकर की तरह है। मैं मैच परिदृश्य की कल्पना करके ही खेलता हूं। इससे दबाव में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाता हूं। बाहरी आवाजें सुने बिना अपने खेल पर फोकस रखो। -श्रीजेश

भारत के दिग्गज हॉकी प्लेयर, अपने खेल पर फोकस करने पर बताया।

आज का खिलाड़ी

अभिषेक शर्मा

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने रविवार को जिम्बाब्वे के साथ दूसरे टी-20 मुकाबले लगातार तीन छक्के लगाते हुए अपना शतक पूरा करने दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गये है। इसके साथ ही उन्होंने रिकॉर्ड की झड़ी लगा दी हैं। आज खेले गये इस मुकाबले में अभिषेक शर्मा लगातार तीन छक्के लगाते हुए अपना शतक पूरा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गये है। इससे पहले वर्ष 2023 में शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय मुकाबले में अपना दोहरा शतक लगातार तीन छक्के लगाकर पूरा किया था।

क्या आप जानते हैं ?... जिम्बाब्वे के तातेन्द्रा तेबु ने मई 2004 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टैस्ट कप्तान बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

स्विट्जरलैंड को हराकर इंग्लैंड यूरोकप के सेमीफाइनल में

डसेलडोफर, 8 जुलाई। इंग्लैंड ने पेनल्टी शूट आउट में स्विटजरलैंड को हरा कर यूरो कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। जर्मनी के डसेलडोर्फ में इंग्लैंड और स्विटरजलैंड के बीच खेले गये तीसरे क्वार्टर फाइनल निर्धारित समय तक 1-1 से ड्रॉ के बाद विजेता टीम का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। इंग्लैंड ने पेनल्टी शूटआउट में स्विटजरलैंड को 5-3 से हरा कर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। पहले हाफ तक दोनों टीमों से कोई गोल नहीं हुआ।

वहीं आखिरी 15 मिनट में दोनों टीमों ने 1-1 गोल किए। स्विटजरलैंड के ब्रील एम्बोलो ने 75वें मिनट में गोल कर टीम को 1-0 से बढ़त दिलाई, उनके पांच मिनट बाद ही इंग्लैंड के बुकायो साका ने गोल कर स्कोर को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। खेल खत्म होने तक कोई भी जीत हासिल नहीं कर सकी और मैच ड्रा होने के बाद पेनल्टी शूटआउट खेला गया। अतिरिक्त समय में भी दोनों टीमों की ओर से गोल नहीं कर सकी। जिसके बाद मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट में हुआ। इंग्लैंड की ओर से कोल पामर, जूड बेलिंगहैम, साका, इवान टोनी और वैकल्पिक के तौर पर आए ट्रेंट अलेक्जेंडर ने गोल कर टीम को 5-3 से जीत दिला दी।

अविनाश साबले ने अपना राष्ट्रीय स्टीपलचेस रिकॉर्ड तोड़ा, जेना आठवें स्थान पर रहे

पेरिस डायमंड लीग

पेरिस, 8 जुलाई। अविनाश साबले ने रविवार को पेरिस में डायमंड लीग प्रतियोगिता में आठ मिनट 9.91 सेकेंड का समय निकालकर छठे स्थान पर रहकर 3000 मीटर स्टीपलचेस में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर दिखाया कि वह पेरिस ओलंपिक से पहले से पहली सही समय पर लय में आ रहे हैं। 29 वर्षीय साबले ने 8:11.20 सेकेंड का अपना पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया जो उन्होंने 2022 में बनाया था। इस तरह उन्होंने डेढ़ सेकेंड से बेहतर समय निकाला।

इथियोपिया के अब्राहम सिमे 8:02.36 के समय से कीनिया के अमोस सेरेम ((8:02.36) से 'फोटो फिनिश' में पहले स्थान रहे। कीनिया के अब्राहम किबिवोट 8:06.70 के समय से तीसरे स्थान पर रहे। साबले ने दो साल पहले बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था और वह इसे तोड़ने में सफल रहे। यह उनका 10वां राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाला प्रदर्शन रहा। वहीं पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में ओलंपिक दल के सदस्य किशोर जेना का संघर्ष जारी रहा और वह 78.10 मीटर के प्रयास से आठवें स्थान पर रहे।

उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 87.54 मीटर है और सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 80.84 मीटर है। पिछले साल एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाले जेना का इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 76.31 मीटर और फेडरेशन कप में 75.49 मीटर का थ्रो लगाया था। मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैम्पियन भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा में जांघ की समस्या के कारण इस प्रतियोगिता में नहीं खेलने का फैसला किया था।

पुरुषों में अल्काराज और महिला वर्ग में जैस्मीन पहुंची क्वार्टरफाइनल में

लंदन, 8 जुलाई। गत विंबलडन चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने विंबलडन में उगो हम्बर्ट को हरा कर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली वहीं महिला वर्ग में फ्रेंच ओपन उप विजेता इटली की जैस्मीन पाओलिनी भी अपने पहले विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई है। अल्काराज ने हम्बर्ट को 6-3, 6-4, 1-6, 7-5 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

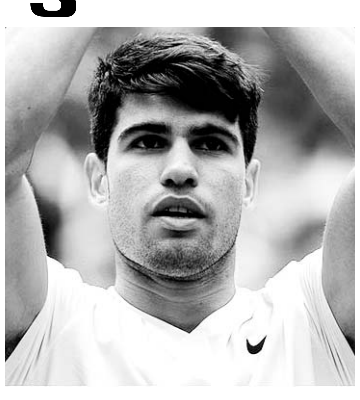

क्वार्टर फाइनल में अल्काराज का सामना टॉमी पॉल और रोबर्टो बतिस्ता ऑगुट के बीच होने वाले मुकाबला होने पर आगे का रास्ता तय करेगा। वही महिलाओं के वर्ग में फ्रेंच ओपन उप विजेता जैस्मीन पाओलिनी अपने पहले विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई है।चौथे दौर के तीसरे सेट में मेडिसन कीज पैर की चोट के कारण रिटायर हो गईं, तब स्कोर 5-5 था। इटली की खिलाड़ी जैस्मीन ने पहला सेट 6-3 से जीता था जबकि मेडिसन कीज ने दूसरा सेट 7-6 से अपने नाम किया था। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनर ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, लेकिन महिला वर्ग में कोको गॉफ को बाहर का रास्ता देखना पड़ा। सिनर ने 14वीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन के खिलाफ 6-2, 6-4, 7-6 (9) से जीत दर्ज की। उनका अगला मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा। एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच कार्लोस अल्काराज और टॉमी पॉल के बीच खेला जाएगा। महिला वर्ग में मेडिसन कीज के तीसरे सेट में 5-5 के स्कोर पर हट जाने के कारण जैस्मीन पाओलिनी ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पाओलिनी का अगला मुकाबला एम्मा नवारो से होगा, जिन्होंने मौजूदा अमेरिकी ओपन चैंपियन गॉफ को 6-4, 6-3 से हराया।

जेसविन, अंकिता को भारतीय एथलेटिक्स टीम में मिली जगह

नयी दिल्ली, 8 जुलाई। जेसविन एल्ड्रिन (पुरुषों की लंबी कूद) और महिला वर्ग में अंकिता ध्यानी (पांच हजार मीटर दौड़) में विश्व रैंकिंग में जगह बनाने के बाद भारत की पेरिस ओलंपिक की एथलेटिक्स टीम में शामिल किया गया है। दोनों एथलीटों के टीम में शामिल होने के साथ ही पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीमें सदस्यों की संख्या अब 30 हो गई हैं। विश्व एथलेटिक्स ने आधिकारिक तौर पर जेसविन एल्ड्रिन और अंकितना ध्यान के भारतीय टीम में शामिल होने की पुष्टि की है। लंबी कूद के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक एल्ड्रिन पुरुषों की लंबी कूद में 31वें स्थान पर हैं। उन्हें शीर्ष 32 एथलीटों में शामिल होने के कारण पेरिस में जगह बनाई है। वहीं अंकिता महिलाओं की पांच हजार मीटर में 42वें स्थान पर हैं, जो कि उस स्पर्धा में कटऑफ रैंक है। अंकिता आगामी ठीष्मकालीन खेलों में इसी स्पर्धा में 29वें स्थान पर रहीं और हमवतन पारुल चौधरी पांच हजार मीटर की राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक के साथ जुड़ेंगी। अंकिता ध्यानी का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 15:28.08 है जो उन्होंने इस साल की शुरुआत में कैलिफोर्निया में ट्रैक फेस्ट में हासिल किया था। उन्होंने पिछले महीने इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 16:10.31 के समय के साथ स्वर्ण पदक भी जीता।

रोजारियो, मूसा पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच के लिए आवेदन करने वालों में शामिल

नयी दिल्ली, 8 जुलाई। मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के पूर्व कोच स्टेनली रोजारियो और नॉर्थईस्ट यूनाईटेड के मौजूदा सहायक कोच नौशाद मूसा उन भारतीयों में शामिल हैं जिन्होंने राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच के पद के लिए आवेदन किया है। यह पद इगोर स्टिमक को बर्खास्त किए जाने के बाद से खाली पड़ा है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को दुनिया भर से कुल मिलाकर 291 आवेदन मिले हैं। इनमें से 100 आवेदनकर्ता यूएफा प्रो लाइसेंस डिप्लोमा धारक हैं जबकि 20 के पास एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा है। तीन के पास कोनमेबोल (दक्षिण अमेरिका फुटबॉल परिसंघ) लाइसेंस है। रोजारियो और मूसा एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा धारक हैं।

मोहन बागान सुपर जाइंट्स को 2023-24 आईएसएल लीग शील्ड जिताने में मदद करने वाले एंटोनियो लोपेज हबास ने भी आवेदन किया है। एआईएफएफ अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर पीटीआई को बताया, "स्टेनली रोजारियो और नौशाद मूसा उन भारतीयों में शामिल हैं जिन्होंने आवेदन किया है और एएफसी प्रो लाइसेंस धारक हैं। एंटोनियो हबास ने भी आवेदन किया है।" पता चला है कि छांटे गए उम्मीदवारों के नाम 20 जुलाई को एआईएफएफ कार्यकारी समिति की बैठक में रखे जाएंगे। इससे पहले एआईएफएफ उपाध्यक्ष एनए हैरिस की अगुआई वाली समिति आवेदनों की समीक्षा करेगी।

समिति में तकनीकी, लीग, प्रतियोगिता, वित्त और विकास समिति के अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष भी शामिल होगा। एआईएफएफ ने कहा है कि इस महीने के आखिर तक पुरुष टीम के नए कोच का नाम पता चल जाएगा। एआईएफएफ की कार्यकारी समिति की 20 जुलाई को होने वाली बैठक में इस बात पर भी चर्चा होगी कि 2019 में भारतीय फुटबॉल के लिए तय किए गए खाके को पूरी तरह से कैसे लागू किया जा सकता है क्योंकि आईलीग क्लब संघ ने महासंघ को एक पत्र भेजकर कुछ प्रमुख मुद्दों पर चिंता जताई है। एआईएफएफ प्रमुख और कार्यकारी समिति के सदस्यों को लिखे पत्र में आईलीग क्लब संघ के अध्यक्ष रंजीत बजाज ने एआईएफएफ द्वारा भारतीय फुटबॉल खाके को लागू नहीं करने की स्थिति में कानूनी कार्रवाई करने की धमकी दी थी।

क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने ग्लोबल चेस लीग में टीम खरीदी

नयी दिल्ली, 8 जुलाई। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अमेरिकन गैम्बिट्स टीम के सह मालिक बन गए हैं जो ग्लोबल चेस लीग (जीसीएल) के दूसरे सत्र में हिस्सा लेने वाली नई टीम है। जीसीएल टेक महिंद्रा और अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ के

संयुक्त स्वामित्व वाली लीग है। लंदन में तीन से 12 अक्टूबर तक होने दूसरे सत्र के लिए लीग ने सोमवार को छह फ्रेंचाइजी को पेश किया। जाने माने व्यवसायी प्रचुर पीपी, वेंकट के नारायण और अश्विन के स्वामित्व वाली अमेरिकन गैम्बिट्स टूर्नामेंट में चिंगारी गल्फ टाइटंस की जगह लेगी। एक प्रेस विज्ञप्ति में अश्विन के हवाले से कहा गया, "हम अमेरिका गैम्बिट्स को शतरंज जगत के सामने पेश करके रोमांचित हैं। रणनीतिक प्रतिभा और अटूट दृढ़ संकल्प के मिश्रण के साथ हमारी टीम खेल को फिर से परिभाषित करने का लक्ष्य रखती है। सह मालिक के रूप में मैं उनकी यात्रा का गवाह बनने और उनकी सफलता में योगदान देने के लिए उत्साहित हूं।" लीग के दूसरे सत्र में हिस्सा लेने वाली पांच अन्य फ्रेंचाइजी अल्पाइन एसजी पाइपर्स, पीबीजी अलास्कन नाइट्स, गैंगेस ठौंडमास्टर्स, गत चैंपियन त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स और मुंबा मास्टर्स हैं।

भारतीय गोल्फ की पहचान बनी अदिति अशोक ने पेरिस ओलंपिक के लिये किया क्वालीफाई

नयी दिल्ली, 8 जुलाई। लंबे समय से भारतीय गोल्फ की पहचान बनीं गोल्फर अदिति अशोक ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में होने वाले ओलंपिक गेम्स के लिए क्वालीफाई करने में सफलता हासिल की है। उनका सफर आसान नहीं रहा है, अदिति अशोक 2016 में पेशेवर खिलाड़ी बनने के बाद से भारत में महिलाओं के गोल्फ के लिए एक ट्रेलब्लेज़र रही हैं। उन्होंने एशियन गेम्स 2023 में रजत पदक जीतने के साथ लेडीज यूरोपियन टूर खिताब जीते और लेडीज प्रोफेशनल गोल्फ टूर में नियमित रूप से भाग लिया। बेंगलुरु में एक मध्यमवर्गीय घराने में जन्मी अदिति अशोक पांच साल की उम्र में पहली बार गोल्फ की ओर आकर्षित हुई थीं, जब उनका ध्यान कर्नाटक गोल्फ एसोसिएशन में हरे-भरे कोर्स पर गया था।

29 मार्च 1998 को जन्मी अदिति अशोक भारत के लिए उल्लेखनीय जीत हासिल करने के बाद खेलों में एक प्रमुख हस्ती बन गईं। बेंगलुरु के प्रसिद्ध फ्रैंक एंथोनी पब्लिक स्कूल में अपनी पढ़ाई और खेल के प्रति अपने जुनून को देखते हुए, भारतीय गोल्फर ने कोर्स में नियमित रूप से अभ्यास करना शुरू कर दिया और स्थानीय टूर्नामेंट में खेलने लगीं। अदिति अशोक ने अपनी पहली राज्य स्तरीय ट्राफियां, कर्नाटक जूनियर और दक्षिण भारतीय जूनियर चैंपियनशिप 2011 में 13 साल की उम्र में जीती थी।

उन्होंने उस साल राष्ट्रीय अमेच्योर खिताब भी जीता था। अदिति जल्द ही अगले तीन साल - 2012, 2013 और 2014 - में नेशनल जूनियर चैंपियनशिप जीतकर और 2014 में जूनियर और सीनियर दोनों खिताब जीतकर एक युवा खिलाड़ी के रूप में प्रसिद्धी हासिल की। टोक्यो 2020 में अदिति के सराहनीय प्रदर्शन के बाद उनका कद और बढ़ गया है। वो कासुमीगासेकी कंट्री क्लब में गोल्फ टूर्नामेंट के अंतिम दौर तक पदक की दौड़ में थीं। हालांकि, दो साल बाद, अदिति अशोक ने हांगझोऊ में 2023 एशियाई खेलों में रजत पदक जीतकर एक अहम मल्टी-स्पोर्ट इवेंट में पोडियम पर अपनी जगह बनाई।

फाइनल में पहुंचने के लिए स्पेन को भेदना होगा फ्रांस का रक्षा कवच

म्यूनिख, 8 जुलाई। यूरो कप 2024 टूर्नामेंट में बेहतरीन फॉर्म में चल रही स्पेन की फुटबॉल टीम को मंगलवार को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में अपना विजय क्रम जारी रखते हुए फाइनल में पहुंचने के लिए फ्रांस की मजबूत रक्षापंक्ति को भेदना होगा। टूर्नामेंट में अब तक स्पेन की सबसे बेहतरीन प्रदर्शन रहा है, उसने अपने सभी पांच मुकाबले जीते हैं और 11 गोल दागकर वहीं शीर्ष पर बनी हुई है जोकि उनके कौशल को दर्शाता है। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते अपनी टीम के प्रदर्शन को लेकर आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। दूसरी ओर फ्रांस को अपनी मजबूत रक्षापंक्ति पर भरोसा है, जो पूरे टूर्नामेंट में लगभग अभेद्य रही है। हालांकि उसका अभी तक आक्रामक प्रदर्शन सामने नहीं आया है।

केवल उनकी रक्षापंक्ति उन्हें प्रतिस्पर्धा में बनाए रखा है। फ्रांस ने अभी तक केवल एक ही गोल खाया है। फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स का भी मानना है कि सेमीफाइनल में बेहतर आक्रामक खेल की आवश्यकता होगी। यह सेमीफाइनल पिछले चार प्रमुख टूर्नामेंटों में फ्रांस की तीसरी उपस्थिति है, जो उनकी स्थायी गुणवत्ता और जीतने की मानसिकता का प्रमाण है। हालांकि, इस तरह के शानदार फॉर्म में चल रही स्पेनिश टीम का सामना करना उनकी अब तक की सबसे कठिन चुनौती होगी। लेकिन उनकी रक्षापंक्ति निर्णायक साबित हो सकती है।

महज 17 साल की उम्र में हॉकी टीम में शामिल हुए विवेक सागर को मिली ओलंपिक टीम में जगह

नयी दिल्ली, 8 जुलाई। दुनिया भर में अपनी शोहरत क़ायम करने के लिए ज़्यादातर खिलाड़ियों को सालों तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। हालांकि, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफ़ील्डर विवेक सागर प्रसाद की कहानी कुछ अलग है और उन्हें काफ़ी जल्दी सफलता हासिल हो गई। विवेक सागर प्रसाद ने जनवरी 2018 में 17 साल, 10 महीने और 22 दिन की उम्र में भारतीय टीम के लिए खेलना शुरू किया। वे अपने देश का प्रतिनिधित्व करने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। तब से लेकर अब तक उन्होंने भारत की ओर से 90 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मुक़ाबले खेले हैं। मिडफ़ील्डर के रूप में खेलते हुए, प्रसाद ने टोक्यो 2020 में भारत के कांस्य पदक जीत में अहम योगदान दिया था।

विवेक सागर प्रसाद का जन्म 25 फ़रवरी 2000 को मध्य प्रदेश के इटारसी शहर के पास शिवनगर चंदन गांव में हुआ था। बचपन में, विवेक सागर प्रसाद को शतरंज, बैडमिंटन और क्रिकेट खेलना पसंद था और हॉकी से उनका परिचय महज़ एक इत्तेफ़ाक़ था। पहली बार हॉकी से उनका परिचय साल 2010-11 में हुआ। दरअसल, विवेक जिस स्कूल में पढ़ते थे, उस स्कूल में हॉकी कोच ने उन छात्रों को इस खेल का प्रशिक्षण देने की पेशकश की, जो इस खेल को खेलना चाहते हैं। हॉकी का जादू जल्द ही युवा विवेक हावी हो गया। वे अपने खाली समय में भी, अपने घर के पास की एक छोटी सी जगह में अभ्यास किया करते थे और कुछ ही महीनों में ये खिलाड़ी स्कूल के स्तर से आगे खेलने लगा।

प्रसाद ने 2018 में युवा ओलंपिक खेलों में भारतीय जूनियर टीम का नेतृत्व किया था। उन्होंने न केवल मिडफ़ील्ड में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, बल्कि वह टूर्नामेंट में भारत के लिए संयुक्त रूप से सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी भी थे। उन्हें साल 2019 में मेंस सीरीज़ फ़ाइनल में टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी चुना गया। प्रसाद ने उसी साल मेंस राइज़िंग स्टार ऑफ़ द ईयर का ख़िताब भी हासिल किया। विवेक ने टोक्यो 2020 ओलंपिक में भारत के लिए सभी आठ मुक़ाबले खेले। उन्होंने अर्जेंटीना के ख़िलाफ़ मैच के अंतिम मिनटों में एक महत्वपूर्ण गोल कर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। भारत ने 3-1 से जीत दर्ज करते हुए नॉकआउट के लिए क्वालीफ़ाई किया।

खेलों को दिया जायेगा बढ़ावा ताकि युवा नशे से रहे दूर : अनुपम

शिमला, 8 जुलाई। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा है कि जिला के सभी खेल संघों के साथ समन्वय स्थापित कर खेल गतिविधियों को बढ़ावा दिया जायेगा ताकि युवा पीढ़ी को नशे के चलन से दूर रखा जा सके।

कश्यप ने जिला शिमला के पंजीकृत खेल संघों के साथ सोमवार को यहाँ आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि जिला में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है ताकि जिला के खिलाड़ी खेल जगत में आगे बढ़कर प्रदेश तथा देश का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने कहा कि जिला शिमला में अब तक 13 खेल संघों ने अपना पंजीकरण कराया है। उन्होंने सभी संघों को खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन की और से हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। उपायुक्त ने कहा कि खेल जगत में जिला के उत्कृष्ट खिलाड़ियों की हौसला अफजाई के लिए अभी तक जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित नहीं किया जाता। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को साल में एक बार इस तरह का सम्मान समारोह आयोजित करने के निर्देश दिए। सम्मान समारोह में जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा ताकि अन्य युवाओं में भी खेल के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न हो।

कश्यप ने कहा कि जिला शिमला से संबंध रखने वाले खिलाड़ी जिन्होंने विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय स्तर पर मेडल हासिल किए है उन्हें 16 लाख 83 हजार रुपए की राशि वितरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला में विभिन्न खेलों से संबंध रखने वाले ऐसे 49 खिलाड़ी है। इन खेलों में कब्बड्डी, वॉलीबॉल, नेटबॉल, बॉक्सिंग, कराटे, एथलेटिक, जूडो, हॉकी एवं राइफल शूटिंग आदि खेल शामिल हैं। उपायुक्त ने कहा कि स्कूली छात्रों को खेलो के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से हर खेल का वृत्तिचत्र तैयार किया जायेगा। उन्होंने सभी खेल संघों से आठाह किया कि वह अपने खेल से संबंधित वृत्तिचत्र तैयार करने के उद्देश्य से खेल से संबंधित सारा विवरण प्रदान करे। उन्होंने कहा कि खेल जगत में ऐसे बहुत सारे खेल है जिनके बारे में हमारे छात्रों को जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स अथॉरिटी इंडिया (एसएआई) शिलारू के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिलारू में अच्छे खेल मैदान के साथ सिंथेटिक ट्रैक भी उपलब्ध है। खेल मैदान को किस तरह से स्थानीय तथा जिला के खिलाड़ियों के लिए प्रयोग में लाया जाए, इस संदर्भ में एसएआई शिलारू के अधिकारियों से बैठक आयोजित कर विचार विमर्श किया जाएगा।

कश्यप ने जिला के सभी खेल संघों के साथ एक व्हाट्सएप ठ्रुप तैयार करने के निर्देश दिए ताकि आपसी समन्वय स्थापित हो सके। उन्होंने कहा कि ठ्रुप के माध्यम से खेल जगत से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का पता चल सकेगा। उन्होंने सभी संघों द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिताओं में एक दूसरे को आमंत्रित करने का भी आग्रह किया।

भारत के खिलाफ श्रृंखला से पूर्व जयसूर्या श्रीलंका के अंतरिम कोच नियुक्त

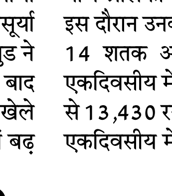

कोलंबो, 8 जुलाई। श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या को इस महीने के अंत में भारत के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की घरेलू श्रृंखला से पहले टीम का अंतरिम मुख्य कोच नामित किया गया है। भारतीय टीम 27 जुलाई से शुरू होने वाले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही वनडे मैचों के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी। आक्रामक बल्लेबाजी के साथ स्पिन गेंदबाजी करने वाले 55 साल के वामहस्त खिलाड़ी जयसूर्या इंग्लैंड के क्रिस सिल्वरवुड की जगह लेंगे। सिल्वरवुड ने टी20 विश्व कप में टीम टीम के खराब प्रदर्शन के बाद इस्तीफा दे दिया था। वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले गये इस विश्व कप में टीम लीग चरण से आगे नहीं बढ़ पायी थी। 'डेली मिरर' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार जयसूर्या श्रीलंका के इंग्लैंड टेस्ट दौरे की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। जयसूर्या इससे पहले टीम के मुख्य चयनकर्ता भी रह चुके हैं। अपने समय के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में से एक जयसूर्या टी20 विश्व कप के दौरान टीम के सलाहकार थे। जयसूर्या ने 1991 से 2007 के बीच श्रीलंका के लिए 110 टेस्ट में 6973 रन बनाये। इस दौरान उनका औसत 40.07 का रहा है और उन्होंने 14 शतक और 31 अर्धशतक जड़े। उन्होंने 445 एकदिवसीय में 28 शतक और 68 अर्धशतक की मदद से 13,430 रन बनाये हैं। जयसूर्या ने टेस्ट में 98 जबकि एकदिवसीय में 323 विकेट भी चटकाए हैं।

पेरिस ओलंपिक उद्घाटन समारोह में पीवी सिंधु और शरत कमल होंगे ध्वजवाहक

नयी दिल्ली, 8 जुलाई। पेरिस ओलंपिक 2024 उद्घाटन समारोह में बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु और टेबल टेनिस खिलाड़ी ए शरत कमल तिरंगा लेकर भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे। 26 जुलाई से शुरु होने वाले पेरिस ओलंपिक में भारतीय ध्वजवाहकों के रुप में पीवी सिंध और शरत कमल के नामों की आज घोषणा की गई। वहीं वर्ष 2012 में ओलंपिक खेलों की 10 मीटर एयर रायफल के कांस्य पदक विजेता गगन को भारतीय दल के शेफ-डी-मिशन की जिम्मेदारी दी गई है। वह एमसी मैरीकॉम की जगह लेंगे।

भीलवाड़ा कार्यालय से इन्फॉर्मेशन टैक्नॉलजी विभाग में यौन शोषण का सनसनीखेज मामला सामने आया

शिकायत राज्यपाल, मुख्यमंत्री, शासन सचिव व कई वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी गई है

- दावा है कि सात हस्ताक्षरों वाली यह शिकायत विभाग की महिला कर्मचारियों ने की है। हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है।
- शिकायत भीलवाड़ा के सूचना प्रौद्योगिकी कार्यालय के सहायक प्रोग्रामर के खिलाफ है।
- आरोप है कि उक्त प्रोग्रामर महिला कर्मियों को अश्लील मैसेज भेजता है, यौन संबंध का दबाव डालता है और विरोध करने पर काम में कमी निकाल कर प्रताड़ित करता है।

भीलवाड़ा, 8 जुलाई (निसं)। सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग में सैक्सुअल हरैसमैंट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। विभाग में कार्यरत एक सहायक प्रोग्रामर के खिलाफ सात हस्ताक्षर वाली इस शिकायत ने विभाग की नींद उड़ा दी है।

राज्यपाल, मुख्यमंत्री, शासन सचिव सहित विभाग के आलाधिकारियों को भेजी गई शिकायत में विभाग में कार्यरत सहायक प्रोग्रामर के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। दावा किया जा रहा है कि यह शिकायत विभाग में कार्यरत महिला कर्मचारियों द्वारा की गई है। कहा जा रहा है कि विभाग में सहायक प्रोग्रामर के नाम को लेकर खौफ का माहौल है, उक्त कर्मचारी पर महिला कर्मचारियों को अश्लील मैसेज भेजकर शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव बनाए जाने और विरोध करने पर कार्य में कमी निकाल कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने जैसे गंभीर आरोप भी शिकायत में लगाए गए हैं। यही नहीं, उक्त कर्मचारी के खिलाफ, भ्रष्टाचार में लिप्त होने और कार्यस्थल पर नशीले पदार्थों का सेवन करके आने जैसे भी कई आरोप शिकायत में लगाए गए हैं। सी.एम.ओ. तक शिकायत पहुंचने के बाद विभाग ने मामले में इंटरनल जांच के आदेश दिए।

भीलवाड़ा विभाग के संयुक्त निदेशक पवन ननकानी ने शिकायत की पुष्टि करते हुए बताया कि जयपुर से भेजी गई शिकायत में 7 हस्ताक्षर किए गए हैं। लेकिन विभागीय जांच में विभाग में कार्यरत किसी भी महिला कर्मचारी द्वारा स्वयं के हस्ताक्षर होने की पुष्टि नहीं की गई है। ऐसे में अब तक इस मामले में शिकायतकर्ता सामने नहीं आया है। हालांकि विभाग मामले की गहनता से जांच कर रहा है, जिसकी रिपोर्ट जयपुर पेश की जायेगी।

मॉस्को में प्र.मंत्री मोदी का भव्य स्वागत

- उप प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव प्र.मंत्री मोदी की अगवानी करने खुद एयरपोर्ट पर पहुँचे।

मॉस्को, 8 जुलाई (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूस की राजधानी मास्को पहुंचने पर देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव ने हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी की। मोदी का विमान स्थानीय समयानुसार पौने तीन बजे मॉस्को के वनुकोवो अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरा। रूसी सरकार ने उन्हें दुर्लभ सम्मान देते हुए प्रथम उप प्रधानमंत्री श्री मंतुरोव को श्री मोदी की अगवानी के लिये भेजा। गौरतलब है कि यह पहला मौका था कि जब श्री मंतुरोव ने किसी विदेशी शासनाध्यक्ष की हवाईअड्डे पर अगवानी की है। इससे पहले चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मॉस्को यात्रा के दौरान श्री मंतुरोव से कनिष्ठ उप प्रधानमंत्री ने उनकी अगवानी की थी। मोदी को रूसी सशस्त्र सेनाओं की एक संयुक्त टुकड़ी ने सलामी गारद पेश की और इसके बाद श्री मंतुरोव श्री मोदी के साथ एक ही कार में सवार हो कर होटल के लिए रवाना हो गये।

'कांग्रेस के विधायक, नेता प्रतिपक्ष को अपना लीडर ही नहीं मानते, शैडो कैबिनेट कैसे सफल होगी'

संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कांग्रेस की शैडो कैबिनेट पर कटाक्ष किया

- पटेल ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बीच वर्चस्व की लड़ाई चल रही है।
- पटेल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाना चाहती है और भाजपा की भजनलाल सरकार के एतिहासिक कार्यों से कांग्रेस बौखला गई है।

जयपुर, 8 जुलाई (का.सं.)। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कांग्रेस के शैडो कैबिनेट बनाने के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस के विधायक दल में कोई तालमेल नहीं है और सदन के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बीच वर्चस्व को लेकर लड़ाई चल रही है।

पटेल ने कहा कि कांग्रेस के विधायक नेता प्रतिपक्ष को अपना नेता ही नहीं मानते। ऐसे में शैडो कैबिनेट कितनी सफल होगी, आप अंदाजा लगा सकते हैं। भाजपा की भजनलाल शर्मा सरकार निरंतर जनहित में ऐतिहासिक फैसले ले रही है। अगर कांग्रेस की वाकई जनहित करने की मंशा है तो सदन में सत्ता पक्ष का जनहित के मामलों में समर्थन करे और सदन की कार्यवाही में सहयोग करे।

पटेल ने कहा कि कांग्रेस केवल सदन की कार्यवाही में व्यवधान पहुंचाने और विकास कार्यों से जुड़े विधेयकों को अटकाने के लिए शैडो कैबिनेट बनाएगी तो हम इसका पुरजोर जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तब कांग्रेस के मंत्री जनता की समस्याओं का समाधान नहीं कर पाए। कांग्रेस सरकार के मंत्री खुद अपनी सरकार के खिलाफ धरने पर बैठे और मुख्यमंत्री गहलोत ने चुप्पी साधे रखी। अब जबकि प्रदेश की भजनलाल सरकार जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए दिन रात जुटी है तो कांग्रेस के नेताओं में बौखलाहट है।

जोगाराम पटेल ने कहा कि प्रदेश की जनता ने भाजपा को बहुमत देकर स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस जनता की कसौटी पर खरी नहीं उतर पाई। पिछले पांच साल प्रदेश में अराजकता का माहौल किसी से छिपा नहीं है। युवा, किसान, महिलाएं और दलितों पर पिछले पांच सालों में जमकर अत्याचार हुए और कांग्रेस आपसी फूट और गुटबाजी में उलझी रही। पूर्व की कांग्रेस सरकार में पूरे पांच साल पेपर लीक और महिला अत्याचार के मामलों से प्रदेश की देशभर में चर्चा रही।

हेमंत सोरेन पर एक बार फिर गिरफ्तारी की तलवार लटकी

चार दिन पहले ही मु.मंत्री पद की शपथ लेने वाले हेमंत सोरेन की रिहाई के खिलाफ ई.डी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की है

- कथित जमीन घोटाले में मनी लॉण्डरिंग के आरोप में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 31 जनवरी को ईडी ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद सोरेन को जेल भेज दिया गया।

नई दिल्ली, 8 जुलाई। कथित जमीन घोटाले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मुश्किलें एक बार फिर से बढ़ सकती हैं। सोरेन की जमानत के फैसले के खिलाफ ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की है। सोमवार को ईडी ने झारखंड हाईकोर्ट के सिंगल बेंच के फैसले के खिलाफ कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

बता दें कि कथित जमीन घोटाले में मनी लॉण्डरिंग के आरोप में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 31 जनवरी को ईडी ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद सोरेन को जेल भेज दिया गया। तब चंपाई सोरेन ने झारखंड के सीएम का पद संभाला था। बाद में झारखंड हाई कोर्ट ने जमानत देते हुए सोरेन को रिहा कर दिया था। जेल से वापस आने के बाद हेमंत सोरेन ने एक बार फिर से मुख्यमंत्री की शपथ ले ली है। आज सोरेन सरकार की कैबिनेट का विस्तार भी हुआ। उनके साथ 11 और मंत्रियों ने शपथ ली। हालांकि, मंत्रिमंडल के विस्तार के ही दिन सोरेन के लिए मुश्किलें खड़ी कर देने वाली खबर सामने आ गई। अब ईडी ने झारखंड हाई कोर्ट के जमानत वाले फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

लोकसभा चुनावों के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक निश्चित समय के लिए जमानत मिली थी। बाद में 1 जून को केजरीवाल को तिहाड़ जेल में सरेंडर करना पड़ा। उस समय हेमंत सोरेन को जमानत नहीं मिली। इस दौरान लोगों ने कई तरह के सवाल उठाने शुरू कर दिए थे। हालांकि, अब अरविंद केजरीवाल जेल के अंदर हैं और सोरेन जमानत पर बाहर आ गए हैं। बाहर आने के साथ ही उन्होंने झारखंड की कमान अपने हाथों में ले ली है। हालांकि, ईडी के सुप्रीम कोर्ट में जमानत के खिलाफ अर्जी दायर करने के बाद एक बार फिर से सोरेन की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

हेमंत सोरेन की अनुपस्थिति में चंपाई सोरेन ने राज्य की सत्ता संभाली। अब चंपाई सोरेन को एक बार फिर से कैबिनेट में शामिल करते हुए जल संसाधन विभाग और उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। चंपाई सोरेन के साथ ही जेएमएम कोटे से 6 मंत्रियों ने शपथ ली है।

संविदा कर्मी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ही अदालत ने मामले में राज्य के अतिरिक्त महाधिवक्ता कपिल प्रकाश माथुर को याचिका की प्रति दिलाते हुए 15 जुलाई तक जवाब पेश करने को कहा है। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश राम अवतार मेहरिया की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रमाकांत गौतम ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता की प्लेसमेंट एजेन्सी के जरिए एक जुलाई, 2022 को ब्लॉक समन्वयक के पद पर संविदा कर्मी के तौर पर अजमेर जिले में नियुक्ति हुई थी। नियुक्ति के बाद से वह अपने कर्तव्यों का उचित तरह से निर्वहन करता आ रहा है। इस बीच गत 6 जून को स्थानीय विकास अधिकारी ने याचिकाकर्ता की सेवा समाप्त करते हुए उसके स्थान पर अन्य संविदा कर्मी को नियुक्त करने के आदेश जारी कर दिए। इसे चुनौती देते हुए याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता के संबंधित पद पर काम करने को लेकर कोई शिकायत नहीं है और उसने उचित तरह से अपने कार्य को पूरा किया है। इसके अलावा नियमानुसार संविदा कर्मी को उसी स्थिति में पद से हटाया जा सकता है, जब तक संबंधित पद पर नियमित भर्ती से अभ्यर्थी नियुक्त नहीं हो जाता। ऐसे में एक संविदाकर्मी को हटाकर उसके स्थान पर दूसरे संविदा कर्मी को नियुक्त नहीं किया जा सकता। इसलिए याचिकाकर्ता को हटाने के आदेश को रद्द किया जाए।

'यह स्वीकृत तथ्य है कि, नीट यू.जी. परीक्षा का पेपर लीक हुआ है'

सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रूप अपनाया है और सरकार से यह पता करने को कहा है कि पेपर लीक से कितनों को फायदा हुआ है

- सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले की सुनवाई गुरुवार, 11 जुलाई को करेगा। कोर्ट ने बुधवार (10 जुलाई) की शाम 5 बजे तक नैशनल टैस्टिंग एजेन्सी (एन.टी.ए.), केंद्र सरकार और सी.बी.आई. को मामले में हलफनामा पेश करने के लिए कहा है।

नई दिल्ली, 8 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने विवादों से घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी' 2024 को रद्द करने की अर्जी पर सुनवाई करते हुए सख्त रूप अपनाया है और सरकार से यह पता करने को कहा है कि पेपर लीक से कितनों को फायदा हुआ है। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने इस मामले में दायर कुल 38 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि पेपर तो लीक हुए हैं, हम इससे इनकार नहीं कर सकते। कोर्ट ने कहा कि हम लीक की प्रकृति पर विचार कर रहे हैं।

सुनवाई के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने सख्त रुख अपनाया और कहा, "पेपर लीक पर विवाद नहीं किया जा सकता। हम इसके परिणामों पर भी विचार कर रहे हैं। हम एक आदर्श दुनिया में नहीं रहते हैं, लेकिन दोबारा परीक्षा पर निर्णय लेने से पहले हमें हर पहलू पर गौर करना होगा क्योंकि हम जानते हैं कि हम 23 लाख छात्रों के भविष्य की बात कर रहे हैं।"

सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले की सुनवाई गुरुवार, 11 जुलाई को करेगा। कोर्ट ने बुधवार (10 जुलाई) की शाम 5 बजे तक एनटीए, केंद्र सरकार और सीबीआई को मामले में हलफनामा पेश करने को कहा है। कोर्ट ने एनटीए से उन उम्मीदवारों की पहचान करने को कहा है जिन्हें नीट-यूजी पेपर लीक से फायदा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए से उन केंद्रों/शहरों की पहचान करने को भी कहा है जहां पेपर लीक हुआ है।

इससे पहले सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने पूछा कि गलत कृत्य करने वाले कितने छात्रों के परिणाम रोके गए हैं। कोर्ट ने कहा कि हम ऐसे लाभार्थियों का भौगोलिक विवरण जानना चाहते हैं। सीजेआई ने पूछा कि मान लें कि सरकार परीक्षा रद्द नहीं करेगी, लेकिन पेपर लीक करने वालों की पहचान करने के लिए क्या करेगी? क्योंकि जो हुआ उसे हमें नकारना नहीं चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से यह भी पूछा कि हमारी साइबर फोरेंसिक टीम के पास किस तरह की टेकनोलॉजी है। क्या हम सभी संदिग्धों का एक डेटा तैयार नहीं कर सकते? इस परीक्षा में जो हुआ, वह आगे नहीं हो, क्या हम इसके लिए कदम नहीं उठा सकते? एनटीए ने कहा कि अगर परीक्षा की पवित्रता खत्म हो जाती है, तो दोबारा परीक्षा का आदेश देना होगा। यदि दागी और बेदाग को अलग करना संभव नहीं है, तो दोबारा परीक्षा का आदेश देना ही होगा। सीजेआई ने यह भी कहा कि अगर पेपर लीक इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से हुआ है, तो यह जंगल में आग की तरह फैल सकता है और बड़े पैमाने पर लीक हुआ हो सकता है।

कोर्ट ने कहा कि हम पूरी प्रक्रिया जानना चाहते हैं। दूसरी मामले में दर्ज एफआईआर की प्रकृति और पेपर लीक कैसे फैला इसकी भी जानकारी चाहते हैं। सीजेआई ने पूछा कि केंद्र और एनटीए ने गलत काम करने वालों की पहचान करने के लिए अब तक क्या-क्या कदम उठाए हैं। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की कि जिस किसी ने भी परीक्षा के नियमों का उल्लंघन किया है, उसे वहां रहने का कोई अधिकार नहीं है। हम जानना चाहते हैं कि सरकार ने इस बावत क्या कदम उठाए हैं।

इन याचिकाओं में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) की पांच मई को हुई परीक्षा में गड़बड़ी और कदाचार का आरोप लगाया गया था और इसे रद्द कर फिर से आयोजित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

राहुल गांधी मणिपुर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वरिष्ठ नेता भी हैं।

कांग्रेस ने "एक्स" पर की गई एक पोस्ट में कहा है, "हिंसा (प्रारम्भ होने के) बाद उनकी तीसरी मणिपुर-यात्रा जनता के निमित्त उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है।" गांधी पहली बार मणिपुर उस समय गये थे, जब मणिपुर में नस्ली हिंसा शुरु हुए कुछ ही दिन हुए थे। मणिपुर में 3 मई 2023 से नस्ली हिंसा शुरु हुई। उन्होंने अपनी "भारत जोड़ो न्याय यात्रा" भी जनवरी 2024 में मणिपुर से ही शुरू की थी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सबसे पहले जिरिबाम हायर सेकण्डरी स्कूल में स्थापित राहत-शिविर में गये।

राज्य कांग्रेस अध्यक्ष कीशम मेघचन्द्रा ने पत्रकारों को बताया कि जिरिबाम के राहत शिविर में रह रहे लोगों ने वहां रहने के अपने अनुभव राहुल गांधी के साझा किए।

मेघचन्द्रा ने कहा, "उन्होंने (राहुल) उनसे उनकी जरूरतों के बारे में पूछा। एक लड़की ने गांधी से कहा कि इन लोगों को देखने न तो प्रधानमंत्री आये हैं और न मुख्यमंत्री। उसने गांधी से यह भी अनुरोध किया कि वे इस मामले को संसद में रखें।" प्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जिरिबाम में हजारों लोग गांधी से मिलने के लिये घरों से निकल आये तथा कुछ लोग तो उनसे बात करते समय रोने लगे। राहुल गांधी जिरिबाम से असम के सिल्चर होते हुए इम्फाल हवाई अड्डे पर आये तथा वहाँ से सड़क मार्ग से चरचाँदपुर जिले के हुईबाँग गाँव में स्थापित राहत शिविर में पहुँचे। वहाँ भी उन्होंने शिविर में रहने वाले लोगों से बातचीत की।

मेघचन्द्रा ने कहा, "राहुल गांधी की इस यात्रा का उद्देश्य लोगों को सहयोग-सम्बल देना तथा वहाँ की जमीनी स्थिति का आकलन करना है। उनकी यह यात्रा दर्शाती है कि पार्टी हाल ही की हिंसा में प्रभावित हुये लोगों की चिन्ताओं के समाधान के कृतसंकल्प है।"

राहुल गांधी लौटने से पहले, इम्फाल में राज्यपाल अनुसुया उइकी से भी भेंट करेंगे।

मणिपुर में मैतेई तथा कुकी समुदायों के बीच गतवर्ष मई में शुरू हुई नृजातीय हिंसा में अब तक 200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी हैं।

गांधी की इस उपद्रवग्रस्त राज्य की यह यात्रा वहाँ के लोगों को यह दर्शाने का गम्भीर प्रयास है कि वे इस सर्वाधिक संकट की घड़ी में पीड़ित लोगों के साथ खड़े हैं। राहुल का उद्देश्य उस उपेक्षा को भी देशवासियों के सामने लाना है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ भाजपा ने इस राज्य और उसकी जनता के प्रति दिखाई है। मोदी ने न तो इस राज्य की यात्रा की है तथा वे मुद्दे पर पूरी तरह से चुप्पी साधे रहे हैं, और संसद में भी इस मुद्दे पर गंभीरता से नहीं बोले हैं तथा मणिपुर पर बोलने की विपक्ष की सतत माँग की अनसुनी और अनदेखी करते रहे हैं।

भारत में आधी वयस्क जनता हार्ट-अटैक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभिनव दृष्टिकोण रखने की त्वरित आवश्यकता पर बल देते हैं। उनका मानना है कि शारीरिक सक्रियता को सभी के लिए सुलभ, आर्थिक रूप से वहनीय और सुखद बनाने में इतनी सामर्थ्य है कि ऐसा करने से गैर संक्रामक रोगों में महत्वपूर्ण कमी हो सकती है और आबादी को एक स्वास्थ्यकर तथा तुलनात्मक रूप से अधिक लाभकारी एवं ऊर्जावान बनाया जा सकता है।

वैसे, वैश्विक तौर पर 31 प्रतिशत वयस्क शारीरिक सक्रियता के तय स्तरों को पूर्ण करने में विफल रहते हैं, लेकिन भारत में यह आंकड़ा 49.4 प्रतिशत के चौंकाने वाले स्तर तक बढ़ गया है। पाकिस्तान जैसे भारत के पड़ोसी देश के कामगारों में भी फिज़िकल एक्टीविटी का ऐसा ही 45.7 प्रतिशत का स्तर रहा है, हालांकि भूटान (9.9 प्रतिशत) और नेपाल (8.2 प्रतिशत) के आंकड़े इस संबंध में विशेष रूप से कम हैं।

अनुमानों से संकेत मिलता है कि यदि वर्तमान ट्रैण्ड जारी रहा तो वर्ष 2030 तक भारत में निष्क्रिय वयस्कों का प्रतिशत 59.9 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

डब्ल्यू.एच.ओ. गाइडलाइन्स में यह नुस्खा बताया गया है कि वयस्कों को हर सप्ताह कम से कम 150 मिनिट्स तक ब्रिस्क वॉकिंग या साइक्लिंग जैसी मध्यम से तीव्र फिज़िकल एक्टीविटी या 75 मिनट तक की तीव्र एक्सरसाइज़ करनी चाहिए। घर के काम या खेलों में सक्रिय भागीदारी जैसी कोई भी शारीरिक गतिविधि डब्ल्यू.एच.ओ. की गाइडलाइन्स के ही अन्तर्गत आती है, जिससे स्वास्थ्य ठीक रहता है।

डब्ल्यू.एच.ओ. महानिदेशक डॉ. तेद्रोस एडनॉम घेब्रिएसस इस बाद पर दुःख व्यक्त करते हैं कि कैंसर हृदय रोग और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों पर शारीरिक गतिविधियां बढ़ाने के माध्यम से काबू नहीं पाया गया। वह इस करैन्ट ट्रैण्ड में बदलाव को लेकर वैश्विक नेताओं का आव्हान करते हैं कि इस उद्देश्य के लिए नए सिरे से समर्पण के साथ ही निर्णायक कार्रवाई की जाए।

शारीरिक सक्रियता को दुनियाभर में प्रोत्साहिक करने और शरीर की निष्क्रियता से संबद्ध हैल्थ खतरों को कम करने के लिए मजबूत नीतियां और फण्डिंग में वृद्धि महत्वपूर्ण हैं।

डब्ल्यू.एच.ओ. रेखांकित करता है कि नियमित शारीरिक व्यायाम डायबिटीज़ को 17 प्रतिशत, हृदय रोग व स्ट्रोक को 19 प्रतिशत, डिप्रैशन व डिमैंशिया को 28 से 32 प्रतिशत और विभिन्न प्रकार के कैंसर्स को 8 से 28 प्रतिशत सहित कई बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के खतरे को विशेषतौर र कम करता है। अनुमान है कि 4 से 5 मिनियम वार्षिक के मौतों के आंकड़े को अधिक सक्रिय ग्लोबल पॉपुलेशन के माध्यम से संभवतः जा सकता है।

इन गंभीर आंकड़ों के बावजूद थोड़ा आशावादी होने के भी कारण हैं क्योंकि रिपोर्ट में यह विशेष उल्लेख किया गया है कि फिज़िकल एक्टीविटी के मामले में विभिन्न देशों ने प्रगति की है। वर्ष 2030 तक 22 देश शारीरिक असकिरूता में 15 प्रतिशत कमी का लक्ष्य अर्जित करने जा रहा है। पिछले दशक में करीब आधे देशों ने इस मामले में प्रचार दर्शाया है, जिससे संकेत मिलता है कि समेकित प्रयास और रणनीतिक हस्तक्षेप सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम ला सकते हैं।

शारीरिक निष्क्रियता के सर्वव्यापी मुद्दे के समाधान के लिए स्थानीय संदर्भ वाली ऐसी बहुआयामी रणनीतियां बनाने की जरूरत है, जिनसे सक्रिय जीवन शैली को प्रोत्साहन मिलता हो और जिनसे अन्ततः दुनियाभर में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़े।

अन्नाद्रमुक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जयललिता के शासनकाल में शानदार थी, उन्हें लोकसभा चुनावों के दौरान तीसरे सबसे बड़ी पार्टी को इस शर्मनाक स्थिति में लाने के लिए कोसा।

शशिकला ने कहा कि यह ऐसा समय है, जब पार्टी को बचाने के लिए उन्हें बीच में आना पड़ा और उन्होंने ऐलान किया कि वे अन्नाद्रमुक के समर्थकों को एकजुट करने के लिए राज्यव्यापी दौरे पर निकलेंगी।

ज्योतिर्मठ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बहिन प्रियंका गांधी ने भी इन आरोपों के विरुद्ध अपने भाई का बचाव किया है।

प्रियंका ने कहा, "राहुल हिन्दुओं के खिलाफ कभी नहीं बोल सकते। उनकी टिप्पणीयों का लक्ष्य भाजपा और उसके नेता थे।"

पंजाब में दो समूहों के बीच अंधाधुंध गोलीबारी, 4 की मौत

गुरदासपुर, 8 मई। पंजाब के गुरदासपुर जिले में दो समूहों के बीच पुरानी रंजिश के चलते हुई गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना रविवार रात बटाला के श्री हरगोबिंदपुर के लिघांवाला चौक पर हुई। दोनों समूहों में कुल 13 लोग थे और सभी विठवान गांव के रहने वाले हैं। बटाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एस.एस.पी.) अश्विनी गोटयाल ने बताया कि गोलीबारी में दोनों समूहों के दो-दो लोगों की मौत हुई है।

उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान बलराज सिंह, शमशेर सिंह, बलजीत सिंह और निर्मल सिंह के तौर पर हुई है।

पुलिस ने बताया कि घटना में आठ लोग घायल हुए हैं और उन्हें अमृतसर के एक अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक सभी घायल खतरे से बाहर हैं।

'राहुल गांधी 2004 से 2014 के बीच कभी भी देश के प्रधानमंत्री बन सकते थे'

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ तो इसलिए, क्योंकि राहुल गांधी के लिए पद और सत्ता कोई मायने नहीं रखती

- रेवंत रेड्डी ने कहा कि भले ही राहुल गांधी तब पी.एम. नहीं बने, लेकिन अब कांग्रेसियों को उन्हें प्रधानमंत्री बनाने के लिए जुटना होगा।

नई दिल्ली, 8 जुलाई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 2004 से 2014 के बीच कभी भी देश के प्रधानमंत्री बन सकते। यदि ऐसा नहीं हुआ तो इसलिए क्योंकि राहुल गांधी के लिए पद और सत्ता कोई मायने नहीं रखती। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने यह बात कही। सोमवार को वह राज्य के पूर्व सीएम वाईएसआर रेड्डी को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि भले ही राहुल गांधी तब पीएम नहीं बने, लेकिन अब कांग्रेसियों को उन्हें प्रधानमंत्री बनाने के लिए जुटना होगा। रेड्डी ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की वजह से ही कांग्रेस को हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में जीत हासिल हुई।

पूर्व सीएम वाईएस राजशेखर रेड्डी की 75वीं जयंती के मौके पर रेवंत ने कहा कि उन्होंने जो कल्याणकारी योजनाएं लागू की थीं, वह हमारे लिए प्रेरणा बनी हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही के चुनाव में हमने 6 गारंटियां लॉन्च की थीं और इसकी प्रेरणा हमें उनके कार्यकाल में किए गए कामों से ही मिली थी। रेवंत रेड्डी ने कहा, मुझे याद है कि जब 2009 में लगातार दूसरी बात कांग्रेस की सरकार बनी थी तो वाईएसआर का कहना है कि राहुल गांधी को पीएम बनना चाहिए। राहुल गांधी के पद पर आने से पहले ही वाईएसआर हमें छोड़कर चले गए। अब उन्हें पीएम बनाने के लिए कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं को मेहनत करनी चाहिए।

अविभाजित आंध्र प्रदेश के वाईएसआर मुख्यमंत्री रहे थे। 2004 से 2009 के उनका कार्यकाल काफी चर्चित रहा था। वह 2009 में दोबारा चुनाव जीतने के तीन महीने बाद ही हेलिकॉप्टर क्रैश में मारे गए थे। रेड्डी ने कहा कि वाईएसआर ने आंध्र प्रदेश में पदयात्रा निकाली थी, जिससे सरकार की वापसी हुई थी। इसी तरह राहुल गांधी ने भी वाईएसआर से प्रेरणा लेते हुए यात्रा निकाली और उसके नतीजे में तीन राज्यों में सरकार बनी। रेड्डी ने कहा, राहुल गांधी कड़ी मेहनत कर रहे हैं। नेता विपक्ष के तौर पर उनका काम शानदार है। वह पीएम बनने से एक ही कदम दूर हैं। देश उनके ही नेतृत्व में विकास करेगा।

इस दौरान उन्होंने वाईएसआर रेड्डी के बेटे जगनमोहन पर भी निशाना साधा। रेवंत ने कहा कि वाईएसआर के असली उत्तराधिकारी वे हैं जो राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग गांधी के नेतृत्व के खिलाफ जाते हैं, वे वाईएसआर के वंशज नहीं हैं। इस अवसर पर रेड्डी ने वाईएसआर की एक फोटो प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री श्रीधर बाबू, एआईसीसी प्रभारी दीपा दास मुंशी, पूर्व राज्यसभा सांसद केवीपी रामचंद्र राव, विधायक, एमएलसी और पार्टी के नेता मौजूद थे।

प्रदेश के 13 जिलों में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पिछले 24 घंटों में पूर्वी राजस्थान में कई और पश्चिमी राजस्थान के कुछ स्थानों पर हल्के से मध्यम वर्षा दर्ज की गई है। चूरू, गंगानगर, हनुमानगढ़, दौसा, करौली, जयपुर, डूंगरपुर जिलों में कहीं-कहीं पर भारी बारिश दर्ज की गई है। बीते 24 घंटे में सबसे अधिक बारिश पूर्वी राजस्थान में सर्वाधिक बारिश सुरोत, करौली में 137 मिलीमीटर और पश्चिमी राजस्थान के तारानगर, चूरू में 141 मिलीमीटर दर्ज की गई है। इसके अलावा श्रीगंगानगर में 84, पिलानी में 41.6 मिलीमीटर बारिश हुई।

मौसम केंद्र जयपुर ने आज प्रदेश के 13 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग की मानें तो आज जयपुर, अजमेर, दौसा, अलवर, जैसलमेर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं, सीकर, नागौर, झालावाड़, कोटा और बारां जिलों में कहीं-कहीं पर बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा मेघगर्जन व वज्रपात के साथ 20 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

मौसम विभाग ने आज और कल प्रदेश में मानसून की गतिविधियां धीमी होने की संभावना जताई थी। हालांकि, 10 जुलाई को प्रदेश के 9 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम केन्द्र के अनुसार उत्तरी जिलों में बारिश का दौर जारी रहेगा। इसके लिए अलर्ट जारी किया गया है। मौसम केन्द्र के अनुसार मानसून की ट्रफ लाइन उत्तर की ओर से शिफ्ट हुई है। इसके असर से उत्तरी जिलों में भारी बारिश होगी। मौसम केन्द्र के अनुसार आठ और नौ जुलाई को बारिश की गतिविधियों में कम आएगी। इसके अलावा दस जुलाई को फिर से भारी बारिश का दौर शुरू होगा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600